झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, रविवार, 08 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -136 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

अवकाश की सूचना

दिपावली के अवसर पर 08 नवंबर को झारखण्ड उजाला का कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 10 नवंबर को बाजार में आयेगा। पाठको, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदताओं को दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएं।
खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें
jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



रोबिन कुमार
अधिवक्ता, झारखंड उच्च न्यायालय।

अधिवक्ताओं का मुख्य कार्य जनता को समय रहते उनकी परेशानियों से कोर्ट के माध्यम से न्याय दिलाना है। जिस पर सभी अभी बताओ तो साजन रहते हुए कार्य करने की आवश्यकता है ताकि जनता को समय पर न्याय मिल सके ।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**
चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **81,028.02**
निफ्टी :- **25,035.30**

मौसम

अधिकतम तापमान : **25** °
न्यूनतम तापमान : **16** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:58**
संध्या :- **17:07**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1919 को कोलकाता में 'मदन थिएटर्स लिमिटेड' की स्थापना हुई और इसी दिन इसकी पहली फिल्म 'बिल्वामंगल' रिलीज हुई।

संक्षिप्त समाचार

रांची की भीठा बस्ती में आवारा कुत्तों ने चार बच्चों को काटकर किया घायल



रांची। रांची के वार्ड नंबर एक स्थित भीठा बस्ती में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है. अब तक आवारा कुत्ते चार बच्चों को काटकर घायल कर चुके हैं. इसके अलावा कई अन्य लोगों पर भी हमला किया गया है. लगातार हो रही घटनाओं से बस्ती के लोगों में भय का माहौल है. खासकर बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार, आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं. इस कारण अभिभावक बच्चों को घर से बाहर भेजने में भी डर रहे हैं. लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो कोई बड़ी घटना हो सकती है. बस्ती के लोगों ने नगर निगम और संबंधित प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या पर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है. उनका कहना है कि बच्चों और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि बस्ती में भय का माहौल खत्म हो और लोगों को राहत मिल सके.

अयोध्या के 56 घाटों पर जले 30 लाख दीप, जगमग हुई रामनगरी



एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के 56 घाटों पर 30 लाख से अधिक दीप जलने से रामनगरी जगमग-जगमग हो उठी. दीपोत्सव 2026 के भव्य आयोजन में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामलला की आरती की और शोभायात्रा का स्वागत किया. इस अवसर पर रामकथा पार्क में त्रेतायुग की झलक प्रस्तुत की गई. 14 वर्ष का वनवास पूरा करने के बाद प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने का प्रसंग मंच पर दिखाया गया. उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भगवान राम का स्वागत किया. इसके बाद प्रतीकात्मक राज्याभिषेक और आरती का आयोजन हुआ. पूरे कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे.

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल का मंच पर हुआ स्वागत

दीपोत्सव समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रामकथा पार्क के मंच पर पहुंचीं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति को अंगवस्त्र और स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया. इसके बाद तीनों विशिष्ट अतिथियों ने भगवान राम के स्वरूप का तिलक किया और आरती उतारी. इस दौरान मंच पर धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल दिखाई दिया. कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और श्रद्धालुओं ने भी प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए और आयोजन का हिस्सा बने. दीपोत्सव के मुख्य आकर्षणों में भगवान श्रीराम की अयोध्या वापसी का दृश्य शामिल रहा. शनिवार शाम सीता, लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूपों के साथ भगवान राम पुष्पक विमान के प्रतीक हेलीकॉप्टर से पहुंचे. रामकथा पार्क के नजदीक बने हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया. इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह और स्थानीय विधायक भी मौजूद रहे. पारंपरिक स्वागत ने श्रद्धालुओं को रामायण काल की याद दिलाई और पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा.अयोध्या के दीपोत्सव में इस बार सरयू नदी के 56 घाटों को 30 लाख से अधिक दीपों से सजाया गया है. राम की पैड़ी सहित सभी निर्धारित घाटों पर दीप जलाने की तैयारियां पूरी कर ली गईं. शुक्रवार शाम तक स्वयंसेवकों ने निर्धारित स्थानों पर दीपों को व्यवस्थित तरीके से बिछा दिया था.

पीएम मोदी ने दी दिवाली की बधाई, कहा- इस साल भी जवानों के साथ मनाऊंगा दीपावली



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दीवाली की शुभकामनाएं दी हैं. उन्होंने इस त्योहार को अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बताते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की. प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश साझा करते हुए बताया कि हर साल की तरह इस बार भी वह देश की रक्षा में तैनात वीर जवानों के बीच जाकर दिवाली मनाएंगे. उन्होंने कहा कि सैनिकों के साथ त्योहार की खुशियां साझा करना उनकी सालों पुरानी परंपरा है, जो इस साल भी जारी रहेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वीडियो संदेश की शुरूआत 'नमस्ते' से की. उन्होंने कहा कि दीपावली का पावन पर्व पूरे देश को रोशनी से भर रहा है. यह त्योहार केवल दीप जलाने का अवसर नहीं, बल्कि अंधकार के खिलाफ हमारे संकल्प को भी दर्शाता है. प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके आने वाले समय के सुखद और समृद्ध होने की कामना की.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यवासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं



रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दीपावली के पावन अवसर पर राज्य के सभी लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की है कि रोशनी और उमंग का यह त्योहार सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखंड की ओर से जारी संदेश में मुख्यमंत्री ने दीपावली के साथ काली पूजा, सोहराय, गोहाल पूजा, बर्दखूंटा, बांधना पर्व, भाई दूज और चित्रगुप्त पूजा की भी राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने संदेश में कहा कि दीपावली खुशियों और रोशनी का पर्व है। यह त्योहार हर घर में खुशहाली और समृद्धि लाए। उन्होंने आशा जताई कि सभी के सहयोग और प्रयास से झारखंड निरंतर विकास एवं प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों के सुखमय, शांतिपूर्ण और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए सभी को दीपावली की शुभकामनाएं और जोहार कहा।

भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे वनडे में 4 रन से हराया, डकवर्थ लुईस नियम से हुआ फैसला

गुरनूर बरार ने लगाया विकेटों का चौका



एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने दूसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 4 रन से हरा दिया है। मैच का फैसला डकवर्थ लुईस नियम से हुआ। जब भारत को 20 रन की जरुरत थी, उसी समय बारिश होने लगी और खेल रुक गया। करीब आधे घंटे तक खेल प्रभावित रहा। इसके बाद डकवर्थ लुईस नियम से भारत को जीत मिल गई। नियम के मुताबिक भारत को 26 ओवर में 109 रन बनाने थे। जबकि भारतीय टीम 113 रन यानी 4 रन अधिक बना चुकी थी। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के मुताबिक भारत को 4 रन से जीत मिल गई। वहीं, भारत की तरफ से सबसे सफल खिलाड़ी तेज गेंदबाज गुरनूर बरार रहे, जिन्होंने 10 ओवर में 30 रन देकर 4 विकेट हासिल किए।

गुरनूर बरार बोले- न्यूजीलैंड में गेंदबाजी करके मजा आया

गुरनूर बरार को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा- न्यूजीलैंड में गेंदबाजी करने में बहुत मजा आया। यहां का बाउंस और पेस... मुझे बहुत अच्छा लगा। भारत में पिचें सपाट होती हैं और आपको 'हार्ड लेंथ' पर गेंदबाजी करनी पड़ती है। यहां बाउंस ज्यादा है। अगर आप एक तेज गेंदबाज हैं जो 140-142 किमी/घंटा की रफ़्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं, तो आपको आक्रामक होना पड़ता है। लेकिन आपको अपनी सीमाओं का भी पता होना चाहिए। मैं बस 'हार्ड लेंथ' पर गेंदबाजी करने की कोशिश करता हूं, जहां बल्लेबाज पुल शॉट खेलने की कोशिश करते हैं। न्यूजीलैंड ने भारत को 135 रन का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में भारतीय टीम ने 26 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 113 रन बना लिए थे। भारत की तरफ से श्रेयस अय्यर ने 30 रन बनाए।

कृषि निदेशक ने पीएम-आरकेवीवाइ-डीपीआर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की

कृषि योजनाओं में लापरवाही पर सख्ती चार जिलों के अधिकारियों को शो कॉज



झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। कृषि निदेशक विद्यानंद शर्मा पंकज ने पीएम-आरकेवीवाइ-डीपीआर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की. बैठक में कार्यों में लापरवाही और अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर सख्त रुख अपनाया गया. देवघर और गिरिडीह के जिला कृषि पदाधिकारियों (डीएओ) के बैठक में शामिल नहीं होने पर उनसे स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया. बैठक में योजना के क्रियान्वयन और डीपीआर से संबंधित संतोषजनक जवाब नहीं देने पर साहिबगंज और गोड्डा के जिला कृषि पदाधिकारियों से भी स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया गया. इस तरह चार जिलों के अधिकारियों के कामकाज को लेकर जवाब मांगा गया है.

एक सप्ताह में देनी होगी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट

समीक्षा बैठक में चालू वित्तीय वर्ष में स्वीकृत योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की जानकारी ली गयी. कृषि निदेशक ने सभी क्रियान्वयन एजेंसियों को एक सप्ताह के भीतर अद्यतन रिपोर्ट निदेशालय को भेजने का निर्देश दिया. इसके अलावा लंबित डीपीआर तैयार कराकर सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति प्राप्त करने और एक सप्ताह के अंदर निदेशालय को उपलब्ध कराने को कहा गया.

आगामी वर्ष की योजनाओं के लिए भी तैयार होगा डीपीआर

बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष की योजनाओं के लिए भी डीपीआर तैयार कर निदेशालय को भेजने का निर्देश दिया गया. यदि कोई निजी संस्था अनुदानित दर पर प्रस्ताव उपलब्ध कराती है, तो उसे भी अविलंब निदेशालय भेजने को कहा गया है.

नवंबर के तीसरे सप्ताह में होगी अगली समीक्षा बैठक

योजना की अगली समीक्षा बैठक नवंबर माह के तीसरे सप्ताह में आयोजित की जायेगी. इसमें सभी अधिकारियों को अब तक दिये गये निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करना होगा. अधिकारियों को अनुपालन प्रतिवेदन के साथ बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है.

भारतीय वायुसेना ने रचा नया इतिहास, चीन से 25 किमी दूर 13,000 फीट पर दुनिया की सबसे ऊंची लैंडिग

एजेंसी

श्रीनगर। भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर अपनी क्षमता का परिचय दिया है. इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के आईएल-76एमडी विमान ने लद्दाख के न्योमा एयरबेस पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की. यह ऊंचाई 13,629 फीट है. इसके साथ ही उसने दुनिया में अब तक की सबसे अधिक ऊंचाई पर उतरने का रिकॉर्ड बनाया है. रूसी मूल का भारतीय वायुसेना का यह एक परिवहन विमान है. इस बारे में भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह उपलब्धि विमान की लंबे समय से साबित होती आ रही क्षमता के साथ उसके चालक दल के असाधारण कौशल, सटीकता और पेशेवर दक्षता का शानदार प्रदर्शन है. वायुसेना के मुताबिक, यह उपलब्धि भारत की सामरिक एयरलिफ्ट क्षमता को और मजबूत करती है.

एलएसी से महज 25 किलोमीटर दूर है न्योमा



खास बात यह भी है कि न्योमा दक्षिणी लद्दाख में स्थित एक नया एयरफील्ड है, जो वास्तविक नियंत्रण रेखा से करीब 25 किलोमीटर दूर है. यह एयरफील्ड पिछले साल बनकर तैयार हुआ था. इतना ही नहीं यहां करीब तीन किलोमीटर लंबा कंक्रीट रनवे है, जिसका निर्माण सीमा सड़क संगठन के प्रोजेक्ट हिमांक ने किया है. साथ ही इसे बेहद कम तापमान और कठिन मौसमी परिस्थितियों में भी संचालन के अनुकूल बनाया गया है. यहां पर तापमान शून्य से 40 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच जाता है. न्योमा समुद्र तल से करीब 13,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है. पहले यहां चिकित्सा सुविधाओं और सामरिक परिवहन के लिए प्रयोग होने वाले छोटे विमानों तथा हेलीकॉप्टरों का संचालन किया जाता था. अब इसे ऐसे पूर्ण विकसित एयरबेस के रूप में तैयार कर लिया गया है, जहां लड़ाकू विमान भी ऑपरेट किए जा सकते हैं. आईएल-76 विमान को 1980 के दशक के मध्य में भारतीय वायुसेना में शामिल किया गया था. यह वायुसेना की भारी परिवहन क्षमता का महत्वपूर्ण हिस्सा है. यह विमान करीब 45 टन तक का भार ले जाने में सक्षम है. हालांकि इससे पहले भी इसका प्रयोग लद्दाख और पूर्वोत्तर के दुर्गम क्षेत्रों में टैंक, बख्तरबंद वाहन और भारी सैन्य उपकरण पहुंचाने के लिए किया जाता रहा है. बता दें कि वायुसेना के आईएल-76 विमान नियमित रूप से लेह और थॉइस में रसद संबंधी उड़ानें भरते हैं. ये दोनों एयरफील्ड करीब 10 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं. वहीं श्योक घाटी में स्थित थॉइस सियाचिन ग्लेशियर में तैनात सैनिकों को सहायता पहुंचाने के लिहाज से काफी अहम है.





श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अनूठे अंदाज में मनाई दीपावली

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल, रामगढ़ में कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के विद्यार्थियों ने दीपावली का पर्व बड़े उत्साह, उमंग और रचनात्मकता के साथ मनाया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से बच्चों को त्योहार के महत्व के साथ-साथ सहयोग, समन्वय, स्वच्छता और अच्छी आदतों का संदेश दिया गया। नर्सरी के नन्हे विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे कागज के टुकड़ों को चिपकाकर एक विशाल दीये का निर्माण किया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने मिल-जुलकर काम करना तथा आपसी तालमेल और सहयोग का महत्व सीखा।एलकेजी एवं कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों ने दीपावली के



महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि दीपावली प्रकाश, खुशियों, प्रेम और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।यूकेजी के विद्यार्थियों ने स्वच्छता बनाए रखने तथा विद्यालय की सुरक्षा में दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान के लिए धन्यवाद दिया। इस गतिविधि ने बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की भावना विकसित की।वहीं, कक्षा द्वितीय के विद्यार्थियों ने अपनी कॉपियों पर दीये चिपकाए और प्रत्येक दीये पर एक अच्छी आदत लिखी। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने यह संदेश दिया कि दीपावली केवल घरों को रोशन करने का त्योहार नहीं है, बल्कि अपने जीवन में अच्छे संस्कारों और सकारात्मक आदतों का प्रकाश फैलाने का भी अवसर है।विद्यालय के प्राचार्य श्री हरजाप सिंह जी ने बच्चों की रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। त्योहारों के माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों, स्वच्छता, सहयोग और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना सिखाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।विद्यालय प्रबंधन की ओर से भी सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षक-कर्मचारियों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। प्रबंधन ने कामना की कि दीपों का यह पावन पर्व सभी के जीवन में ज्ञान, सकारात्मकता, शांति और समृद्धि का प्रकाश लेकर आए। विद्यालय का यह आयोजन बच्चों के लिए आनंदमय होने के साथ-साथ शिक्षाप्रद भी रहा। इन गतिविधियों ने नन्हे विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, आपसी सहयोग, स्वच्छता, कृतज्ञता और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया।कार्यक्रम में गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान श्री परमदीप सिंह कालरा तथा विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य–सरदार मनमोहन सिंह लांबा,सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, सरदार सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, सरदार वरिंदर सिंह चंडोक, सरदार गुरप्रीत सिंह जॉली, सरदार नरेंदर पाल सिंह गुजराल, सरदार पुषविंदर पाल सिंह, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार गुरदीप सिंह सैनी, सरदार सतिंदर सिंह होरा, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, सरदार गुरप्रीत सिंह चाना, सरदार रमन बेदी और सरदार करमजीत सिंह जग्गी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एनटीपीसी के 52 वर्षों के सफर पर पीवीयूएनएल में मना जश्न, विकास के संकल्प को दोहराया



ध्वजारोहण और केक काटकर मनाया गया स्थापना दिवस, सीईओ ए.के. सहगल ने कर्मचारियों से यूनिट-3 को शीघ्र चालू करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की

पतरातू : पीवीयूएनएल के पतरातू संयंत्र परिसर में एनटीपीसी का 52वां स्थापना दिवस उत्साह, उमंग और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एनटीपीसी की उपलब्धियों और ऊर्जा क्षेत्र में उसके योगदान को याद करते हुए संगठन की विकास यात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. सहगल ने एनटीपीसी का ध्वज फहराकर की। इसके बाद उन्होंने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। समारोह के दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर स्थापना दिवस की खुशियां साझा की गईं। इसके पश्चात सम्मेलन कक्ष में केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी, महाप्रबंधकों, विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान नई दिल्ली के स्कोप परिसर से एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह के संबोधन का सीधा प्रसारण किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में एनटीपीसी की विभिन्न परियोजनाओं और विद्युत केंद्रों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देश के ऊर्जा क्षेत्र में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बढ़ते कदमों और नई तकनीकों एवं पहलों के माध्यम से भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इसके बाद पीवीयूएनएल के सीईओ ए.के. सहगल ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की सफलता के पीछे कर्मचारियों की मेहनत, आपसी तालमेल और सामूहिक प्रतिबद्धता की अहम भूमिका होती है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूरी निष्ठा, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से पीवीयूएनएल की यूनिट-3 को शीघ्र चालू करने के लक्ष्य पर जोर देते हुए कहा कि इस दिशा में सभी को मिलकर तेजी से प्रयास करना होगा। एनटीपीसी के 52वें स्थापना दिवस का यह आयोजन केवल उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संगठन की गौरवशाली विरासत, उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बना। समारोह में उपस्थित कर्मचारियों के उत्साह ने संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

अगहनी धान फसल कटनी को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज के निदेर्शानुसार आज दिनांक 07 नवंबर 2026 को अपर समाहर्ता, रामगढ़ मनिंद्र भगत की अध्यक्षता में कृषि वर्ष 2026-27 के अंतर्गत अगहनी धान फसल कटनी से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अपर समाहर्ता मनिंद्र भगत ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को फसल कटनी निर्धारित समय-सीमा के भीतर एवं पूरी सटीकता के साथ संपन्न कराने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि फसल कटनी प्रयोग की प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सभी संबंधित फसल कटनी प्रयोगकर्ता हर हाल में किसानों की उपस्थिति में ही फसल कटनी संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि फसल कटनी प्रयोग के आंकड़े कृषि उत्पादन के आकलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसलिए इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, रामगढ़, संकलक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अंचल निरीक्षक, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, ATM, BTM सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

त्योहारों पर खलल डालने वालों की खैर नहीं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बासल पुलिस ने संभाली सुरक्षा की

दीपावली और छठ से पहले सड़कों पर उतरी पुलिस, मंदिर से पंचायत भवन तक पैदल गश्ती कर अपराधियों को दिया कड़ा संदेश; हेलमेट और वाहन के कागजातों की भी हुई जांच

पतरातू: दीपावली और लोक आस्था के महापर्व छठ को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए रामगढ़ पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ के निर्देश पर बासल थाना क्षेत्र में



सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसी कड़ी में बासल थाना के सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने क्षेत्र में पैदल गश्ती अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस की इस सक्रियता से असामाजिक तत्वों में स्पष्ट संदेश गया है कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शांति और भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील

पुलिस प्रशासन की ओर से आम नागरिकों से भी विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई है। लोगों से कहा गया है कि दीपावली एवं छठ महापर्व को आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस की लगातार गश्ती और निगरानी का उद्देश्य क्षेत्र में भयमुक्त माहौल कायम रखना है, ताकि आम लोग बिना किसी चिंता के हर्षोल्लास के साथ पर्व मना सकें।गश्ती अभियान के दौरान पुलिस टीम ने माँ पंचबहनी मंदिर से रसदा पंचायत भवन तक पैदल मार्च किया। इस दौरान रास्ते में पड़ने वाले प्रमुख स्थानों, सार्वजनिक स्थलों और आवागमन वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। पुलिस जवानों ने आम लोगों से संवाद कर क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी भी ली। वहीं, सड़क पर चलने वाले दोपहिया वाहनों को रोककर हेलमेट, वाहन के कागजात तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जांच के दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया।

विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था दुरुस्त करने पर जोर, गुरुगोष्ठी में कार्यों की हुई गहन समीक्षा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

शिशु एवं बाल पंजी के अद्यतनीकरण के साथ दिव्यांग बच्चों की पहचान के लिए शिक्षकों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण, विभागीय कार्य समय पर पूरा करने का निर्देश

पतरातू: प्रखंड की शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने और विद्यालयों में संचालित विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर गुरुवार को श्री अग्रसेन विद्यालय, भुरकुंडा में नवंबर माह की गुरुगोष्ठी आयोजित की गई। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रभाकर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस गोष्ठी में पतरातू -1 एवं पतरातू-2 के सभी श्रेणियों के सरकारी विद्यालयों तथा अल्पसंख्यक सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक शामिल हुए। गुरुगोष्ठी के दौरान विद्यालयों से जुड़े विभिन्न विभागीय कार्यों की





बिंदुवार समीक्षा की गई। साथ ही सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में शिशु पंजी एवं बाल पंजी के अद्यतनीकरण पर विशेष जोर दिया गया। इसके माध्यम से विद्यालयों में नामांकित बच्चों तथा विद्यालय से बाहर रह रहे बच्चों से संबंधित अभिलेखों को अद्यतन रखने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षकों को आधुनिक तकनीकी माध्यमों के उपयोग का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। शिशु पंजी एवं बाल पंजी के अद्यतनीकरण के लिए डहर 2.0 ऐप एवं पोर्टल के संचालन की जानकारी दी गई। वहीं प्रशस्त ऐप 2.0 के माध्यम से बच्चों में संभावित दिव्यांगता की पहचान, जांच एवं प्रारंभिक छंटनी की प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान संबंधित अनुप्रयोगों के माध्यम से बच्चों की जानकारी दर्ज करने तथा आवश्यक आंकड़ों के संधारण की विधि से भी अवगत कराया गया। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रभाकर कुमार ने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने के साथ विभागीय निदेर्शों का पालन करना सभी प्रधानाध्यापकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विद्यालयों को निर्धारित कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। गुरुगोष्ठी में बीपीओ मो. इरफान कौसर, बीपीएम राजेंद्र राम, बीआरपी मो. अरशद अली, मो. हातिम अंसारी, संकुल साधन सेवी राजश्री लता सिन्हा, रविंदर पासवान, सुनील कुमार कुशवाहा, उमेश कुमार, संतोष कुमार एवं सुरेंद्र रजक, संसाधन शिक्षक राजेंद्र प्रसाद, अतिथि संसाधन शिक्षक पॉवेल कुमार, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), चितरपुर के प्रतिनिधि तथा सहायक शिक्षक तौसीफ सर सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

झारखंड के देवी-देवता मुख्य रूप से पेड़-पौधों पर निवास करते हैं: बिनू कुमार महतो 'युवा टाइगर'

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़/गोला। बोकारो के जैनामोड़ से ओरमांझी तक चल रहे भारतमाला परियोजना (राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य) के दौरान गोला प्रखंड के रायपुरा गांव में स्थित ऐतिहासिक 'तेतरिया देवता' (इमली का पेड़) और स्थानीय धार्मिक आस्था को बचाने की मांग तेज हो गई है। रेलवे ओवरब्रिज और ग्रामीण ओवरब्रिज के बीच स्थित इस पवित्र स्थान को लेकर रामगढ़ विधानसभा के बसपा के पूर्व प्रत्याशी सह आरटीआई कार्यकर्ता बिनू कुमार महतो 'युवा टाइगर' ने प्रशासन और परियोजना प्रबंधन से गंभीर अपील की है।

विस्तृत विवरण और ग्रामीणों की मांगः

आस्था का प्रमुख केंद्रः बिनू कुमार महतो ने बताया कि तेतरिया देवता (इमली का पेड़) पर कई वर्षों से दैवीय शक्ति का वास माना जाता है। यहां सिर्फ रायपुरा ही नहीं, बल्कि गोला, रोला-बगीचा, नवाजाड़ा, कमता, पुरबडीह, बाघाकुदर, अलगडीहा, कोईया, कमती, कोरांबे, साड़म, कुजूकला, कोनारडीह, बरवाटांड, हेसल सहित रामगढ़ जिले के विभिन्न क्षेत्रों से प्रतिदिन पुजारी और श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

पेड़-पौधों में बसते हैं झारखंड के देवी-देवताः श्री महतो ने कहा कि झारखंड की संस्कृति और परंपरा के अनुसार यहां के अधिकांश देवी-देवता पेड़-पौधों पर ही निवास करते हैं। अतः भारतमाला परियोजना के प्रबंधन को ग्रामीणों की भावनाओं का सम्मान करते हुए देवता के मूल स्थान से छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। निर्माण कार्य अन्य खाली पड़ी जगह पर किया जाए।असामाजिक तत्वों द्वारा उपद्रवः ग्रामीणों ने रोष व्यक्त करते हुए बताया कि पवित्र देवता स्थल के आसपास कुछ लोग जुआ खेलते हैं तथा शराब पीकर कांच की बोतलें (शीशा) तोड़-फोड़ करते हैं, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच रही है। इस अवैध और असामाजिक गतिविधि की सूचना स्थानीय प्रशासन को भी दे दी गई है।

मौजूद प्रमुख ग्रामीणः इस दौरान नया (पाहन) जयनाथ महली, रमेश महली, राम महतो, गौरी महतो, राजेश महतो, मितन महतो, दिनेश महतो, छोटू लाल महतो, कालेश्वर महतो, देवनाथ महतो, सपना महतो, सुरेन करमाली, दिलीप महतो, भुनेश्वर महतो, शिवकुमार मुंडा, जयनाथ मुण्डा, जोगेंद्र मुण्डा, लुकमान अंसारी, मुकेश महतो, राकेश महतो, सुदेश कुमार, मिथिलेश मुंडा, रंजीत मुंडा, कारु मुंडा, बिरजू करमाली सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे और तेतरिया देवता को यथावत सुरक्षित रखने की पुरजोर मांग की।

सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने पर बनी सहमति

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बाइक दुर्घटना में बुझ गया घर का इकलौता चिराग, अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 50 हजार और एक माह के भीतर 9.50 लाख रुपये देने का लिखित आश्वासन

पतरातू: बीती रात सड़क दुर्घटना में एक 19 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत के बाद उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान अनिरुद्ध कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, 6 नवंबर 2026 की शाम लगभग सात बजे अनिरुद्ध कुमार बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए, जिसमें उनकी असामयिक मृत्यु हो गई।

घटना के बाद मृतक के परिजनों और संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि के बीच आपसी सहमति से आर्थिक सहायता को लेकर लिखित समझौता हुआ। समझौते में कुल 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने पर सहमति जताई गई है। लिखित सहमति पत्र के अनुसार, अंतिम संस्कार एवं तत्काल आवश्यक कार्यों के लिए एजेंसी की ओर से 50 हजार रुपये देने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त 9 लाख 50 हजार रुपये एक माह के भीतर मृतक के पिता के बैंक खाते में जमा कराने का आश्वासन दिया गया है।

समझौते में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त राशि के भुगतान के लिए दस दिनों के भीतर 9.50 लाख रुपये का अग्रिम तिथि अंकित चेक दिया जाएगा। इसके अलावा बीमा संबंधी प्रक्रिया में भी एजेंसी की ओर से आवश्यक सहयोग करने की बात कही गई है।



समझौता पत्र पर मृतक के पिता और एजेंसी के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

परिवार के सामने अब भविष्य की चिंता

महज 19 वर्ष की उम्र में अनिरुद्ध कुमार की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस उम्र में एक युवा अपने भविष्य के सपने संजोता है और परिवार की उम्मीद बनता है, उसी उम्र में उसकी जिंदगी का इस तरह समाप्त हो जाना बेहद दुखद है। हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। अब परिजनों की निगाहें समझौते के तहत तय आर्थिक सहायता के भुगतान पर टिकी हैं। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या लिखित समझौते में किए गए सभी वादों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा? साथ ही, सड़क दुर्घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी को लेकर भी स्पष्ट जानकारी सामने आना जरूरी है। आर्थिक सहायता किसी परिवार के सदस्य को वापस नहीं ला सकती, लेकिन विपत्ति की इस घड़ी में परिवार को कुछ सहारा अवश्य दे सकती है। समझौते में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त राशि के भुगतान के लिए दस दिनों के भीतर 9.50 लाख रुपये का अग्रिम तिथि अंकित चेक दिया जाएगा। इसके अलावा बीमा संबंधी प्रक्रिया में भी एजेंसी की ओर से आवश्यक सहयोग करने की बात कही गई है। समझौता पत्र पर मृतक के पिता और एजेंसी के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर दर्ज हैं।

परिवार के सामने अब भविष्य की चिंता

महज 19 वर्ष की उम्र में अनिरुद्ध कुमार की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। जिस उम्र में एक युवा अपने भविष्य के सपने संजोता है और परिवार की उम्मीद बनता है, उसी उम्र में उसकी जिंदगी का इस तरह समाप्त हो जाना बेहद दुखद है। हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं।

अब परिजनों की निगाहें समझौते के तहत तय आर्थिक सहायता के भुगतान पर टिकी हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या लिखित समझौते में किए गए सभी वादों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा? साथ ही, सड़क दुर्घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी को लेकर भी स्पष्ट जानकारी सामने आना जरूरी है। आर्थिक सहायता किसी परिवार के सदस्य को वापस नहीं ला सकती, लेकिन विपत्ति की इस घड़ी में परिवार को कुछ सहारा अवश्य दे सकती है।

दुर्घटनाओं के बाद भी नहीं जागा प्रबंधन वाहनों के दिन के परिचालन पर तत्काल लगे रोक : जयप्रकाश सिंह ननकी

बावनधारा से पीटीपीएस डैम तक सड़क बनी हादसों का खतरा, 19 वर्षीय मनीष राम की दुर्घटना ने फिर खड़े किए सुरक्षा पर सवाल; रात 10 बजे के बाद ही भारी वाहनों को मिले प्रवेश, मांग नहीं मानी तो सड़क पर उतरेगी जनता

पतरातू : पतरातू की सड़कों पर भारी वाहनों का परिचालन अब आम लोगों की जिंदगी पर भारी पड़ने लगा है। एक के बाद एक हो रही दुर्घटनाओं और लोगों की मौत के बावजूद जिम्मेदार प्रबंधन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं होना कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। बावनधारा से पीटीपीएस डैम परिसर तक की मुख्य सड़क पर दिन के समय भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर अब लोगों का आक्रोश बढ़ने लगा है। हाल ही में 19 वर्षीय मनीष राम के दुर्घटना का शिकार होने की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और भारी वाहनों के परिचालन की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस गंभीर मुद्दे पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सह रामगढ़ विधानसभा



प्रभारी जयप्रकाश सिंह ननकी ने पीवीयूएनएल प्रबंधन के उदासीन रवैये पर कड़ी नाराजगी जताते हुए भारी वाहनों का परिचालन रात्रि 10 बजे के बाद ही सुनिश्चित कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बावनधारा से पीटीपीएस डैम तक का मुख्य सड़क मार्ग पतरातू क्षेत्र की सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल है। इसी मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में स्कूली बसें, छोटे-बड़े निजी वाहन, रांची आने-जाने वाले यात्री तथा अस्पताल, प्रखंड मुख्यालय और बाजार पहुंचने वाले लोग गुजरते हैं। इसके बावजूद दिन के समय भारी वाहनों का परिचालन जारी रहना आम लोगों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है।

बहू को वैवाहिक घर में प्रवेश से रोकना और अपमान करना क्रूरता नहीं, सास-ननद को राहत, हाईकोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही की रद्द

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में पति की मां और बहन को बड़ी राहत दी है. जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने बहू को वैवाहिक घर में प्रवेश करने से रोकने और अपमानित करने के आरोप में दोनों महिलाओं के खिलाफ चल रही पूरी आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी है. अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि जब आरोपों को सही मान लेने के बावजूद संबंधित आरोपियों के खिलाफ अपराध के आवश्यक तत्व स्थापित नहीं होते, तो उनके विरुद्ध मुकदमा जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है. यह मामला रांची जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के लोवाडीह स्थित हरिजन बस्ती और लोहरदगा जिले के लोहरदगा महिला थाना से जुड़ा है.

लोहरदगा महिला थाना में दर्ज हुई थी प्राथमिकी

दरअसल, लोहरदगा महिला थाना कांड संख्या 23/2024 में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी. यह मामला जीआर संख्या 311/2025 के तहत न्यायिक प्रक्रिया में था. शिकायतकर्ता ने अपने पति, सास उर्सिला टोप्पो और ननद सविता सोनी टोप्पो के खिलाफ आरोप लगाए थे. शिकायत में कहा गया था कि सास और ननद ने उन्हें लोवाडीह स्थित उनके वैवाहिक घर में प्रवेश नहीं करने दिया और उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया. वहीं, मारपीट और दहेज से संबंधित आरोप मुख्य रूप से पति के खिलाफ लगाए गए थे. हाईकोर्ट ने अपने फैसले में आरोपों का अलग-अलग उल्लेख करते हुए कहा कि शिकायतकर्ता की मुख्य शिकायत अपने पति के खिलाफ थी. मारपीट और दहेज लेने का आरोप पति पर था. पति के एक महिला से अवैध संबंध और उस महिला द्वारा धमकी देने और तीन लाख रुपये की मांग करने का आरोप था. सास और ननद के खिलाफ मुख्य आरोप वैवाहिक घर में प्रवेश नहीं देने और अपमानित करने तक सीमित थे.

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने पांच धाराओं में तय किए थे आरोप

पुलिस की जांच के बाद सास और ननद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता यानी इठर, 2023 की धारा 85, 115(2), 126(2), 352 और 351(2) के तहत चार्जशीट दाखिल की गई थी. लोहरदगा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने 21 अगस्त 2025 को इन धाराओं में संज्ञान लिया था. इसके बाद 10 अगस्त 2026 को दोनों के खिलाफ आरोप गठित किए गए. दोनों महिलाओं ने झारखंड हाईकोर्ट में क्रिमिनल मिसलेनियस पिटीशन संख्या 942/2026 दाखिल कर पूरी आपराधिक कार्यवाही और निचली अदालत के आदेशों को चुनौती दी थी. जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत ने पाया कि शिकायतकर्ता के साथ मारपीट करने का आरोप केवल उसके पति पर था. सास और ननद पर मारपीट या शारीरिक चोट पहुंचाने का कोई आरोप नहीं था. इसी तरह, धमकी देने का आरोप भी दूसरी महिला के खिलाफ था, न कि याचिकाकताओं के खिलाफ. ऐसे में अदालत ने कहा कि दोनों महिलाओं के खिलाफ इठर की धारा 115(2) और 351(2) के जरुरी तत्व ही नहीं बनते. कोर्ट ने इन धाराओं में आरोप गठित करने को गंभीर कानूनी त्रुटि माना.

घर में नहीं आने देने का आरोप धारा 85 के लिए नाकाफी

बीएनएस की धारा 85 के संबंध में अदालत ने कहा कि इस अपराध के लिए महिला के साथ ऐसी क्रूरता का होना जरूरी है, जिससे उसे आत्महत्या के लिए विवश होने या उसके जीवन, शरीर अथवा मानसिक या शारीरिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा हो. इसके अलावा, गैरकानूनी मांग पूरी कराने के लिए महिला को प्रताड़ित करने जैसे तत्व भी जरूरी हैं. कोर्ट ने पाया कि सास और ननद के खिलाफ केवल वैवाहिक घर में प्रवेश नहीं देने और अपमानित करने का आरोप है. इसके अतिरिक्त ऐसी कोई विशिष्ट घटना या आरोप नहीं है, जिससे धारा 85 के तहत अपराध बनता हो. इसलिए इस धारा में भी मुकदमा चलाने का आधार नहीं बनता. अदालत ने इठर की धारा 352 पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की. कोर्ट ने कहा कि इस धारा के तहत अपराध गठित होने के लिए केवल अपमान करना काफी नहीं है. अपमान का उद्देश्य पीड़ित को उकसाना होना चाहिए और आरोपी को यह जानकारी भी होनी चाहिए कि इस तरह की उकसाहट से शांति भंग हो सकती है या कोई अन्य अपराध हो सकता है. इस मामले में ऐसा कोई आरोप नहीं था कि सास और ननद ने शिकायतकर्ता को इस तरह अपमानित किया, जिससे वह शांति भंग करने या कोई अन्य अपराध करने के लिए उकसाई गई हो.

मेयर ने सिविल सर्जन को लिखा पत्र, छठ घाटों पर एंबुलेंस-मेडिकल टीम की तैनाती के दिए निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दीपावली और छठ महापर्व के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और चिकित्सीय आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी की गई है. इसके साथ ही सर्दी के मौसम में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है. नगर निगम की मेयर रोशनी खलखो ने स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों में विशेष चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है. उन्होंने असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रांची को पत्र लिखकर आगामी तीन से चार महीनों तक अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं दुरुस्त रखने को कहा है.

त्योहारों पर अस्पतालों में अलर्ट रहेंगे डॉक्टर

दीपावली के दौरान पटाखों से होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए बर्न वार्ड को पूरी तरह सक्रिय रखने, जीवनरक्षक उपकरण, दवाइयां और एंबुलेंस उपलब्ध रखने पर जोर दिया गया है. वहीं, छठ महापर्व के दौरान अधिक भीड़ वाले घाटों पर एंबुलेंस, चिकित्सा शिविर और मेडिकल टीमों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि श्रद्धालुओं को आपात स्थिति में तत्काल इलाज मिल सके. आपातकालीन सेवाओं की निगरानी के लिए वरीय अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय करने का निर्देश दिया गया है.

सदर अस्पताल के हर वार्ड का रोजाना होगा निरीक्षण

मेयर ने सर्दी के दौरान अस्पतालों में चादर, कंबल, बेड और दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है. खासकर सदर अस्पताल के सभी वार्डों का संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन निरीक्षण करने का निर्देश दिया है. उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से पर्याप्त राशि मिलने के बावजूद मरीजों को चादर-कंबल जैसी बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं मिलतीं. इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने को कहा है.

जच्चा-बच्चा की सुरक्षा पर विशेष ध्यान

मेयर ने प्रसूति विभाग को भी मजबूत करने पर जोर दिया है, ताकि गर्भवती महिलाओं को बेहतर इलाज मिले और जच्चा-बच्चा स्वस्थ एवं सुरक्षित घर लौटे. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने और की गई कार्रवाई की रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है.

झारखंड सरकार को 65 हजार में चाहिए विशेषज्ञ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड सरकार को 65 हजार रुपये के मानदेय पर विशेषज्ञ चाहिए. किसी विषय पर सलाह लेने के लिए इन विशेषज्ञों की नियुक्ति उस वक्त की जायेगी, जब संबंधित विषय के विशेषज्ञ उस विभाग में नहीं होंगे. इन विशेषज्ञों पर पत्रकारों से बात करने और समचार पत्र में खबर, लेख छपवाने पर भी पाबंदी होगी. राज्य सरकार ने विशेषज्ञ समति के गठन से संबंधित नियमावली में इसका प्रावधान किया है. सरकार द्वारा लागू इस नियम में सरकार के विभागों को किसी खास विषय पर अध्ययन, अनुसंधान, मूल्यांकन और संस्थागत सुधारों के स्वतंत्र मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञों की समिति बनाने का अधिकार दिया गया है. विशेषज्ञों की समिति में दो से पांच सदस्य हो सकते हैं. विशेषज्ञों की समिति बनाने के लिए संबंधित विभाग को पहले मुख्यमंत्री से अनुमति लेनी होगी. साथ ही इस बात का प्रमाण पत्र भी देना होगा कि जिस काम के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाना है वह काम सरकारी संसाधनों के सहारे पूरा नहीं किया जा सकता है. नियमावली में किये गये प्रावधान के अनुसार, विशेषज्ञों की समिति में शिक्षाविद एवं शोधकर्ता, विधि विशेषज्ञ, वित्तीय व तकनीकी विशेषज्ञ और क्षेत्रीय विशेषज्ञों को शामिल किया जायेगा. विशेषज्ञों के पास संबंधित विषय में ढ्ढक्र की डिग्री, 5-10 साल का अनुभव होना चाहिए. विशेषज्ञों की नियुक्ति की अधिकतम उम्र सीमा 70 साल तक होगी. विशेषज्ञों का चुनाव Expression of Interest के सहारे किया जायेगा.

विशेषज्ञों के चुनाव के लिए संबंधित विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जायेगा. यह समिति 100 अंकों के आधार पर विशेषज्ञों का मूल्यांकन करेगी. शैक्षणिक योग्यता पर 20, कार्य अनुभव पर 30, सरकारी संस्थाओं के साथ किये गये काम पर 20 और इंटरव्यू में 20 अंकों के आधार पर मूल्यांकन किया जायेगा. चुने गये विशेषज्ञों को एक मुश्त 65 हजार रुपये मिलेंगे. काम में किसी भी तरह की गलती होने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से हटा दिया जायेगा. सरकार द्वारा चुने गये विशेषज्ञ Indian Official Secret Act 1923 के दायरे में होंगे. वे सरकार के कामकाज के दौरान कोई लेख अपने या किसी अन्य नाम से समाचार पत्र में नहीं छपवायेंगे. किसी परिचर्चा में हिस्सा नहीं लेंगे.

पटाखों से झुलसे मरीजों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, रांची सदर अस्पताल में 10 बेड आरक्षित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दिवाली के दौरान पटाखों से होने वाली आगजनी और जलन की घटनाओं से निपटने की तैयारी स्वास्थ्य विभाग ने तेज कर दी है. रांची सदर अस्पताल की पांचवीं मंजिल पर झुलसे मरीजों के इलाज के लिए 10 बेड आरक्षित किए गए हैं. इसके साथ ही अस्पताल की इमरजेंसी सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके. सदर अस्पताल में पटाखों से झुलसने वाले मरीजों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की गई है. हालांकि, गंभीर रूप से झुलसे मरीजों को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया जाएगा. स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी प्रखंडों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को भी अतिरिक्त बेड और जरूरी दवाओं की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है. दिवाली के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना या आपात स्थिति से निबटने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को तैयार रहने को कहा है. सीएचसी में अतिरिक्त बेड और जलने के उपचार में इस्तेमाल होने वाली जरूरी दवाएं उपलब्ध रखने का निर्देश दिया गया है, ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके. चिकित्सकों के अनुसार, पटाखों से जलने पर प्रभावित हिस्से को करीब 20 मिनट तक सामान्य ठंडे बहते पानी से धोना चाहिए.

रांची में दिवाली पर रात 10 बजे के बाद नहीं फोड़ सकेंगे पटाखे, नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। दीपावली पर आतिशबाजी का उत्साह कहीं आपकी परेशानी का कारण न बन जाए, इसके लिए पटाखे फोड़ने से पहले जरूरी दिशा-निर्देशों की जानकारी जरूर रखें. त्योहार के दौरान वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित रखने के लिए झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने पटाखे फोड़ने को लेकर समय निर्धारित किया है. इन नियमों का पालन करना सभी के लिए जरूरी होगा. निर्धारित समय के बाहर आतिशबाजी करने पर कार्रवाई हो सकती है.

दीपावली के दौरान पटाखे फोड़ने को लेकर रांची जिला प्रशासन और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद की ओर से दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. इसके तहत दीपावली की रात 8 बजे से 10 बजे तक ही आतिशबाजी की अनुमति होगी. यानी लोगों को पटाखे फोड़ने के लिए केवल दो घंटे का समय मिलेगा. रात 10 बजे के बाद पटाखे फोड़ने की अनुमति नहीं होगी. पटाखे फोड़ने को लेकर दीपावली के अलावा छठ और गुरुपर्व के लिए भी समय तय किया गया है. गुरुपर्व के अवसर पर रात 8 बजे से 10 बजे तक आतिशबाजी की जा सकेगी. वहीं, छठ पर्व पर सुबह 6 बजे से 8 बजे तक ही पटाखे फोड़ने की अनुमति होगी. इन त्योहारों के दौरान भी निर्धारित समय-सीमा का पालन करना अनिवार्य होगा.

क्रिसमस और नववर्ष के अवसर पर भी आतिशबाजी के लिए समय निर्धारित किया गया है. इन दोनों अवसरों पर रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक ही पटाखे फोड़े जा सकेंगे. इसके बाद आतिशबाजी करने की अनुमति नहीं होगी. रांची में निर्धारित समय-सीमा का पालन कराने के लिए पुलिस और प्रशासन की नजर रहेगी. रात 10 बजे के बाद पटाखे फोड़ने या जारी दिशा-निदेर्शों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है. इन नियमों का उद्देश्य त्योहार के दौरान ध्वनि और वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखना है, ताकि आम लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े. झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने लोगों से पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल करने की अपील की है. साथ ही पटाखों की आवाज निर्धारित ध्वनि मानकों के अनुरूप रखने की सलाह दी गयी है. लोगों से अपील की गयी है कि त्योहार की खुशियां मनाते समय पर्यावरण, बच्चों, बुजुर्गों और आसपास रहने वाले लोगों की सुविधा का भी ध्यान रखें.

ईस्ट जोन महिला हॉकी चैंपियन बनी रांची यूनिवर्सिटी, फाइनल में केआईएसएस भुवनेश्वर को 3-2 से दी मात

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। रांची विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला हॉकी चैंपियनशिप 2026-27 का खिताब अपने नाम कर लिया है. ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में खेले गए फाइनल मुकाबले में रांची विश्वविद्यालय ने मेजबान क्षेत्र की डक्कर यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर को 3-2 गोल से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया. इस रोमांचक मुकाबले में रांची विश्वविद्यालय की जीत की नायिका प्रिनी कांडिर रहीं, जिन्होंने टीम की ओर से तीनों गोल दागे. फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली. हालांकि, रांची विश्वविद्यालय की प्रिनी कांडिर ने अपने शानदार खेल और गोल करने की क्षमता से मुकाबले का रुख अपनी टीम के पक्ष में कर दिया. उन्होंने तीन गोल दागकर शानदार हैट्रिक पूरी की. उनके इस प्रदर्शन की बदौलत रांची विश्वविद्यालय ने डक्कर यूनिवर्सिटी को 3-2 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया.

रांची विश्वविद्यालय की महिला हॉकी टीम ने कई वर्षों के अंतराल के बाद इस प्रतिष्ठित पूर्वी क्षेत्रीय प्रतियोगिता में चैंपियन बनने की उपलब्धि हासिल की है. इस जीत से झारखंड के खेल जगत में खुशी का माहौल है. टीम की सफलता को विश्वविद्यालय में खेल गतिविधियों को मिल रहे प्रोत्साहन और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम माना जा रहा है. टीम की इस उपलब्धि पर हॉकी झारखंड ने खिलाड़ियों, कोच और टीम मैनेजर को बधाई दी है. संगठन के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, महासचिव मनोज कोनबेगी, कोषाध्यक्ष आश्रिता लकड़ा, डीजी विजय शंकर सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने विजेता टीम को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और हॉकी के प्रति समर्पण का परिणाम है. पूरी प्रतियोगिता के दौरान टीम ने अपनी प्रतिभा और खेल क्षमता का परिचय दिया. हॉकी झारखंड के महासचिव मनोज कोनबेगी ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है. विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में अंतर-विभागीय प्रतियोगिताओं के आयोजन से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है. इसके बाद अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं के जरिए खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिल रहा है. रांची विश्वविद्यालय की विजेता टीम में सलोमी कंडूलना, सोनाली तिर्की, सीता कुमारी, सुशीला कुजूर, सिल्विया नाग, प्रिनी कांडिर, कौशल्या कुमारी, एस्थर होरो, रीना कुल्लू, रूपा कुमारी, रीना कुमारी, अनुप्रिया सोरेंग, जमुना कुमारी, बालों होरो, सलोमी नाग, निशा मिंज, स्वीटी डुंगडुंग और सपना भेंगरा शामिल रहीं.

रांची स्टेशन के दोनों गेट होंगे अतिक्रमण मुक्त! छठ के बाद हटेंगी 50 से अधिक दुकानें

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। छठ पूजा के बाद, रांची रेलवे स्टेशन परिसर और स्टेशन रोड को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा. रेलवे प्रशासन ने स्टेशन के नॉर्थ और साउथ गेट के आसपास अवैध रूप से संचालित दुकानों और ठेलों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है. इसके तहत 50 से अधिक दुकानों को हटाने की योजना है. डीआरएम ने इस संबंध में आरपीएफ को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. रांची रेलवे स्टेशन के दोनों प्रवेश द्वारों के आसपास बड़ी संख्या में ठेले, खोमचे और अस्थायी दुकानें लगायी गयी हैं. इनके कारण यात्रियों को स्टेशन परिसर में प्रवेश करने और बाहर निकलने में परेशानी होती है. रेलवे प्रशासन अब इन अतिक्रमणों को हटाकर स्टेशन के आसपास की व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी में है. स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार के आसपास अवैध दुकानों के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है. ट्रेन पकड़ने के लिए पहुंचने वाले यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है. कई बार वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे यातायात प्रभावित होता है. गौरतलब है कि रांची रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के साथ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा रहा है. रेलवे प्रशासन का मानना है कि स्टेशन परिसर और स्टेशन रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने से यातायात व्यवस्था सुगम होगी और यात्रियों को आवागमन में राहत मिलेगी. छठ पूजा के बाद आरपीएफ की कार्रवाई के जरिए 50 से अधिक अवैध दुकानों और ठेलों को हटाने की योजना है.

संक्षिप्त खबर

सीसीएल में 17 अधिकारियों का तबादला, माइनिंग संवर्ग के अफसरों की बदली जिम्मेदारी



रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने माइनिंग संवर्ग के 17 अधिकारियों का स्थानांतरण किया है. जारी आदेश के तहत महाप्रबंधक (माइनिंग), चीफ मैनेजर, सीनियर मैनेजर, डिप्टी मैनेजर और सीनियर ऑफिसर स्तर के अधिकारियों की पदस्थापना में बदलाव किया गया है. तबादले के साथ कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं. स्थानांतरण आदेश के अनुसार, मो अकरम को जीएम (ऑपरेशन), एमएसएंडएस एरिया में पदस्थापित किया गया है. इसके साथ ही उन्हें सांगमित्रा ओसी के परियोजना पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है. वहीं, दिलीप कुमार सिंह को सांगमित्रा से चंद्रगुप्त परियोजना का परियोजना पदाधिकारी बनाया गया है. संजय कुमार सिंह को पूणार्डीह ओसी, एनके एरिया से बरका-सयाल एरिया भेजा गया है. कृष्ण मुरारी को कथारा कोलियरी के मैनेजर पद से स्थानांतरित कर तापिन (साउथ), हजारीबाग एरिया में पदस्थापित किया गया है. वहीं, भूषण कुमार को चंद्रगुप्त परियोजना से स्टाफ ऑफिसर, एनसी एरिया बनाया गया है. अनिल कुमार पासवान को गिरिडीह एरिया से पूणार्डीह ओसी, एनके एरिया भेजा गया है. राजेश प्रियदर्शी को अरगड्डा एरिया से कथारा कोलियरी का मैनेजर बनाया गया है. रामाशीष राम को अरगड्डा एरिया से स्टाफ ऑफिसर, रजहरा एरिया में पदस्थापित किया गया है. इसी क्रम में सुरेंद्र प्रसाद तिवारी को तापिन नॉर्थ ओसी, हजारीबाग एरिया से स्थानांतरित कर मैनेजर, गिद्दी सी, अरगड्डा एरिया की जिम्मेदारी दी गई है. सीसीएल के इस आदेश से माइनिंग संवर्ग के अधिकारियों की पदस्थापना में व्यापक बदलाव हुआ है.

दीपावली पर महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी स्कूल के विद्यार्थियों ने दिया सद्भाव और भाईचारे का संदेश



बुंडू। महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल, बुंडू के विद्यार्थियों ने दीपावली के अवसर पर सामाजिक सद्भाव एवं आपसी सम्मान का संदेश देने के उद्देश्य से विशेष गतिविधि का आयोजन किया। विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों ने तमाड़ के देवी मंडप एवं राम मंदिर, सारजमडीह के देवी मंडप, बुंडू के काली मंदिर, नवरात्रि मंदिर, हनुमान मंदिर तथा कांची के राम मंदिर परिसर में आकर्षक रंगोलियां बनाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने समाज को संदेश दिया कि दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव, सम्मान एवं भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। विद्यालय की इस पहल में स्थानीय समुदायों ने बढ़-चढ़ के हिस्सा लिया तथा सराहा गया।

टेम्पु पलटी एक की मौत, आधा दर्जन घायल



तमाड़। थाना क्षेत्र के रांची टाटा मार्ग पर डोरेया मोड़ के समीप टेंपो के पलट जाने से एक महिला की मौत हो गयी। जबकि आधा दर्जन घायल हो गये। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर है। जिसे रिम्स भेजा गया। घटना शनिवार शाम चार बजे की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि तमाड़बाजार से सवारी बैठक एक टेंपो परासी तक जा रहा था। इसी बीच डोरया मोड़ के समीप एक मोटरसाइकिल से टकराने से टेंपो ने अपना नियंत्रण खो गया एवं पलट गया। बताया टेम्पु चालक रविन्द्र मुंडा शराब के नशे में था। जिससे घटनास्थल पर ही दिउड़ी गांव निवासी गंगा देवी उम्र 40 वर्ष की मौत हो गयी जबकि पारसी निवासी नंदलाल पाहान, मानकीडीह पारसी निवासी रुक्मिणी देवी, सुलोचना देवी दिउड़ी निवासी टुसुमनी देवी, सुनिया देवी घायल हो गया। सभी घायलों का इलाज तमाड़ अस्पताल में किया गया। घायलों में तीन की गंम्भीर स्थिति देखकर वेहतर इलाज के लिए रिम्स रांची भेजा गया। तमाड़ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर थाना ले आया। पोस्टमार्टम के लिए रविवार की सुबह भेजा जाएगा।

तमाड़ बाजार से मोटरसाइकिल चोरी

तमाड़। बाजार से शनिवार को खक्सीडीह निवासी भुवनेश्वर अहीर की मोटरसाइकिल चोरी हो गयी. भुवनेश्वर अहीर ने बताया कि वह शाम करीब चार बजे सब्जी खरीदने तमाड़ बाजार आया था. उसने अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (जेएच 05 एएस 4735) सड़क किनारे खड़ी की और सब्जी खरीदने बाजार के अंदर चला गया. सब्जी खरीदकर जब वह वापस लौटा. तो मौके से मोटरसाइकिल गायब थी. आसपास काफी खोजबीन करने के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिला. इसके बाद पीड़ित ने तमाड़ थाना पहुंचकर घटना की सूचना पुलिस को दी. पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है.

साहिबगंज जिले के विभिन्न प्रखंडों में पलाश-जेएसएलपीएस दीपावली बिक्री केंद्रों की सफल शुरूआत, ग्रामीण महिला उद्यमियों को मिला नया बाजार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



साहिबगंज। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके द्वारा निर्मित स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी की पहल पर साहिबगंज जिले के विभिन्न प्रखंडों में पलाश-खरछढर दीपावली बिक्री केंद्रों की सफल शुरूआत की गई है।दीपावली के शुभ अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी सखी दीदियों द्वारा निर्मित आकर्षक एवं पारंपरिक उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। इन बिक्री केंद्रों पर मिट्टी की मूर्तियां, दीपक, बाती, कलश, फैंसी दीप, रंगोली स्टीकर, माला, चुनरी सहित दीपावली से संबंधित विभिन्न सजावटी एवं पूजन सामग्री उपलब्ध कराई गई है।इस क्रम में राजमहल प्रखंड में पलाश-जेएसएलपीएस दीपावली बिक्री स्टॉल की सफल शुरूआत की गई। उक्त स्टॉल का संचालन तुलसी आजीविका महिला संकुल संगठन की मीरा दीदी द्वारा किया जा रहा है। स्टॉल के माध्यम से स्थानीय महिला उद्यमियों द्वारा तैयार उत्पादों को ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिल रहा है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी ग्रामीण महिला उद्यमियों के उत्पादों को उचित बाजार उपलब्ध कराना, उनकी बिक्री को प्रोत्साहित करना तथा उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। साथ ही, स्थानीय स्तर पर निर्मित पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना भी इसका महत्वपूर्ण लक्ष्य है।पलाश-जेएसएलपीएस की यह पहल ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। इससे सखी दीदियों को अपनी प्रतिभा एवं कौशल के माध्यम से आजीविका के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

बड़ा आकुनबन्ना गांव से 25 लाख रुपये नगद एवं 12 भरी सोने के जेवरात की चोरी, छानबीन में जुटी पुलिस

उधवा/साहिबगंज।साहिबगंज जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पियारपुर पंचायत के बड़ा आकुनबन्ना गांव में चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। जहा अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर करीब 25 लाख रुपये नगद और 12 भर सोने के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की इस घटना से इलाकें में सनसनी फैल गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित अब्दुल शेख ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर बताया कि छह नवंबर की रात करीब 3:30 बजे वह नमाज पढ़ने के लिए उठे थे। इसी दौरान घर के एक कमरे का दरवाजा खुला देखकर उन्हें संदेह हुआ। कमरे के अंदर जाने पर सामान बिखरा मिला और लकड़ी की अलमारी का ताला खुला हुआ पाया। जांच करने पर अलमारी में रखे करीब 25 लाख रुपये नगद और 12 भर सोने के जेवरात गायब मिले। पीड़ित के अनुसार चोरी हुई नकदी उन्होंने पिछले करीब दस वर्षों में खेती-बाड़ी और अन्य कार्यों से बचत कर जमा की थी। घटना के समय वह घर के बाहर दुकान के समीप बने छोटे कमरे में सो रहे थे। जबकि उनकी पत्नी दूसरे कमरे में सोई हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी दौरान अज्ञात चोरों ने घर में प्रवेश कर वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि पीड़ित की ओर से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। जांचोपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

काली पूजा पंडाल का डीसी और एसपी ने किया उद्घाटन



पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा के आमलाटोला में शनिवार को 54वें वर्ष आयोजित काली पूजा के भव्य पूजा पंडाल का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार और पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर पूजा समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। पंडाल की आकर्षक सजावट और भव्य स्वरूप को देखकर अतिथियों ने समिति के प्रयासों की सराहना की।उपायुक्त मनीष कुमार ने मां काली से जिलेवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। उन्होंने लोगों को दीपावली, काली पूजा और छठ पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने जिलेवासियों को भरोसा दिलाया कि किसी भी आवश्यकता के समय पुलिस प्रशासन उनके साथ खड़ा रहेगा।पूजा समिति के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि आमलाटोला की काली पूजा चाईबासा ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड की पहचान बन चुकी है। यहां पूजा देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 53 वर्षों से लगातार हो रही इस पूजा को विधि-विधान के साथ आयोजित किया जाता है और इसके सफल आयोजन में समिति के सदस्यों के साथ शहरवासियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है।इस वर्ष आमलाटोला का पूजा पंडाल अमेरिका के प्रसिद्ध बर्निंग मैन टेम्पल ऑफ जूनो की थीम पर तैयार किया गया है। पश्चिम बंगाल के कारीगरों ने मां काली की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया है। पूरे आमलाटोला क्षेत्र को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया है। पूजा के दौरान बंगाल की पारंपरिक डाक, ढोल और कुड़-कुड़ी की धुन वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। इस अवसर पर दिवंगत शिबू सोरेन की पत्नी दिवंगत रूपी सोरेन की स्मृति में श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद साव, गुरुमुख सिंह खोखर, संचू तिर्की, संजय चौबे, रामेश्वर प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बरहेट में मतदाता सूची के सत्यापन कार्य का अपर समाहर्ता ने लिया जायजा, बीएलओ को दिए निर्देश

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम -2026 के तहत बरहेट विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के सत्यापन एवं शुद्धिकरण का कार्य पूरी गंभीरता और सक्रियता के साथ किया जा रहा है।इसी क्रम में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बरहेट विधानसभा-सह-अपर समाहर्ता विजय कुमार ने बरहेट प्रखंड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर घर-घर मतदाता सत्यापन कार्य का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाबूपुर स्थित मतदान केंद्र संख्या 184 एवं 185 तथा फूलभंगा स्थित मतदान केंद्र संख्या 205 का निरीक्षण किया।निरीक्षण के क्रम में अपर समाहर्ता ने संबंधित क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संवाद किया तथा मतदाता सूची में दर्ज नामों एवं अन्य विवरणों का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे तथा मतदाता सूची में दर्ज प्रविष्टियां सही, स्पष्ट एवं अद्यतन हों।उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं बूथ लेवल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत निर्धारित सभी कार्यों का निष्पादन पूरी जिम्मेदारी, पारदर्शिता एवं सावधानी के साथ सुनिश्चित करें। साथ ही, मतदाताओं से भी अपील की कि वे सत्यापन कार्य में सक्रिय सहयोग करें तथा अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम एवं विवरणों की जांच अवश्य करें।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार सहित संबंधित मतदान केंद्रों के बूथ लेवल पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईंट भट्ठे पर जेसीबी की चपेट में आने से मजदूर की मौत



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

चतरा। टंडवा थाना क्षेत्र के रहमतनगर स्थित एक ईंट भट्ठे पर शनिवार सुबह जेसीबी की चपेट में आने से 45 वर्षीय मजदूर झगरू भुइयां की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बिहार के औरंगाबाद जिले के कसमा थाना क्षेत्र का निवासी था।वह अपनी पत्नी के साथ रहमतनगर स्थित ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने आया था। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब सात बजे झगरू अपनी पत्नी के साथ भट्ठे पर बने अस्थायी कैंप में बैठकर खाना खा रहा था। इसी दौरान जेसीबी मशीन से मिट्टी की खुदाई कर उसे भट्ठे के समीप रखा जा रहा था। आरोप है कि जेसीबी चालक की लापरवाही के कारण मशीन अस्थायी कैंप में घुस गई और वहां बैठे झगरू भुइयां को अपनी चपेट में ले लिया।हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद भट्ठे पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। इस संबंध में इंस्पेक्टर विपिन कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से अब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत मांडरो प्रखंड के मतदान केंद्रों पर घर-घर जाकर किया गया मतदाता सूची का सत्यापन

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे एवं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 02-बोरियो (अ०ज०जा०)-सह-अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द द्वारा मांडरो प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 70, 71 एवं 75 का भ्रमण कर घर-घर जाकर मतदाता सूची के सत्यापन का निरीक्षण किया गया।इस दौरान पदाधिकारियों द्वारा संबंधित मतदान केंद्रों के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं की जानकारी प्राप्त की गई तथा मतदाता सूची में दर्ज नामों एवं विवरणों का अवलोकन कर सत्यापन किया गया। विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि संबंधित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सही तरीके से दर्ज हों तथा पात्र मतदाताओं का नाम सूची में शामिल करने की प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से पूरी की जाए।पदाधिकारियों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत संचालित कार्यों को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ पूरा करने पर बल दिया। साथ ही मतदाता सूची में शुद्धता, पारदर्शिता एवं अद्यतन स्थिति बनाए रखने के उद्देश्य से सत्यापन कार्य में सावधानी बरतने का निर्देश दिया।

निशा भगत मामले में दो नामजद और एक अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज

झारखंड उजाला संवाददाता



रांची। राजधानी रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में निशा भगत के आत्महत्या करने के मामले में थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस संबंध में मृतका निशा भगत के पिता आनंदु भगत के लिखित बयान पर पिठोरिया थाने में दो नामजद और एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका के पिता ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उनकी बेटी को झूठे मुकदमों में फंसाकर और सामाजिक रूप से इस कदर प्रताड़ित किया गया कि वह मानसिक तनाव में आ गई। उन्होंने बताया कि एक सोची-समझी साजिश के तहत सोशल मीडिया पर उनकी बेटी का घोर चरित्र हनन और दुष्प्रचार किया गया। इस मानसिक वेदना और बदनामी से तंग आकर आखिरकार उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, मृतका के पिता ने पिठोरिया के तत्कालीन थाना प्रभारी सतीश पाण्डेय, अन्य पुलिस अधिकारियों सहित अजय तिर्की, ज्योत्सना केरकेट्टा और जमीन व चर्च से जुड़े कथित दलालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि जब भी उनकी बेटी घर से बाहर निकलती थी, ये लोग उसे रास्ते में रोककर मानसिक रूप से टॉर्चर करते थे। पिता का कहना है कि यह सामान्य आत्महत्या नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई हत्या है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि मृतका ने मौत को गले लगाने से पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो बयान जारी किया था। इस बयान में उसने प्रताड़ित करने वाले कई लोगों के नामों का खुलासा किया था। पिता ने पुलिस से उन सभी चेहरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है ताकि उनकी बेटी को न्याय मिल सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग ने इस केस की कमान उच्च अधिकारी को सौंप दी है। डीएसपी अमर कुमार पांडे को इस पूरे मामले की जांच का जिम्मा दिया गया है।पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल बयान और सभी पहलुओं की गहराई से तकनीकी जांच की जा रही है, और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

झामुमो नेता से दुर्व्यवहार पर झामुमो ने की थाना प्रभारी को निलंबित करने की मांग



पश्चिमी सिंहभूम। टोंटो थाना प्रभारी धनंजय सिंह पर झारखंड आंदोलनकारी सह झामुमो जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। मामले को लेकर झामुमो जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर थाना प्रभारी को तत्काल निलंबित करने की मांग की है। वहीं, जिला परिषद सदस्य राज तुबिद ने मंत्री दीपक बिरुवा को आवेदन देकर थाना प्रभारी के स्थानांतरण की मांग की है।सोनाराम देवगम ने पुलिस अधीक्षक को दिए पत्र में आरोप लगाया कि बुधराम लागुरी के साथ थाना प्रभारी का व्यवहार आपत्तिजनक और निंदनीय था। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों ने राज्य निर्माण के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया है। ऐसे में किसी आंदोलनकारी के साथ कथित तौर पर अपमानजनक व्यवहार करना गंभीर विषय है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर थाना प्रभारी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।इधर, जिला परिषद सदस्य राज तुबिद ने मंत्री दीपक बिरुवा को सौंपे आवेदन में थाना प्रभारी पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मानकी-मुंडाओं, सामाजिक कार्यकताओं और बेरोजगार युवाओं के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार एवं जातिसूचक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने थाना प्रभारी पर स्थानीय लोगों को अवैध उत्खनन के लिए प्रेरित करने का भी आरोप लगाया। तुबिद ने धनंजय सिंह को टोंटो से हटाकर पूर्व थाना प्रभारी सुकुमार हेम्ब्रम को पुनः पदस्थापित करने की मांग की है।हालांकि, पुलिस ने लगाए गए आरोपों से इनकार किया है। प्रशिक्षु डीएसपी सह झींकपानी थाना प्रभारी अमित कुमार के नेतृत्व में मामले के सत्यापन के लिए पहुंची पुलिस टीम ने कहा कि घटना के संबंध में लगाए गए आरोप सही नहीं हैं। अमित कुमार के अनुसार सूचना मिलने पर पुलिस सत्यापन के लिए पहुंची थी और उस दौरान बुधराम लागुरी से भी मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई और आरोप लगाए जाने का कारण समझ से परे है। मामले को लेकर अब दोनों पक्षों के दावों के बीच निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

शहीदों के नाम जला पहला दीप, पूर्व सैनिकों ने गोलमुरी शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलि

झारखंड उजाला संवाददाता



पूर्वी सिंहभूम। दीपावली की पूर्व संध्या पर शनिवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर की ओर से गोलमुरी स्थित शहीद स्मारक में ह्यप्रथम दीया शहीदों के नामह्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों और देशभक्तों ने शामिल होकर राष्ट्र की रक्षा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन किया। इस दौरान शहीद स्मारक पर दीप जलाकर तथा पुष्प अर्पित कर शहीदों के प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद के जिला महामंत्री जितेंद्र कुमार सिंह ने संगठन गीत के साथ किया। उन्होंने वीर शहीदों के नाम पहला दीप प्रज्वलित कर उनके अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं भारतीय सेना के सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि वीरता, शौर्य और पराक्रम सैनिकों के आभूषण हैं, जबकि राष्ट्र के लिए उनका बलिदान जीवन की श्रेष्ठ परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब देशवासी दीपावली पर अपने घरों को रोशन करने में जुटे हैं, उस समय भी सैनिक सीमाओं पर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का सर्वोत्तम समय समर्पित कर रहे हैं। परिषद के प्रदेश महामंत्री सिद्धनाथ सिंह ने प्रथम दीप जलाकर शहीदों के माता-पिता को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि वे माता-पिता भी धन्य हैं, जिनके संस्कार और त्याग से देश की सैन्य परंपरा गौरवान्वित होती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि दीपावली पर घर में जलने वाला पहला दीपक उन वीर शहीदों को समर्पित करें, जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती के झारखंड मंत्री राजीव कुमार ने स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की अवधारणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योगों, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देना तथा भारतीय परंपराओं और मूल्यों का संरक्षण आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पूर्व सैनिकों और नागरिकों ने बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर दीप जलाए। अंत में भारत माता की जय और वीर शहीद अमर रहें के नारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रघुवर मार्केट में लगी आग, चार दुकानें जलकर खाक

पूर्वी सिंहभूम। गोलमुरी थाना क्षेत्र के रघुवर मार्केट में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने आसपास की चार दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से दुकानों में रखा बर्तन, अंडा और अन्य सामान जलकर बर्बाद हो गया। प्रभावित दुकानदारों ने करीब पांच से दस लाख रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान जताया है।बताया गया कि मार्केट परिसर में लंबे समय से जमा कचरे के ढेर में अचानक आग लगी। कचरे के बीच पड़े पुराने टायर ने आग की लपटों को और भड़का दिया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैलते हुए आसपास की दुकानों तक पहुंच गई। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देखकर मार्केट में मौजूद लोगों और दुकानदारों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने शुरूआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग लगातार बढ़ती गई। इसके बाद अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से आसपास की अन्य दुकानें इसकी चपेट में आने से बच गईं।घटना के बाद प्रभावित दुकानदारों ने नुकसान का आकलन शुरू किया। दुकानदारों का कहना है कि आग लगने से दुकान में रखा अधिकांश सामान नष्ट हो गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक क्षति हुई है। घटना ने मार्केट में सफाई व्यवस्था और कचरा प्रबंधन पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। दुकानदारों का कहना है कि यदि आग रात के समय लगी होती तो नुकसान काफी अधिक हो सकता था और आग पूरे बाजार में फैलने का खतरा था।

दीपों की रोशनी और रंगों की छटा से जगमगाया उच्च विद्यालय गरी कला, रंगोली में बच्चों ने बिखेरी अपनी प्रतिभा की झलक

झारखंड उजाला@हजारीबाग ब्यूरो।





गरी कला, केरेडारी। दीपावली का पर्व केवल दीप जलाने का ही नहीं, बल्कि खुशियों, उमंग और सृजनात्मकता का भी प्रतीक है। इसी भावना को साकार करते हुए उच्च विद्यालय गरी कला में दीपावली के पावन अवसर पर भव्य रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरा विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी रंगोलियों, दीपों की जगमगाहट और बच्चों की मुस्कान से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जैसे ही बच्चों ने अपने हाथों से रंगोली बनानी शुरू की, पूरा माहौल उत्साह और उल्लास से भर गया। किसी ने मोर पंख की आकृति बनाई, तो किसी ने लक्ष्मी माता के चरण, किसी ने दीपों की कतार तो किसी ने भारत माता की तस्वीर उकेरी। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और हाथ की कलाकारी से सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री राम जीवन महतो ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और कला के प्रति प्रेम जगाते हैं। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेश्वर कुमार ने बच्चों की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गरी कला जैसे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में इतनी अद्भुत प्रतिभा देखकर हृदय गदगद हो गया। उन्होंने बच्चों से कहा कि मेहनत और लगन से पढ़ाई करें, एक दिन यही बच्चे अपने गांव, अपने विद्यालय और अपने माता-पिता का नाम पूरे जिले में रोशन करेंगे। कार्यक्रम में मो. नजमुद्दीन, सहदेव सिंह, सुनीता कुमारी, प्रमोद कुमार पांडे, कंचन कुमारी, अर्जुन कुमार कुशवाहा, मिथलेश कुमार, प्रमोद कुमार, नंदकिशोर वर्मा, कुसुम कुमारी, सुरेंद्र कुमार, धनेश्वर कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों की कलाकृतियों को बारीकी से देखा और उनका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम का सबसे रोमांचक क्षण पुरस्कार वितरण का रहा। विजेता बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। सभी अतिथियों के करकमलों से बच्चों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया।

पुरस्कार वितरण – परिणाम

प्रथम पुरस्कारः कक्षा 10वीं 'सी' - अपनी सजीव और आकर्षक रंगोली के लिए

द्वितीय पुरस्कारः कक्षा 09वीं 'सी' - अपनी सुंदर कल्पना और रंग संयोजन के लिए

तृतीय पुरस्कारः कक्षा 09वीं 'डी' - अपनी अनूठी प्रस्तुति के लिए

पुरस्कार पाकर बच्चे फूले नहीं समाए। वहीं अन्य प्रतिभागी बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार देकर उनका मनोबल बढ़ाया गया।अंत में प्रधानाध्यापक श्री राम जीवन महतो ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और बच्चों का आभार व्यक्त किया और सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पर्व हम सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और ज्ञान का प्रकाश लेकर आए।कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास, मिठाई वितरण और एक-दूसरे को दीपावली की बधाई देने के साथ हुआ।

हजारीबाग प्रेस क्लब के पत्रकारों संग सांसद मनीष जायसवाल ने मनाई दीपावली, मिठाई खिलाकर दी शुभकामनाएं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



हजारीबाग: दीपावली के पूर्व संध्या पर हजारीबाग प्रेस क्लब में उत्साह, उमंग और उल्लास का माहौल देखने को मिला। हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग प्रेस क्लब पहुंचकर पत्रकारों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उनके आगमन पर हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह एवं सचिव दीपक सिंह, कोषाध्यक्ष सागर कुमार सहित अन्य सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान प्रेस क्लब के पदाधिकारियों और उपस्थित पत्रकारों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके पश्चात सांसद मनीष जायसवाल ने पत्रकारों के साथ बैठकर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और विकास से जुड़े विषयों पर बातचीत की। चाय की चुस्कियों के बीच हुई इस अनौपचारिक चर्चा में हजारीबाग के समसामयिक मुद्दों के साथ-साथ जनहित से जुड़े विषयों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। बातचीत के इस आत्मीय माहौल ने कार्यक्रम को केवल एक औपचारिक मुलाकात तक सीमित न रखते हुए आपसी संवाद और सौहार्द का अवसर बना दिया। वार्तालाप के बाद दीपावली का उत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। सांसद मनीष जायसवाल ने उपस्थित सभी पत्रकारों को अपने हाथों से मिठाई खिलाई और दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके बाद पत्रकारों के साथ आतिशबाजी कर त्योहार का जश्न मनाया गया। रंग-बिरंगी आतिशबाजी और मिठाइयों के बीच सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी। सांसद ने सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देता है। ऐसे अवसर समाज के विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे के करीब लाने और खुशियां साझा करने का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर हजारीबाग प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुरारी सिंह एवं सचिव दीपक सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि दीपावली जैसे पावन पर्व पर सांसद मनीष जायसवाल का पत्रकारों के बीच पहुंचना और उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा करना सुखद एवं आत्मीय पहल है। पत्रकारिता जगत और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे अवसर आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के साथ ही सकारात्मक संवाद की परंपरा को भी आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सभी पत्रकारों एवं हजारीबागवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

विधायक निधि से कुंवरडीह काली मंदिर परिसर में हाई मास्ट लाइट स्थापित, विधायक चन्द्रदेव महतो ने किया उद्घाटन



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर/ धनबाद। बाघमारा पंचायत के कुंवरडीह स्थित काली मंदिर परिसर में विधायक निधि से स्थापित हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने फीता काटकर किया। मंदिर परिसर में लंबे समय से रोशनी की समुचित व्यवस्था नहीं होने की समस्या को देखते हुए विधायक ने यह पहल की। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं का विकास उनकी प्राथमिकता है। हाई मास्ट लाइट लगने से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में रात के समय बेहतर रोशनी मिलेगी। इससे श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा होगी तथा सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत होगी। वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार जताया और उन्हें अंगवस्त्र एवं बुके देकर सम्मानित किया।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिमडेगा। सिमडेगा जिला में कोलेबिरा थाना क्षेत्र के लचरागढ़ स्थित देवनदी पुल पर शनिवार शाम भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई।घटना को लेकर बताया जा रहा है कि बानो से लचरागढ़ की ओर जा रही एक बोलेरो और विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। वहीं बाइक पर तीन युवक सवार थे और किसी ने भी हेलमेट नहीं पहन रखा था। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दो युवक सड़क पर गिर पड़े और एक पुल के नीचे जा गिरा।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे में तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना के बाद पुल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जुट गए। मृतकों में एक की पहचान सिजांग निवासी दयानंद सिंह के रूप में हुई है, जबकि दो अन्य युवकों की पहचान नहीं हो सकी है।इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही बानो थाना और कोलेबिरा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। एक साथ तीन युवकों की मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस अज्ञात दोनों युवकों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

एनएमएल पकरी बरवाडीह में धूमधाम से मना एनटीपीसी का 52वाँ स्थापना दिवस, महाप्रबंधक पवन कुमार रावत ने फहराया झंडा

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला, हजारीबाग ब्यूरो।



पकरी बरवाडीह। एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना में एनटीपीसी लिमिटेड का 52वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परियोजना परिसर में विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री पवन कुमार रावत, महाप्रबंधक (इन्फ्रा) द्वारा एनटीपीसी ध्वज फहराकर किया गया। इसके पश्चात उन्होंने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में केक काटा तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। अपने संबोधन में श्री पवन कुमार रावत ने एनटीपीसी की गौरवशाली यात्रा, ऊर्जा क्षेत्र में संगठन के महत्वपूर्ण योगदान तथा राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी ने अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली, तकनीकी दक्षता और कर्मचारियों के समर्पण के बल पर देश की अग्रणी विद्युत उत्पादक कंपनी के रूप में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने परियोजना की उपलब्धियों की सराहना करते हुए सभी कर्मचारियों से इसी प्रतिबद्धता, टीम भावना और समर्पण के साथ कार्य करते रहने का आह्वान किया। समारोह के दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह का स्थापना दिवस संदेश भी सुना, जिसका सीधा प्रसारण किया गया। अपने संबोधन में सीएमडी ने संगठन की उपलब्धियों, भविष्य की विकास योजनाओं, परिचालन उत्कृष्टता, सतत विकास तथा देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इस अवसर ने सभी कर्मचारियों को एनटीपीसी की गौरवशाली विरासत, उपलब्धियों और भविष्य के लक्ष्यों पर गर्व करने के साथ-साथ संगठन के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन नई ऊर्जा, उत्साह और सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। सभी ने राष्ट्र की प्रगति एवं एनटीपीसी की निरंतर सफलता में अपना योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

सड़कों पर मौत का तांडव रोकने के लिए विधायक ने खोला मोर्चा, दिन में भारी वाहनों पर रोक की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पीवीयूएनएल की राख और कोयला लदे वाहन अब रात में ही चलें, रात 10 से सुबह 5 बजे तक परिचालन सीमित करने की मांग; छठ के तीन दिनों तक भारी वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को लेकर उपायुक्त को लिखा पत्र



पतरातू : पतरातू-रामगढ़ मुख्य मार्ग पर राख और कोयला लदे भारी वाहनों के बेलगाम परिचालन तथा लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अब बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कड़ा रुख अपनाया है। आम लोगों की जान की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए विधायक ने रामगढ़ के उपायुक्त को पत्र लिखकर दिन के समय भारी वाहनों के परिचालन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि पीवीयूएनएल एवं विभिन्न कोयला परियोजनाओं से जुड़े राख और कोयला लदे वाहनों को केवल रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक ही चलने की अनुमति दी जाए।विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि पतरातू से रामगढ़ टाउन तक भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इस मार्ग पर पहले भी कई दर्दनाक हादसे हो चुके हैं। बीते 6 नवंबर को पीवीयूएनएल मुख्य द्वार के समीप राख लदे वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार की मौत की घटना ने एक बार फिर यातायात व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ महापर्व के दौरान सड़कों, बाजारों एवं पूजा स्थलों पर लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में दिनभर भारी वाहनों का परिचालन श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की जिंदगी के लिए बड़ा खतरा है। औद्योगिक गतिविधियों और परिवहन के नाम पर आम जनता की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता।विधायक ने उपायुक्त से मांग की है कि पतरातू से रामगढ़ तक पीवीयूएनएल की राख ढुलाई तथा कोयला खनन परियोजनाओं और कोयला साइडिंग से जुड़े भारी वाहनों का दिन में परिचालन पूरी तरह बंद कराया जाए। इसके साथ ही रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक निर्धारित समय-सारणी के तहत ही वाहनों को चलाने की व्यवस्था लागू हो। उन्होंने छठ महापर्व के दौरान विशेष रूप से तीन दिनों तक भारी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा पर्व समाप्त होने तक विशेष यातायात व्यवस्था जारी रखने का आग्रह किया है।विधायक ने सड़क सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन से तत्काल आदेश जारी करने की भी मांग की है। उन्होंने संबंधित विभागों, पीवीयूएनएल प्रबंधन और परिवहन एजेंसियों को सख्त निर्देश देने की अपील करते हुए कहा कि विकास और औद्योगिक गतिविधियां जरूरी हैं, लेकिन इनके कारण आम नागरिकों की जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती।

अब निगाहें जिला प्रशासन पर: लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बीच विधायक की इस पहल ने भारी वाहनों के परिचालन को लेकर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस मांग पर कितनी तत्परता दिखाता है और आम लोगों की सुरक्षा के लिए धरातल पर कब तक ठोस यातायात व्यवस्था लागू होती है।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

कुम्हारदगा में एक मकान से सात बाइक जब्त, गिरवी के नाम पर साहूकारी का खेल या कुछ और?

पांच से सात हजार रुपये में लाखों की बाइक रखने का दावा, पत्रकार के फोटो डिलीट करवाने के आरोप से पुलिस की कार्रवाई पर भी उठे सवाल

रामगढ़/गोला। गोला थाना क्षेत्र के कुम्हारदगा गांव में शनिवार अहले सुबह पुलिस ने एक मकान में छापेमारी कर सात बाइक जब्त कीं। मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। मकान मालिक का दावा है कि उन्होंने लोगों को जरूरत के समय पैसे दिए थे और बदले में उनकी बाइक बंधक रखी थी। इसके लिए पांच से सात हजार रुपये तक दिए जाते थे। उनका कहना है कि कर्ज की रकम वापस करने पर बाइक लौटा दी जाती है तथा इस लेन-देन के लिए स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर भी कराए जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि लाखों रुपये मूल्य की बाइक महज पांच से सात हजार रुपये में बंधक रखने के पीछे आखिर क्या प्रक्रिया अपनाई जा रही थी? क्या यह सामान्य निजी लेन-देन है या ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी साहूकारी प्रथा का एक रूप चल रहा है? यदि सब कुछ नियमों के तहत था तो पुलिस ने एक साथ सात बाइक जब्त क्यों कीं? इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

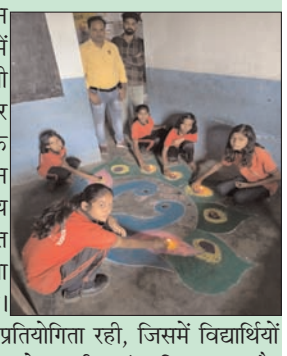
क्या कहता है कानून?

झारखंड निजी धन उधार निषेध अधिनियम, 2016 की धारा 4 के तहत गिरवी रखी गई वस्तुओं के आधार पर निजी साहूकारी का कारोबार करने पर रोक है। धारा 5 में इसके उल्लंघन पर तीन वर्ष तक की कैद और पांच हजार रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है। वहीं, भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 172 में गिरवी की व्यवस्था का प्रावधान है। यानी सामान्य गिरवी और प्रतिबंधित निजी साहूकारी के कारोबार के बीच कानूनी अंतर समझना जरूरी है। केवल स्टांप पेपर पर हस्ताक्षर करा लेना किसी लेन-देन को स्वतः कानूनी नहीं बना देता।

पत्रकार से फोटो डिलीट करवाने का भी आरोप: इस पूरे घटनाक्रम के दौरान एक और गंभीर सवाल सामने आया है। पत्रकार का आरोप है कि जब्त बाइकों की तस्वीर खींचने पर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने उनसे जबरन फोटो डिलीट करवा दिए। यदि ऐसा हुआ है तो यह प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के काम में हस्तक्षेप से जुड़ा गंभीर विषय है। पुलिस को जांच या साक्ष्य संरक्षण के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है, लेकिन बिना उचित कानूनी आधार पत्रकार से तस्वीरें जबरन डिलीट करवाने के अधिकार का सवाल उठता है। इस संबंध में थाना प्रभारी का पक्ष भी सामने आना जरूरी है।

पुलिस की कार्रवाई और बाइक लौटाने की चर्चा: थाना प्रभारी ने बताया कि जब्त बाइकों के कागजातों का सत्यापन किया जा रहा है और वास्तविक मालिकों को बुलाया जा रहा है। जांच में सही पाए जाने पर नियमानुसार बाइक लौटाने की प्रक्रिया की जाएगी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106 के तहत संदिग्ध संपत्ति जब्त करने तथा निर्धारित शर्तों पर सुपुर्दगी देने का प्रावधान है। धारा 503 के तहत संपत्ति की सुपुर्दगी के संबंध में मजिस्ट्रेट भी आदेश दे सकते हैं। हालांकि, सात बाइक जब्त करने के बाद अब उन्हें लौटाने की बात सामने आने से ग्रामीणों के बीच चर्चा तेज है कि आखिर पूरा मामला क्या है? बाइक किसकी हैं, किस परिस्थिति में रखी गई थीं और पुलिस ने किस आधार पर जब्त की थीं? क्या इस मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई है या केवल कागजातों का सत्यापन किया जा रहा है? इन सभी सवालों का स्पष्ट जवाब सार्वजनिक होना चाहिए। फिलहाल यह मामला केवल सात बाइक की जब्ती तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में निजी कर्ज, कथित साहूकारी व्यवस्था, वाहन मालिकों के अधिकार और पुलिस की कार्यप्रणाली से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। निष्पक्ष जांच और पारदर्शी कार्रवाई से ही पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकेगी।

गोल्डेन पब्लिक स्कूल केरेडारी में बच्चों ने सजाई रंगोली, 'एक दीपक देश के वीर जवानों के नाम' जलाकर दी अनोखी श्रद्धांजलि



केरेडारी (हजारीबाग): गोल्डेन पब्लिक स्कूल, केरेडारी के प्रांगण में आज बच्चों द्वारा एक भव्य रंगोली कार्यक्रम एवं ₹एक दीपक देश के वीर जवानों के नाम₹ विशेष देशभक्ति आयोजन का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी कला और देशप्रेम का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रंगोली प्रतियोगिता रही, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी कल्पना और रंगों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, कला और राष्ट्रीय एकता के सुंदर चित्र उकेरे। इसके पश्चात, 'एक दीपक देश के वीर जवानों के नाम' कार्यक्रम के तहत पूरे परिसर को दीपों की रोशनी से जगमगा दिया गया। बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले वीर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन करते हुए दीप प्रज्वलित किए, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति से ओत-प्रोत हो गया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षकगण–श्रीमती कंचन देवी, रीना देवी, हेमा देवी, अंजू देवी, काजल कुमारी, प्रमोद कुमार पांडे, आदर्श कुमार तिवारी, निकुंज कुमार और कांति कुमारी ने अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिक्षकों के मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से ही सभी कार्यक्रम अनुशासित और सुचारू रूप से संपन्न हो सके। विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद कुमार साव ने बच्चों के इस उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में न केवल कलात्मक कौशलों का विकास होता है, बल्कि उनके भीतर देश के प्रति प्रेम, सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी मजबूत होती है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया।

सिजेरियन के बाद महिला की मौत पर सांसद ने जताई नाराजगी कहा, चिकित्सीय लापरवाही बर्दाश्त नहीं



हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन के बाद शनिवार को एक महिला की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना को लेकर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने गहरी नाराजगी जताते हुए स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल कॉलेज अस्पताल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।उन्होंने मामले को चिकित्सीय लापरवाही से जुड़ा गंभीर प्रकरण बताते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली पर चिंता व्यक्त की। सांसद मनीष जायसवाल ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पूरे झारखंड का स्वास्थ्य विभाग बेपटरी हो गया है। उन्होंने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग का बेड़ा गर्क हो गया है। अस्पतालों में मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के बजाय लगातार ऐसी घटनाएं सामने आना बेहद चिंताजनक है और स्वास्थ्य मंत्री राजनीतिक बयानबाजी में ही मशगूल है । सांसद मनीष जायसवाल ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए हजारीबाग जिला प्रशासन से तत्काल केस करके पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चतरीय जांच और मृतक परिवार को न्याय दिलाने के साथ ही दोषियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की।



गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मरने वाला वापस लौट कर नहीं आता?

चारों वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। गीता ही प्रमुख धर्मग्रंथ है। गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस नहीं लौटता और कृष्ण पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस लौट आता है अर्थात उसे फिर से जन्म लेना होता है। उल्लेखनीय है कि भीष्म ने अपना शरीर तब तक नहीं छोड़ा था जब तक की उत्तरायण का शुक्ल पक्ष नहीं आ गया था। लाखों लोग हैं जो शुक्ल पक्ष में मरते हैं और लाखों ऐसे लोग भी हैं जो कृष्ण पक्ष में मरते हैं तो क्या शुक्ल पक्ष में मरने वाले सभी लोगों को मोक्ष मिल जाता है? क्या वह वापस धरती पर नहीं लौटते हैं? दरअसल, गीता में यह बात उन लोगों के लिए कही गई है जो कि ध्यानी, योगी या अनन्य भक्त हैं। आम व्यक्ति को मरने के कुछ ही समय बाद दूसरा जन्म ले लेता है लेकिन जो पाप कर्मी है उसे दूसरा जन्म लेने में कठिनाई होती है। मतलब यह कि वह भूत, प्रेत या पिशाच योगी भोगने के बाद ही जन्म लेगा। यह भी हो सकता है कि वह मनुष्य योनी को छोड़कर निचले स्तर की योनी में चला जाए। मतलब यह कि उसका डिमोशन हो जाए। कृष्ण का शुक्ल और कृष्ण मार्ग का ज्ञान-

यत्र काले त्वनावत्तिमावृत्तिं चैव योगिनः।
प्रयाता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्षभ।

भावार्थ : हे अर्जुन! जिस काल में (यहाँ काल शब्द से मार्ग समझना चाहिए, क्योंकि आगे के श्लोकों में भगवान ने इसका नाम 'सृति', 'गति' ऐसा कहा है।) शरीर त्याग कर गए हुए योगीजन तो वापस न लौटने वाली गति को और जिस काल में गए हुए वापस लौटने वाली गति को ही प्राप्त होते हैं, उस काल को अर्थात दोनों मार्गों को कहूँगा।

अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायणम।
तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जनाः।

भावार्थ : जिस मार्ग में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेत्ता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाए जाकर ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम।
तत्र चान्द्रमसं ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते।

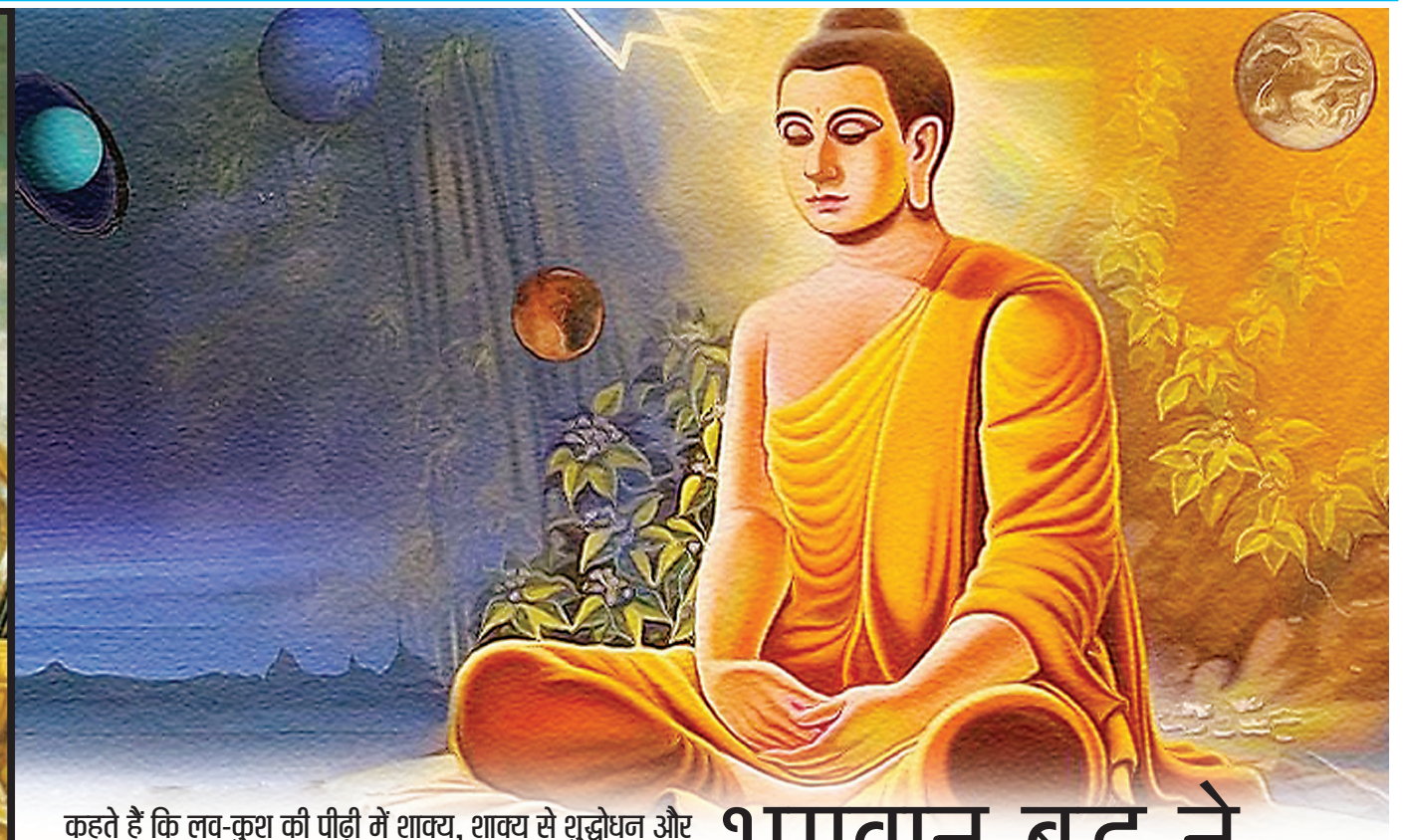
भावार्थ : जिस मार्ग में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छः महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।

शुक्ल कृष्णे गती ह्येते जगतः शाश्वते मते।
एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुनः।

भावार्थ : क्योंकि जगत के ये दो प्रकार के- शुक्ल और कृष्ण अर्थात देवयान और पितृयान मार्ग सनातन माने गए हैं। इनमें एक द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 24 के अनुसार अर्चिमार्ग से गया हुआ योगी।)- जिससे वापस नहीं लौटना पड़ता, उस परमगति को प्राप्त होता है और दूसरे के द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 25 के अनुसार धूममार्ग से गया हुआ सकाम कर्मयोगी।) फिर वापस आता है अर्थात जन्म-मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है कृष्ण और शुक्ल पक्ष?

हिन्दू माह में तीस दिन होते हैं। तीस दिनों को चंद्र के घट-बढ़ के अनुसार 15-15 तिथियों में बांटा गया है। चंद्र जब बढ़ने लगता है तो उस काल को शुक्ल पक्ष और जब घटने लगता है तो उस काल को कृष्ण पक्ष कहते हैं। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या होती है। शुक्ल पक्ष को देवताओं का दिन और कृष्ण पक्ष को पितरों का दिन कहते हैं। इसी तरह उत्तरायण को देवताओं का काल और दक्षिणायन को पितरों का काल कहते हैं।



भगवान बुद्ध ने नहीं दिए थे इन प्रश्नों के उत्तर?

कहते हैं कि लव-कुश की पीढ़ी में शाक्य, शाक्य से शुद्धोधन और शुद्धोधन से सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यह सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध ने नाम से प्रसिद्ध हुए। गौतम बुद्ध के दर्शन में अनीश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद को महत्व दिया जाता है। उनका मानना था कि संबुद्ध होना ही सत्य है। इसके लिए ही उन्होंने आष्टांगिक मार्ग बताएं हैं।

गौतम बुद्ध से उनके जीवन में लाखों प्रश्न पूछे गए लेकिन उनमें से 14 प्रश्नों के उन्होंने जवाब नहीं दिए। जब भगवान बुद्ध से जीव, जगत आदि के विषय में चौदह दार्शनिक प्रश्न किए जाते थे तो वे सदा मौन रह जाते थे। ये प्रसिद्ध चौदह प्रश्न निम्नांकित हैं-

1-4 क्या लोक शाश्वत है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
5-8 क्या जगत नाशवान है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
9-11. तथागत देह त्याग के बाद भी विद्यमान रहते हैं? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं?
11-14 क्या जीव और शरीर एक हैं? अथवा भिन्न?
14 अव्याकृत प्रश्न : बौद्ध धर्म में इन प्रश्नों को अव्याकृत कहा गया है। अव्याकृत का अर्थ है जो व्याकरण-सम्मत नहीं है।

क्यों उत्तर नहीं दिया

उक्त प्रश्न पर बुद्ध मौन रह गए। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वे इनका उत्तर नहीं जानते थे। उनका मौन केवल यही सूचित करता है कि यह व्याकरण-सम्मत नहीं थे। इनसे जीवन का किसी भी प्रकार से भला नहीं होता। उक्त प्रश्नों के पक्ष या विपक्ष में दोनों के ही प्रमाण या तर्क जुटाए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी तरह से सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता है। यह पारमार्थिक दृष्टि से व्यर्थ है।



जानिए हिन्दू देवता पूषन देव को

पूषन एक वैदिक देवता है। पूषन वह देवता हैं जो विवाह के संचालन में मदद करते, सुरक्षित यात्रा प्रदान करते और उन दिलों में वास करते हैं जो पशुओं को भोजन खिलाते हैं। वह हमारे कर्मों के अनुसार वे फल देते हैं। वह आत्माओं को दूसरे संसार की यात्रा करने के लिए पथप्रदर्शन करते हैं। वह लोगों की मृत्यु के समय के दौरान अपनी सुंदर उपस्थिति दिखाकर उनके भय को दूर करते हैं। वह तीर्थ यात्रियों को चोरों और जानवरों से बचाते हैं और लोगों को दुश्मनों, दुर्घटनाओं और अप्राकृतिक मृत्यु से बचाकर लोगों को दिव्य पथ पर ले जाते हैं। वह देने वाले देवता भी हैं जो हमरे जीवन में धन, स्वास्थ और समृद्धि देते हैं। जब हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, तो वह हमारे सामान की सुरक्षा भी करते हैं। वह हमारे दिमाग में बुरे विचारों को दूर करते हैं, काला जादू को दूर करते हैं और कई खतरनाक बीमारियों को ठीक करते हैं।

वह मुख्य रूप से सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को राहत देते हैं जो चक्रवात, बाढ़, भारी बारिश और सुनामी के कारण होती हैं। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, हमारे लिए सभी कार्य करते हैं। वह हमेशा उन भक्तों की देखभाल करते हैं जो किसी भी रूप में ईश्वर की पूजा करते हैं और चाहें दूसरे धर्म के लोग भी हो, लेकिन वे लोगों से केवल यही अपेक्षा रखते हैं कि वे भगवान की सच्ची भक्ति करें। यदि हमारे अंदर ईश्वर के लिए शुद्ध भक्ति है, तो वह हमारे पूर्व कर्मों के आधार पर हमरे जीवन में अच्छे काम करेंगे। वह हमारे बुरे कर्मों को कुछ हद तक कम करने और हमारे जीवन में अच्छे परिणाम देने की शक्ति भी रखते हैं लेकिन वह किसी व्यक्ति के पूरे भाग्य को नहीं बदल सकते हैं। उनका उल्लेख ऋग्वेद और प्राचीन पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। वह यज्ञ में भाग भी लेते हैं। वह यज्ञ कर्ता और लोगों को आशीर्वाद देते हैं। वह विभिन्न बीमारियों जैसे खांसी, सर्दी, दमा, हृदय की समस्याओं और कई अन्य लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से तेजी से राहत दिलाएंगे। वह लोगों को मानसिक विकार, मन में भ्रम, ऊर्जा की कमी, सुस्ती, आलस्य और मानसिक अस्थिरता से भी छुटकारा दिलाते हैं। विभिन्न होम का आयोजन करते समय उनका नाम कई बार दोहराया जाता है। उन्हें इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु, सूर्य और चंद्र जैसे वैदिक देवताओं के समकक्ष माना जाता है। उसके पास अलौकिक शक्तियां हैं और आपकी पुकार सुनकर किसी भी क्षण किसी भी स्थान पर पहुंच जाएंगे। हम उसके नाम का बार-बार जाप कर सकते हैं, ताकि वह जीवन के हर पड़ाव में हमारे साथ हों। पुराणों में पूषन को 12 आदित्यों में से एक के रूप में वर्णित किया गया है और वे अदिति एवं कश्यप के पुत्र हैं। उनके भाई सूर्य, वरुण और इंद्र हैं। वह हमारे लिए एक अंगरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और हमारे दैनिक जीवन में हमारी सभी इच्छाओं को पूरा करते हैं। यद्यपि वह अन्य देवताओं के समान नहीं जाने जाते हैं। वह वैदिक देवताओं में भी एक है और पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। वह भगवान इंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों को करते हैं और उसके लिए एक सहायक मित्र के रूप में भी कार्य करते हैं। वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए वायु, वरुण, सूर्य और चंद्र जैसे अन्य देवताओं के साथ भी परस्पर बातचीत करते हैं। वह कई ऋषियों द्वारा पूजे जाते हैं, और वे ऋषि उनसे आशीर्वाद लेते हैं। वह ऋषियों को उनकी तपस्या को सही तरीके से करने में मदद करते हैं और तपस्या करते समय उनके कारण हुई भूल को दूर करते हैं। सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि वह पूरी दुनिया के लिए मित्रवत हैं। आइए हम उनकी महिमा का गुणगान करें और धन्य हों।

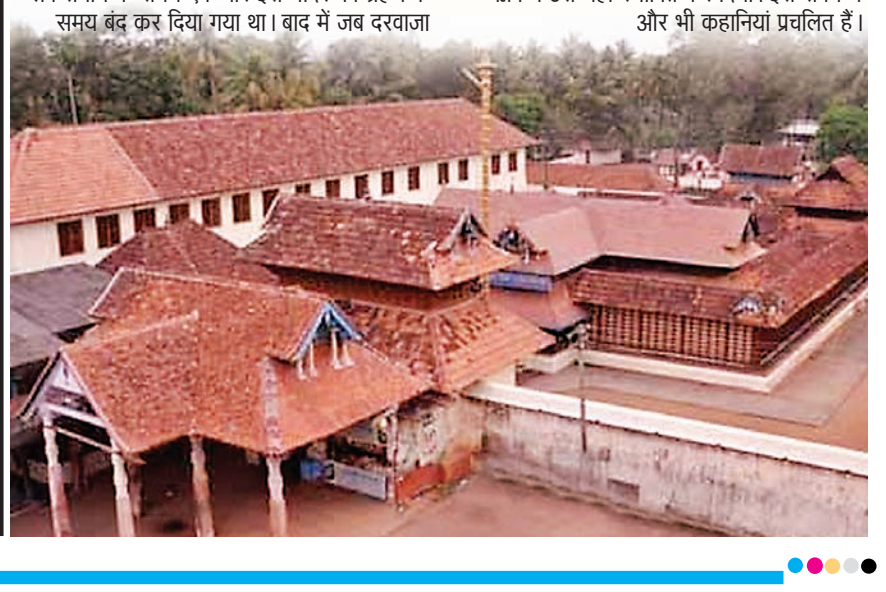
श्रीकृष्ण का यह मंदिर मात्र 2 मिनट के लिए बंद होता है

केरल के कोट्टायम जिले में तिरुवेरपु या थिरुवरप्पु में भगवान श्रीकृष्ण का एक प्रसिद्ध और चमत्कारिक मंदिर है जिसे तिरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर कहते हैं। इस मंदिर के संबंध में कई तरह की किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक यह है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा था तो उनको बहुत भूख लगने लगी थी। कहते हैं कि यहां की श्रीकृष्ण की मूर्ति को भूख बर्दाश्त नहीं होती है। 1,500 साल पुराने इस मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि यह मंदिर 24 घंटे में से मात्र 2 मिनट के लिए ही बंद होता है और वह समय है- सुबह 1158 बजे से 1200 बजे तक। मंदिर 2 मिनट से ज्यादा बंद नहीं रख सकते। इसके लिए पुजारी को एक कुल्हाड़ी दी जाती है, क्योंकि मंदिर खोलते वक्त यदि देर हो तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दे। दरवाजा खोलने के लिए चाबी दी जाती है, लेकिन यदि चाबी कहीं फंस जाए तो तुरंत कुल्हाड़ी का उपयोग करें।

इसके पीछे मान्यता है कि यहां भगवान कृष्ण हमेशा भूखे रहते हैं और वे जरा भी देर के लिए भूख बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। इसीलिए यदि चाबी के साथ दरवाजा खोलने में कोई देरी होती है, तो पुजारी को कुल्हाड़ी से दरवाजा खोलने की अनुमति दी जाती है। यहां कम से कम 10 बार नैवेद्यम चढ़ाया जाता है। अभिषेकम समाप्त होने के बाद स्वामी (श्रीकृष्ण) का सिर पहले सूख जाता है। तब नैवेद्यम चढ़ाया जाता है और फिर केवल उसका शरीर सूख जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के सोने का समय 1158 बजे से दोपहर 1200 बजे तक ही है। केवल 2 मिनट! भक्तों के लिए यह मंदिर सुबह के लगभग 2 बजे खुलता है।

यह मंदिर ग्रहण के समय भी बंद नहीं होता है। शंकराचार्य के समय एक बार इस मंदिर को ग्रहण के समय बंद कर दिया गया था। बाद में जब दरवाजा खोला गया तो उन्होंने पाया कि स्वामी की कमर की पट्टी नीचे खिसक गई है। उस समय आए आदिशंकराचार्य ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण बहुत भूखे थे, तब से यह मंदिर ग्रहण काल के दौरान भी बंद नहीं किया जाता है। कहते हैं कि जो भी यहां का थोड़ा भी प्रसाद ग्रहण कर लेते हैं, उसे ऐसा लगता है कि पेट भर गया। यहां से प्रसादम का सेवन किए बिना किसी भी भक्त को जाने की अनुमति नहीं है। हर दिन 1157 बजे (मंदिर को बंद करने से पहले) पुजारी जोर से पुकारता है कि क्या कोई भी यहां है जिसने प्रसाद नहीं लिया हो?

ऐसा भी कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति एक बार यहां का प्रसाद ग्रहण कर लेता है, वह फिर जीवन में कभी भी भूखे नहीं रहता है। मतलब यह कि उसके जीवन में भोजन प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं होती है। यहां अप्रैल के महीने में 10 दिनों तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां युवा कुंआरी लड़कियां समारोहों के दौरान दीप जलाती हैं। इस मंदिर के बारे में एक कथा यह भी प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव जंगल में रहते थे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें 4 हाथ वाली अपनी प्रतिमा दी थी। जब पांडव जंगल से जाने लगे तो चेरथलाई लोगों ने यह मूर्ति उनसे ले ली। कुछ काल तक वे इसकी पूजा करते रहे लेकिन बाद में उन्होंने कुछ कारणों से इसे समुद्र में फेंक दिया। लंबे समय के बाद यह मूर्ति केरल के एक महान ऋषि को मिली, जब वे नाव से यात्रा कर रहे थे। कहते हैं कि जब उनकी नाव डूब रही थी, तब इस मूर्ति को लेकर कोई दिव्य पुरुष प्रकट हुआ और उसने यह मूर्ति उन्हें दी थी। इस मूर्ति को लाकर उन ऋषि ने उसे यहां स्थापित कर दिया। इस संबंध में और भी कहानियां प्रचलित हैं।



मार्गशीर्ष माह में पूजें शंख को जानिए पूजन सामग्री की सूची विधि एवं मंत्र

धर्म शास्त्रों के अनुसार सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए शंख को अपने घर में स्थापित करना चाहिए। माना जाता है कि अगहन (मार्गशीर्ष) के महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। अगहन के महीने में किसी भी शंख को भगवान श्रीकृष्ण का पंचजन्य शंख मान कर उसका पूजन-अर्चन करने से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूरी होती हैं। विष्णु पुराण के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान प्राप्त हुए 14 रत्नों में से ये एक रत्न है शंख। प्रतिदिन घर में शंख पूजन करने से जीवन में कभी भी रुपए-पैसे, धन की कमी महसूस नहीं होती। इसके अलावा दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी स्वरूप कहा जाता है। इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूरी नहीं मानी जाती है। अगहन मास में खास तौर पर लक्ष्मी पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा अवश्य करनी चाहिए।



शंख पूजन सामग्री की सूची

*शंख *कुंमकुंम *चावल *जल का पात्र *कच्चा दूध
*एक स्वच्छ कपड़ा *एक तांबा या चांदी का पात्र (शंख रखने के लिए)
*सफेद पुष्प *इत्र *कपूर *केसर *अगरबत्ती
*दीया लगाने के लिए शुद्ध घी *भोग के लिए नैवेद्य *चांदी का वर्क आदि।

कैसे करें पूजन

- प्रातः काल में स्नान कर स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करें।
- पटिए पर एक पात्र में शंख रखें।
- अब उसे कच्चे दूध और जल से स्नान कराएं।
- अब स्वच्छ कपड़े से उसे पोंछें और उस पर चांदी का वर्क लगाएं।
- तत्पश्चात घी का दीया और अगरबत्ती जला लीजिए।
- अब शंख पर दूध-केसर के मिश्रित घोल से श्री एकाक्षरी मंत्र लिखें तथा उसे चांदी अथवा तांबा के पात्र में स्थापित कर दें।
- अब उपरोक्त शंख पूजन के मंत्र का जप करते हुए कुंमकुंम, चावल तथा इत्र अर्पित करके सफेद पुष्प चढ़ाएं।
- नैवेद्य का भोग लगाकर पूजन संपन्न करें।
- अगहन मास में निम्न मंत्र से शंख पूजा करनी चाहिए -

त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृतः करे।
निर्मितः सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तु ते।
तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुराः।
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोस्तुते।

सांस्कृतिक स्वाभिमान का उत्सवः सीएम योगी आदित्यनाथ



स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

गोस्वामी तुलसीदास जी ने प्रभु श्रीराम को संपूर्ण चराचर जगत को प्रकाशित करने वाला परम प्रकाश बताया है। दीपोत्सव उसी दिव्य आलोक और सांस्कृतिक चेतना के अनुभव का महापर्व है। अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन उस पावन परंपरा को जीवंत करता है, जब 14 वर्ष के वनवास के उपरांत प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने पर अवधपुरी दीपों से आलोकित हुई थी। अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन उन परंपराओं को फिर से जीवन का अंग बनाने का अवसर है, जिन्हें उपेक्षित कर दिया गया था। स्थानीय कारीगरों, पर्यटन को बढ़ावा, अर्थव्यवस्था का संबल। यह हमारी सभ्यता के उस शाश्वत विश्वास का उद्घोष है, जिसमें सत्य, धर्म और मयार्दा का प्रकाश सदैव सर्वोपरि रहा है। अयोध्या धाम 10वें दीपोत्सव के स्वागत के लिए सज्जित है। यह महोत्सव भारत की सनातन चेतना और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वैश्विक उत्सव बन चुका है।

2017 में जब उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन के आशीर्वाद से हमें सेवा का दायित्व मिला, तब अंतर्मन में एक ही कौतूहल और संकल्प था कि कैसा रहा होगा वह क्षण, जब 14 वर्षों के वनवास और अधर्म के संहार के उपरांत प्रभु श्रीराम, माता जानकी और भ्राता लक्ष्मण के साथ अपनी जन्मभूमि लौटे होंगे! उस दिन अवध के नर-नारियों ने सुध-बुध बिसराकर किस उल्लास के साथ हर डगर, हर चौखट और हर देहरी को दीपों से सजाया होगा! त्रेता की उस अयोध्या का प्रत्यक्ष दर्शन तो हमने नहीं किया, किंतु प्रभु के आशीर्वाद से आज उसी अलौकिकता को आधुनिक भारत के आत्मविश्वास के साथ साकार किया जा रहा है।

दीपोत्सव से हमारा सनातन संबंध केवल परंपराओं से नहीं, अपितु उच्च जीवन-मूल्यों से है। 14 वर्षों तक पूज्य भरत जी ने राजसुख त्याग कर प्रभु श्रीराम की चरण-पादुकाओं को सिंहासन पर प्रतिष्ठित कर अयोध्या के राज्य का संचालन किया। यह पावन प्रसंग हमें सिखाता है कि शासन और सत्ता का वास्तविक अर्थ अधिकार नहीं, अपितु लोक-कल्याणकारी दायित्व है।

अयोध्या का यह दीपोत्सव त्याग, मयार्दा, सेवा और समर्पण की इसी उदात्त भावना को आज विश्वपटल पर पुनर्स्थापित कर रहा है। इस दिव्यता के साथ इतिहास के उस काले दौर को भी याद रखना होगा, जिसने दशकों तक हमारी आस्था को



लहूलुहान किया। अयोध्या को आजादी के बाद तुष्टीकरण, वोटबैंक की संकीर्ण भूख और छद्म पंथनिरपेक्षता की राजनीति ने उपेक्षा के अंधकार में धकेल दिया। वह दारुण समय था, जब प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े किए गए और अपनी ही सनातन संस्कृति की चर्चा करने में संकोच किया जाता था। जिन तीर्थों को हम राष्ट्रीय आत्मा मानते थे, उन्हें जब बदहाल छोड़ दिया गया, तो देश के समग्र उत्थान का मनोबल टूटा।

आज की युवा पीढ़ी डिजिटल युग में जी रही है, इसलिए परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़ना हमारा दायित्व है। मां सरयू के तट पर सजी भव्य दीपमाला, राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की जगमगाहट, जल-तरंगों पर बने फ्लोटिंग मंच पर सजीव मंचीय प्रस्तुतियां, आगमेंटेड रियलिटी के माध्यम से स्क्रीन पर थ्री-डी रूप में साकार होते रामायण के प्रसंग, लेजर शो और ड्रोन के माध्यम से रात्रि के नभमंडल में रामायण का चित्रण महोत्सव को अलौकिक भव्यता प्रदान करने वाले होंगे।

12 देशों के सांस्कृतिक दलों की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रभु श्रीराम का चरित्र संपूर्ण मानवता के लिए सत्य, शांति और मयार्दा का मार्गदर्शक है। इस विराट उत्सव का सबसे पवित्र पक्ष है, आस्था और आर्थिकी का संगम। जहां प्रकाश है, वहां सुरक्षा का वास है। जहां सुरक्षा है, वहां निवेश के अवसर हैं, जहां निवेश है, वहां विकास है और जहां विकास है, वहीं रोजगार तथा सुख-समृद्धि हैं। दीपोत्सव केवल अयोध्या को दीपों से सजाने का आयोजन नहीं है। यह उन परंपराओं को फिर से अपने जीवन का हिस्सा बनाने का अवसर है, जिन्हें समय के साथ उपेक्षित कर दिया गया था। वर्षों तक हमारी लोककला, लोकसंस्कृति और पारंपरिक शिल्प को वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे अधिकारी थे। 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने और 2017 में उत्तर प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनने के बाद इस दिशा में ठोस प्रयास हुए।

दीपोत्सव की भव्यता में हमारे स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों, दस्तकारों और कुम्हारों का महत्वपूर्ण योगदान है। उनकी कला और परिश्रम हमारी परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं। एक जनपद, एक उत्पाद योजना ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक शिल्प को नई पहचान दी है। इसी वर्ष प्रारंभ एक जनपद, एक व्यंजन योजना भी हमारे जनपदों की पाक परंपराओं को आगे बढ़ाएगी। दीपोत्सव के माध्यम से हमारे माटी-कलाकार, कुम्हार भाई, पुष्प विक्रेता, नाविक, छोटे पटरी दुकानदार, हस्तशिल्पी और होटल एवं होमस्टे व्यवसायियों के लिए व्यापक रोजगार और आय के नए साधन सृजित हुए हैं। धार्मिक पर्यटन ने अयोध्या के स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका के असीम द्वार खोल दिए हैं। आस्था जब अर्थव्यवस्था का संबल बनती है, तो अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के घर में खुशहाली का दीप स्वतः जल उठता है। अंत्योदय की इसी भावना को विस्तार देते हुए इस पावन अवसर पर प्रदेश के 1.89 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थी परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस सिलिंडर रीफिल भेंट किया गया। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, आधुनिकतम अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन, चौड़े और सुसज्जित धर्म पथ, भक्ति पथ, राम पथ और संवरते घाट इसके प्रमाण हैं कि जब नीति में निष्ठा और नीयत में सच्चाई होती है, तो विकास और विरासत एक साथ आगे बढ़ते हैं।

इस दीपावली पर आग्रह है कि सभी अपने यहां के स्थानीय कुम्हारों के दीपक और शिल्पकारों के उत्पाद अपनाएं। अपने प्रियजनों को उपहार देते समय भी इनको प्राथमिकता दें। ह्वोकल फार लोकलह्न का संकल्प हमारी अपनी मिट्टी, अपनी कला और अपने लोगों को समृद्ध बनाने का संकल्प है। आप सभी धर्मनगरी अयोध्या पधारें और प्रभु श्रीराम की पावन जन्मभूमि पर दीपोत्सव की इस अलौकिक छटा के साक्षी बनें।

हर घर खुशहाली हो, हर मन में सद्भाव हो और संपूर्ण राष्ट्र का प्रगति पथ निरंतर प्रशस्त हो, इसी प्रार्थना के साथ अयोध्या दीपोत्सव एवं प्रकाशपर्व दीपावली की अनंत मंगलकामनाएं! सियावर रामचंद्र की जय!

आज का राशिफाल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

वृषभ राशि :- आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें.

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है. वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं.

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है. धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे.

सिंह राशि :- आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें. उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी- अपने जज्बात को बांधे नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है. आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी.

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा. किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुत्फ मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे. अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं।

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना कीमती वक्त अपने बच्चों के साथ गुजारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न खत्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे.

कुंभ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खूबसूरत तोहफों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के नजरिए से आज का दिन आपका है. इसका भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा।

समय के बदलाव के साथ यूपीएससी में सुधार की जरूरत

देश के शासन-प्रशासन में युवाओं की मेरिट के आधार पर और निष्पक्ष भर्ती के लिए एक अक्टूबर, 1926 को शुरू हुई संस्था संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं। सरदार वल्लभ भाई पटेल के सपनों के अनुरूप 1950 में इसका नाम संघ लोक सेवा आयोग रखा गया था। यह तसल्ली की बात है कि इस संस्था पर अब तक कोई बड़ा दाग नहीं लगा है। हाल में प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस पक्ष की सराहना की और सिक्के एवं टिकट भी जारी किए, लेकिन बदलते भारत और 21वीं सदी में क्या इतना ही पर्याप्त है? यूपीएससी में सुधार के लिए कई पक्षों पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

इस साल मई में हुई यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में ज्यादातर प्रश्न ऐसे थे, जिनका हमारे विश्वविद्यालयों की शिक्षा से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं था। प्रारंभिक परीक्षा और सी-सेट पर पिछले दस वर्षों में लगातार अंगुली उठती रही है। इस बात का सुबूत यह भी है कि अंतिम परिणाम में टाप करने वाले ज्यादातर उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा में लगातार फेल होते रहे और फिर अचानक अंतिम परिणाम में टापर्स बन गए। इसकी गंभीरता को देखते हुए संसदीय समिति ने भी यूपीएससी से प्रारंभिक परीक्षा में सुधार की तुरंत सिफारिश की है। प्रारंभिक परीक्षा पर संदेह होने की वजह से मुख्य परीक्षा तक देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं नहीं जा पा रही हैं। आरक्षित वर्ग के प्रमाण-पत्र का मुद्दा भी बड़ा है। ईडब्ल्यूएस, ओबीसी आदि के फर्जी प्रमाण-पत्र की बाढ़ आई हुई है। दो साल पहले पूजा खेडकर का मामला कई हफ्तों तक सुर्खियों में रहा था। तब कई गड़बड़ियां सामने आईं। ओबीसी का नकली सर्टिफिकेट, दिव्यांग का सर्टिफिकेट, नाम में परिवर्तन क्या बिना अधिकारियों की मिलीभगत के संभव था? ओबीसी और क्रीमी लेयर का मामला भी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि 2025 की परीक्षा में सफल हुए आईएएस, आईपीएस और दूसरे अधिकारी अभी तक मसूरी में ज्वाइन नहीं कर पाए हैं। पहले मसूरी में हर वर्ष एक सितंबर से ये अधिकारी नौकरी-प्रशिक्षण शुरू करते थे। यूपीएससी और नौकरशाही को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रश्न संस्थान की साख का है। आखिर 25 लाख युवा आयोग की तरफ एक यकीन से देख रहे हैं। इसलिए जल्दबाजी में कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जाना चाहिए, जिससे यूपीएससी की विश्वसनीयता पर दाग लगे।

लगभग 15 साल पहले मुख्य परीक्षा में एथिक्स का पेपर शुरू किया गया था। क्या उसके वांछित परिणाम आ रहे हैं? ऐसा लगता तो नहीं, क्योंकि दर्जनों अधिकारी अपनी ट्रेनिंग के दौरान ही या शुरू के पांच वर्षों में भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। कुछ सख्त कदम और समीक्षा की जरूरत है। वैसे भी यूपीएससी हर 10 साल में अपनी परीक्षा प्रणाली को रिव्यू करता है। उम्मीदवारों की अधिकतम उम्मीद उम्र भी 21वीं सदी के नौजवानों की प्रतिभा को देखते हुए गले नहीं उतरती।



अभी सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम उम्र 32 वर्ष और आरक्षित वर्ग के लिए 37 वर्ष है। जब सिविल सेवाओं में भर्ती शुरू हुई थी तो न्यूनतम आयु 18 और 23 थी। फिर 24 और 26 साल हुई। वर्ष 1979 में कोठारी कमेटी ने अधिकतम उम्र 28 वर्ष किया, क्योंकि तब तक शिक्षा देश के दूर-दराज के गांवों में उतनी नहीं फैली थी। पिछले 50 वर्षों में तो साक्षरता में सुधार हुआ है, लेकिन उम्र 28 से बढ़कर 32 और 37 कर दी गई। जब आईआईटी से निकले नौजवान 21 साल की उम्र में बड़े से बड़े स्टार्टअप और तकनीकी ऊंचाइयां छू रहे हैं, तब नौकरशाही में इतनी अधिक उम्र के अभ्यर्थियों को लेना सरकार के हित में नहीं लगता। कोचिंग पर युवाओं की बढ़ती निर्भरता को कम करने का मामला भी देश के बार-बार सामने आता है, लेकिन कोई बड़ा सुधार अभी तक सामने नहीं आया है।

कोचिंग संस्थानों की फीस बहुत महंगी होती है और कई बार हजारों छात्र 10 साल तक बड़े-बड़े शहरों में तैयारी करते रहते हैं। यह इस गरीब देश के अंतिम आदमी के लिए बहुत घातक है। इसलिए वैकल्पिक विषय को खत्म करके और उम्र सीमा को घटकर कुछ सुधार तुरंत करने की जरूरत है। अन्य बड़े सुधारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोठारी आयोग जैसा आयोग बनाया जाए, जिसमें अकादमिक और तकनीकी क्षेत्र के विद्वान शामिल हों।

यूपीएससी एक परीक्षा संस्था है। इसके साथ न केवल एनटीए, बल्कि राज्यों के सभी आयोगों को भी जोड़ा जाना चाहिए। यूपीएससी का अनुभव इनके काम आना चाहिए। अभी हाल में कर्नाटक लोक सेवा आयोग में भी तमाम गड़बड़ियां सामने आई हैं। एनटीए की परीक्षा प्रणाली पर भी लगातार अंगुली उठ रही है। सिर्फ पुलिस राज से कोई समाज या राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। देश के हर क्षेत्र और जीवन में भी नैतिकता एवं ईमानदारी की जरूरत है। सरदार पटेल ने जब भारतीय सिविल सेवा की पैरवी की थी तो उन्होंने इस देश को जोड़ने और मजबूत बनाने के हथियार के रूप में देखा था। उम्मीद है यूपीएससी आने वाले वर्षों में बिना किसी बड़े आंदोलन का इंतजार किए अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप तुरंत सुधार की तरफ बढ़ेगा। यही सुधार देश को विकसित भारत बनाएगा। यूपीएससी के सामने 100 वर्ष के बाद यह बड़ी चुनौती है।

आकाश आनंद की वापसी या कसा शिकंजा

लखनऊ की राजनीति बड़ी अजीब चीज है। यहां सामने कुछ दिखाई देता है मगर असली खेल पर्दे के पीछे चल रहा होता है। बसपा सुप्रीमो मायावती और उनके भतीजे आकाश आनंद के मामले में भी कुछ ऐसा ही दिखाई दे रहा है। जिस आकाश आनंद को कुछ समय पहले मायावती ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था, आज वही आकाश आनंद फिर बसपा में लौट आए हैं और उन्हें दोबारा पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बना दिया गया है। ऊपर से कहानी इतनी-सी है कि भतीजे ने माफी मांगी, बुआ ने माफ कर दिया और परिवार फिर एकजुट हो गया। लेकिन यूपी की राजनीति में कहानी इतनी सीधी होती तो फिर राजनीति किस बात की? असल सवाल यह है कि मायावती ने आकाश आनंद को वापस क्यों बुलाया और वापस बुलाकर उन्हें राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी ही क्यों दी? क्या यह आकाश पर भरोसा है, या फिर उस राजनीतिक संभावना को रोकने की कोशिश है जो उनके बाहर जाने के बाद पैदा हो रही थी?

याद कीजिए, जब मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से बाहर किया था तो वह राजनीति में अकेले नहीं रह गए थे। उनके लिए दूसरे दलों के दरवाजे खुलने लगे थे। चंद्रशेखर आजाद ने उनके लिए जगह होने की बात कही। अखिलेश यादव से जब आकाश को समाजवादी पार्टी में लेने की संभावना पर सवाल हुआ तो उन्होंने भी दरवाजा बंद नहीं किया। निषाद पार्टी की तरफ से न्योता आया। यानी जिस भतीजे को मायावती ने बसपा से बाहर कर दिया था, उसे दूसरे राजनीतिक दल अपने यहां जगह देने के लिए तैयार दिख रहे थे। यहीं से मायावती के लिए असली खतरा पैदा होता था। क्योंकि बात सिर्फ यह नहीं थी कि आकाश आनंद किसी दूसरी पार्टी में चले जाते। असली खतरा यह था कि अगर वह किसी दूसरे दल में जाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर लेते, युवा दलितों के बीच अपनी पहचान बना लेते और धीरे-धीरे मायावती से अलग अपना एक स्वतंत्र राजनीतिक वजूद खड़ा कर लेते, तो फिर भविष्य में वह सिर्फ ह्लमायावती के भतीजेह्व नहीं रहते। वह अपने आप में एक राजनीतिक ब्रांड बन सकते थे। यही वह चीज है जो शायद मायावती को सबसे ज्यादा खटकती।

देखा जाये तो बसपा पहले ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में लगातार कमजोर हुई है। कभी जिस पार्टी के बिना यूपी की सत्ता का गणित पूरा नहीं होता था, वह आज विधानसभा और लोकसभा चुनावों में एक सीट जीतने की जद्दोजहद करती दिखाई देती है। 2019 में बसपा को उत्तर प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका वोट शेयर 10 प्रतिशत से भी नीचे चला गया। इस बीच दलित राजनीति के मैदान में चंद्रशेखर आजाद जैसा नया चेहरा भी उभरा है। यानी बसपा के सामने चुनौती सिर्फ भाजपा या सपा-कांग्रेस गठबंधन की नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक जगह की भी है जिसे कभी बसपा अपना स्थायी इलाका मानती थी। ऐसे माहौल में अगर मायावती का भतीजा पार्टी से निकलकर किसी दूसरे दल में चला जाता और वहां अपनी अलग पहचान बनाने लगता, तो बसपा के लिए मामला और मुश्किल हो सकता था। क्योंकि मायावती के पास अपना मजबूत कोर वोट बैंक भले अभी भी मौजूद हो, लेकिन चुनावी राजनीति में सिर्फ कोर वोट बैंक होना और चुनाव जीतने की स्थिति में होना दो अलग-अलग बातें हैं।

सत्ता के मुकाबले बेहतर विकल्प नहीं दे पा रहा विपक्ष

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा कि मोदी-शाह सरकार से लोगों का मोहभंग क्यों नहीं हो रहा? उनका मानना है कि भारतीय लोकतंत्र में एंटी इनकंबेंसी यानी सत्ता विरोधी रुझान ऐसी आधारभूत शक्ति है, जिससे कोई नहीं बच सकता। उनकी दादी इंदिरा गांधी पाकिस्तान के दो टुकड़े करने के बावजूद अपनी लोकप्रियता कायम नहीं रख पाईं और दो-तीन साल के भीतर मोहभंग की शिकार हो गईं, लेकिन किसी कारणवश यह मोदी के साथ क्यों नहीं हो रहा?

राहुल गांधी का अभिप्राय शायद यह था कि या तो चुनाव की प्रक्रिया में गड़बड़ी हो रही है या वोटिंग मशीनों में हेरफेर किया जा रहा है जिसे वे वोट चोरी कहते हैं। अपने आरोपों का अभी तक वे अकाट्य प्रमाण तो नहीं दे पाए हैं, लेकिन संभव है उनमें कुछ तथ्य भी हों। हालांकि उनके आरोपों की आधी धार तो इसी पहलू से कुंद हो जाती है कि भाजपा अपने 12 साल लंबे शासनकाल में राज्य स्तर के 20 चुनाव हार चुकी है, जिनमें उसका गढ़ समझे जाने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य भी शामिल हैं। पिछले आम चुनाव में ही उत्तर प्रदेश में अपेक्षित सफलता न मिलने के कारण पार्टी 240 सीटों पर सिमट कर रह गई।

अलबत्ता उनकी इस बात में दम है कि भारत में शासन के लंबे कार्यकाल में लोग सरकारों से उकताने लगते हैं। पंडित नेहरू, मनमोहन सिंह और नरेन्द्र मोदी की सरकारें इसकी अपवाद रही हैं। हालांकि मनमोहन सरकार ने दूसरे कार्यकाल में अशक्त और भ्रष्ट दिखने के कारण जनसमर्थन खो दिया था, लेकिन मोदी सरकार ने अपना दूसरा कार्यकाल तो आसानी से पूरा किया, मगर तीसरे कार्यकाल में वह लोगों की कुछ उकताहट का सामना करने लगी है। फिर भी मोदी की लोकप्रियता बरकरार है और पूर्वी राज्यों में पार्टी का फैलाव जारी है।

राहुल कहते हैं कि नेता विशेष की लोकप्रियता समझी जा सकती है, सरकार का प्रदर्शन भी समझा जा सकता है, मगर मोहभंग का गायब होना समझ नहीं आता। प्रश्न यह है कि क्या वे उसे समझने की कोशिश कर रहे हैं? ऐसा इसलिए, क्योंकि यदि लोगों का मोहभंग हो भी रहा है तो उसे प्रकट करने के लिए उनके सामने विकल्प क्या हैं? राहुल और उनका राजनीतिक धड़ा आईएनडीआईए ऐसा क्या नया पेश कर रहा है, जो मौजूदा सरकार से बेहतर हो। मोहभंग होने का मतलब जमीन छोड़कर अंधे कुएं में कूदना थोड़ी है? चुनौतियों की बात की जाए तो एक सामान्य भारतीय परिवार के लिए बच्चों की शिक्षा मकान के किराए के बाद दूसरा सबसे बड़ा खर्च बन चुकी है। इसका कारण यही है कि सरकारी स्कूलों के खराब स्तर के कारण बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाना पड़ता है और ऊपर से कोचिंग भी करानी पड़ती है। लाखों खर्चने के बाद भी बच्चों को रोजगार नहीं मिलता, क्योंकि सूचना-तकनीकी और एआई क्रांतियों के कारण उन कौशलों की मांग लगातार बदल रही है, जो रोजगार के लिए आवश्यक हैं। मौजूदा शिक्षा उसके साथ कदमताल नहीं बिठा पा रही।

मोदी सरकार ने गांधी जी की नई तालीम पर आधारित नई रोजगारोन्मुख शिक्षा नीति लागू तो की है, लेकिन पर्याप्त बुनियादी सुधारों और शिक्षकों के प्रशिक्षण के बिना वह अपेक्षित सुधार ला पाएगी, इसमें संदेह है। परीक्षा प्रणाली भी नकल और लीक माफिया के जाल में फंस चुकी है। क्या राहुल और उनके गठबंधन की पार्टियों के पास इस विकराल समस्या के समाधान की कोई योजना है? गूंज समारोहों में छात्रों को उकसाने से क्या होगा, जबकि नकल को बढ़ावा देना तो आईएनडीआईए के राजद जैसे दलों की ही नीति रही है? मोदी सरकार बड़ी संख्या में औद्योगिक रोजगारों के सृजन की आशा के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन करीब ढाई कार्यकाल पूरे होने के बाद भी वह ऐसी आशाएं अपेक्षित रूप से पूरी नहीं हो पाई है।



बिहार पुलिस में कितने अधिकारियों-कर्मियों को मिली प्रोन्नति, 6800 एएसआई से दरोगा बन गए

एजेंसी

पटना। बिहार पुलिस में बड़े स्तर पर बदलाव की तैयारी है। हजारों पुलिसकर्मियों को नई जिम्मेदारी मिलने से विभाग में कामकाज का तरीका बदल सकता है। इस फैसले से किसी को वर्दी में बड़ा ओहदा मिला है तो किसी के लिए तरक्की के नए रास्ते खुले हैं। जानिए किन पदों पर कितने अधिकारियों और कर्मचारियों को मिली है यह अहम जिम्मेदारी। बिहार पुलिस और गृह विभाग में बड़े पैमाने पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोन्नति दी गई है। एक अप्रैल 2026 से अब तक विभिन्न संवर्गों के कुल 9,187 अधिकारियों और कर्मियों को कार्यकारी प्रभार



(प्रोन्नति) सौंपा गया है। सरकार की इस पहल से पुलिस विभाग में जिम्मेदारियों का नए सिरे से बंटवारा होगा। साथ ही, अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने अनुभव और कार्यक्षमता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रोन्नति से अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा। नई जिम्मेदारियों के साथ पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्था के कामकाज में तेजी आएगी। इससे विभाग में नेतृत्व क्षमता विकसित होने के साथ अन्य कर्मियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। गृह विभाग की ओर से बताया गया कि सबसे अधिक 6,800 सहायक अवर निरीक्षकों (एएसआई) को पुलिस अवर निरीक्षक (एसआई) के पद पर कार्यकारी प्रभार दिया गया है। इसके अलावा पीटीसी से 1,545 कर्मियों को सहायक अवर निरीक्षक और एसएलसी से 79 कर्मियों को हवलदार के पद पर प्रोन्नति मिली है। पुलिस अवर निरीक्षक से पुलिस निरीक्षक के पद पर एक और पुलिस निरीक्षक से डीएसपी के पद पर 88 अधिकारियों को कार्यकारी प्रभार सौंपा गया है। पटना में बदलेगा सफाई का सिस्टमः कचरा उठाव के लिए नगर निगम ने क्या योजना बनाई, कितनी राशि की होगी बचत परिवहन और तकनीकी संवर्ग में भी मिली प्रोन्नति परिवहन संवर्ग में चालक हवलदार के पद पर 218, सहायक अवर निरीक्षक (परिवहन) के पद पर 107, पुलिस अवर निरीक्षक (परिवहन) के पद पर 45 और पुलिस निरीक्षक (परिवहन) के पद पर 31 कर्मियों को प्रोन्नति दी गई है। वहीं, प्रा.अ.नि. से प्रा.पु.नि. के पद पर 112, आशु स.अ.नि. से आशु अ.नि. के पद पर 103 और आयुधिक हवलदार से आयुधिक अवर निरीक्षक के पद पर 50 कर्मियों को कार्यकारी प्रभार दिया गया है। लिपिकीय और कार्यालय संवर्ग के कर्मियों को भी लाभ गृह विभाग के अनुसार, लिपिकीय और कार्यालय संवर्ग के कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है। इसके तहत दो निम्नवर्गीय लिपिकों को उच्चवर्गीय लिपिक, एक उच्चवर्गीय लिपिक को प्रधान लिपिक और पांच कार्यालय परिचारियों को निम्नवर्गीय लिपिक के पद पर प्रोन्नति दी गई है।

छह साल की बच्ची के साथ दरिंदगी का आरोप, 32 वर्षीय चचेरा भाई गिरफ्तार

एजेंसी

पटना बिहार के सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र में छह साल की बच्ची के साथ गंभीर अपराध का मामला सामने आया है। आरोप है कि बच्ची का 32 वर्षीय चचेरा भाई उसे मोबाइल दिखाने के बहाने अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बिहार के सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र में छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि बच्ची का 32 वर्षीय चचेरा भाई उसे मोबाइल दिखाने के बहाने अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर खेल रही थी बच्ची बच्ची की मां के आवेदन के मुताबिक, घटना गुरुवार शाम करीब चार बजे की है। बच्ची स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला उसका चचेरा भाई मिंटू कुमार राम (32), पिता हरिंद्र राम, उसे मोबाइल दिखाने का लालच देकर अपने घर ले गया। बताया गया है कि उस समय आरोपी के घर के अन्य सदस्य खेत में धान काटने गए हुए थे। दोनों परिवार आसपास ही रहते हैं। आरोप है कि घर में बच्ची को अकेला पाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंची। इसके बाद परिजनों ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को घटना की सूचना दी। वारदात के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। मां के आवेदन पर पॉक्सो एक्ट में प्राथमिकी मामले में शुक्रवार को बच्ची की मां के आवेदन पर अमनौर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोपी मिंटू कुमार राम के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष और एसडीपीओ ने घटनास्थल का किया निरीक्षण घटना की सूचना मिलने पर अमनौर थानाध्यक्ष विमलेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मढ़ौरा एसडीपीओ ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

पटना भगवान महावीर की निर्वाण स्थली पावापुरी में 2552वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार से दो दिवसीय राजकीय पावापुरी महोत्सव शुरू हो रहा है। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। भगवान महावीर की पावन निर्वाण स्थली पावापुरी में शनिवार से दो दिवसीय राजकीय पावापुरी महोत्सव का भव्य आगाज होने जा रहा है। 2552वें भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर जिला और स्थानीय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। भगवान महावीर आयुर्विज्ञान संस्थान के समीप स्थित मुख्य महोत्सव स्थल को आयोजन के लिए तैयार किया गया है। देश-विदेश से पहुंचे जैन श्रद्धालुओं, पर्यटकों और स्थानीय लोगों में महोत्सव को लेकर खासा उत्साह है। डिप्टी सीएम और ग्रामीण विकास मंत्री करेंगे उद्घाटन



महोत्सव का विधिवत उद्घाटन बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री और नालंदा जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार चौधरी तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर करेंगे। उद्घाटन समारोह में नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधान पार्षद रीना देवी, विधायक हरिनारायण सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जीतेन्द्र कुमार, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, कौशल किशोर और रूस्तम रंजन भी मौजूद रहेंगे। इसके अलावा नगर पंचायत पावापुरी के मुख्य पार्षद रविशंकर, बिहार स्टेट दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के मंत्री पराग जैन और श्वेताम्बर तीर्थ भंडार के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार पारसाल सहित कई गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे। स्कूली बच्चों के बीच होंगी रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिताएं महोत्सव के पहले दिन शिक्षा विभाग की ओर से कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें रंगोली, पेंटिंग, मेहंदी, वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) हेमचंद्र ने बताया कि इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक सोच और सामाजिक चेतना का विकास करना है। प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए निर्णायक मंडल और नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। लोक गायिका देवी और नवीन जैन पंड्या की प्रस्तुति होगी खास महोत्सव के पहले दिन शाम पांच बजे से मुख्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इसमें प्रख्यात लोक गायिका देवी अपनी लोक प्रस्तुतियों के जरिए बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति की झलक पेश करेंगी। वहीं, जाने-माने भजन गायक नवीन जैन पंड्या पारंपरिक जैन भजनों की प्रस्तुति देंगे। उनके भजनों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा और करुणा के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। दो दिवसीय इस महोत्सव में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और स्थानीय प्रतिभाओं का संगम देखने को मिलेगा।

कचरा उठाव के लिए नगर निगम ने क्या योजना बनाई, कितनी राशि की

एजेंसी

पटना पटना की सफाई व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नई योजना लागू हुई तो कचरा उठाव से लेकर वाहनों की निगरानी तक का तरीका बदल जाएगा। त्योहारों के बीच नगर निगम ने घाटों की सफाई, हजारों स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नई लाइटें लगाने का अभियान भी तेज कर दिया है। पटना में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम नई कार्ययोजना तैयार कर रहा है। इसके तहत अब शहर के अलग-अलग अंचलों में कचरा उठाव की जिम्मेदारी दो एजेंसियों को सौंपी जाएगी। नगर निगम की इस नई व्यवस्था से सफाई कार्यों में तेजी आने के साथ सालाना 24 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होने का अनुमान है। इसके लिए फाईकर्मियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। वहीं, कचरा उठाने वाले वाहनों की निगरानी जीपीएस और रियल टाइम ट्रैकिंग के जरिए की जाएगी, ताकि उनकी आवाजाही और कामकाज पर नजर रखी जा सके। दीपावली-छठ पर दो शिफ्ट में हो रहा कचरा उठाव दीपावली और छठ महापर्व को देखते हुए पटना नगर निगम ने शहर में विशेष सफाई अभियान शुरू किया है। इसके तहत गली-मोहल्लों से लेकर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक सुबह और शाम, दोनों पालियों में कचरा उठाया जा रहा है। त्योहार के दौरान कचरे की मात्रा बढ़ने की आशंका को देखते हुए डोर-टू-डोर कचरा उठाव के लिए अतिरिक्त वाहन भी लगाए गए हैं। इसके अलावा सड़कों और रास्तों से कचरा हटाने के लिए अतिरिक्त हाईवा का संचालन किया जा रहा है। नगर निगम का लक्ष्य त्योहारों के दौरान शहर को साफ-सुथरा रखना है। छठ घाटों और संपर्क सड़कों की होगी डीप क्लीनिंग छठ महापर्व को लेकर घाटों की सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम ने छठ घाटों के साथ वहां तक पहुंचने वाली संपर्क सड़कों की डीप क्लीनिंग कराने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा घाटों और आसपास के क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है, ताकि स्वच्छता और साफ-सफाई बनी रहे। त्योहारों के दौरान शहर को रोशन करने के लिए नगर निगम की ओर से व्यापक स्तर पर स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और नई लाइटें लगाने का काम किया जा रहा है। अब तक 33 हजार से अधिक लाइटों की मरम्मत कराई जा चुकी है, जबकि छह हजार से ज्यादा नई लाइटें लगाई गई हैं। सभी वार्डों में अतिरिक्त 100-100 स्ट्रीट लाइट लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। फिलहाल छठ घाटों पर 50 हाईमास्ट लाइट और करीब 22 हजार स्थायी स्ट्रीट लाइटें उपलब्ध हैं। छठ महापर्व के दौरान घाटों को रोशन रखने के लिए 47 हजार अस्थायी लाइटें भी लगाई जाएंगी। इससे व्रतियों और श्रद्धालुओं को रात के समय घाटों तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

दो बाइकों की टक्कर में मां-बेटी की मौत, पांच माह की मासूम ने भी तोड़ा दम; पिता गंभीर

एजेंसी

पटना बिहार के किशनगंज में शुक्रवार देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 28 वर्षीय महिला और उसकी पांच माह की बेटी की मौत हो गई, जबकि बच्ची के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से सटे टेउसा पंचायत के ठऔआ पाड़ा झारबाड़ी गांव के पास हुआ। बिहार के किशनगंज में शुक्रवार देर शाम दर्दनाक सड़क हादसे में मां और उसकी पांच माह की मासूम बेटी की मौत हो गई, जबकि बच्ची के पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से सटे टेउसा पंचायत के ठऔआ पाड़ा झारबाड़ी गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर के कारण हुआ। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घायल पिता का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की पहचान टेउसा पंचायत के टेउसा पूरब टोला निवासी सगुफ्ता प्रवीण (28) पत्नी जुबेर आलम और उनकी पांच माह की बेटी मारिया खातून के रूप में हुई है। हादसे में जुबेर आलम भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारी हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 खुसरो शिराज और ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया और हादसे के संबंध में जानकारी जुटाई।



विधायक कमरुल हुदा ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात हादसे की खबर मिलने के बाद सदर विधायक कमरुल हुदा भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। विधायक ने कहा कि बाइक नियंत्रित होने के कारण यह हादसा हुआ। दुख की इस घड़ी में वह पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। वहीं, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद मोइनुद्दीन ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में महिला और उसकी मासूम बेटी की मौत हुई है, जबकि बच्ची के पिता घायल हैं। परिजनों ने पोस्टमार्टम और कानूनी कार्रवाई से किया इन्कार हादसे के बाद पीड़ित परिवार ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। परिजनों ने बाइक चालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की इच्छा भी नहीं जताई। मृतका के ससुर नजीर हुसैन ने पुलिस को लिखित आवेदन देकर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं करने का अनुरोध किया है। हादसे में मां और मासूम बेटी की मौत के बाद गांव में शोक का माहौल है।

बाबा धाम से लौट रही स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़े टैंकर से टकराई, दो की मौत; तीन गंभीर

एजेंसी

पटना। बिहार के बक्सर जिले में शनिवार सुबह कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के नुआंव गांव के समीप भीषण सड़क हादसा हो गया। बाबा धाम से दर्शन कर लखनऊ लौट रही स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़े पानी के टैंकर और मिक्सर मशीन से टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बिहार के बक्सर जिले में शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में स्कॉर्पियो सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कृष्णाब्रह्म



थाना क्षेत्र के नुआंव गांव के समीप कुटी डेरा के पास सुबह करीब 5:30 बजे हुआ। स्कॉर्पियो में सवार सभी पांच लोग बाबा धाम से दर्शन कर लखनऊ लौट रहे थे। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क किनारे खड़े टैंकर और मिक्सर मशीन से टकराई स्कॉर्पियो मिली जानकारी के अनुसार, काले रंग की स्कॉर्पियो में पांच लोग सवार थे। सभी बाबा धाम में दर्शन करने के बाद लखनऊ लौट रहे थे। इसी दौरान नुआंव गांव के पास कुटी डेरा के समीप उनकी गाड़ी सड़क किनारे खड़े पानी के टैंकर और मिक्सर मशीन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत नाजुक, पहचान नहीं हो सकी हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि उनकी स्थिति इतनी नाजुक है कि वे कुछ बोलने की हालत में नहीं हैं। ऐसे में मृतकों और घायलों की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने के बाद ही सभी की पहचान स्पष्ट हो पाएगी। चालक को झपकी आने की आशंका, सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों पर उठे सवाल स्थानीय लोगों के बीच हादसे को लेकर कई तरह की चचाएं हैं। आशंका जताई जा रही है कि लंबी दूरी की यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गई होगी, जिससे स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों से टकरा गई। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। वहीं, सड़क किनारे पानी के टैंकर और मिक्सर मशीन जैसे भारी वाहनों को खड़ा करने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह सड़क किनारे भारी वाहन खड़े रहने से दूसरे वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा होता है। ऐसी लापरवाही राहगीरों की जान पर भारी पड़ सकती है।

संक्षिप्त डायरी

प्रदेश में नशे की बड़ी खेप पकड़ी गई, बस से 10 किलो चरस बरामद; डीआरआई खंगाल रही नेटवर्क

एजेंसी

पटना। मुजफ्फरपुर में डीआरआई की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बस से करीब 10 किलो चरस बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। मामले में पूर्वी चंपारण निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। डीआरआई मुजफ्फरपुर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बस से भारी मात्रा में चरस बरामद की है। जब्त चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस दौरान टीम ने तस्करी के आरोप में बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया थाना क्षेत्र के बैरिया गांव निवासी राजेश कुमार सहनी को गिरफ्तार किया है। डीआरआई की टीम अब इस मामले में स्थानीय नेटवर्क और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी नेपाल के रास्ते चरस की खेप लेकर भारत में दाखिल हुआ था। इसके बाद बिहार के रास्ते इसे गुजरात पहुंचाने की योजना थी। तस्करी के लिए बस का इस्तेमाल किया जा रहा था, ताकि पर्व-त्योहार के दौरान सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचा जा सके। जब्त चरस का वजन करीब 10 किलोग्राम पाया गया है। टीम इस मामले में चरस की तस्करी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह के सदस्यों की पहचान कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह में अन्य कितने लोग शामिल हैं। इस कार्रवाई को लेकर डीआरआई के एक अधिकारी ने बताया कि ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित पदार्थों की तस्करी के मामलों में उनकी टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ और आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद डीआरआई ने आरोपी राजेश कुमार सहनी को न्यायालय में पेश किया। अदालत के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। एजेंसी मामले में आगे की जांच कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। डीआरआई अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्र से अंतरराष्ट्रीय तस्करी के मामलों में उनकी टीम पूर्व में भी कई कार्रवाई कर चुकी है। आगे भी ऐसे नेटवर्क पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई जारी रहेगी।

बकाया रुपये के विवाद में दरोगा से धक्का-मुक्की, चाकू लहराने वाला आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार के सारण जिले के पहलेजा घाट स्थित कसमर बाजार में बकाया रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। पुलिस के अनुसार, मौके पर पहुंची टीम ने राजेश कुमार राय को हाथ में चाकू लेकर एक व्यक्ति से मारपीट और धमकी देते हुए पाया। बिहार के सारण जिले में बकाया रुपये के लेनदेन को लेकर हुए विवाद के दौरान पुलिस अधिकारी से धक्का-मुक्की और हाथापाई करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना पहलेजा थाना क्षेत्र के पहलेजा घाट स्थित कसमर बाजार की है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक चाकू भी बरामद किया है। मामले में सरकारी कार्य में बाधा डालने सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था पुलिस अधिकारी से हाथापाई का वीडियो वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सारण के अनुसार, 6 नवंबर 2026 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें एक युवक पुलिस पदाधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार, धक्का-मुक्की और हाथापाई करता नजर आ रहा था। पुलिस को पहलेजा थाने में रुपये के लेनदेन से जुड़े विवाद को लेकर एक लिखित आवेदन मिला था। इसके बाद थानाध्यक्ष ने गश्ती पदाधिकारी को मामले की जांच के लिए मौके पर भेजा था। हाथ में चाकू लेकर कर रहा था मारपीट, पुलिस से भी उलझा थानाध्यक्ष के निर्देश पर पुलिस टीम आवेदक की फास्ट फूड दुकान पर पहुंची। वहां उत्तर सबलपुर नेबल टोला निवासी राजेश कुमार राय (पिता महेश राय) हाथ में चाकू लेकर आवेदक के साथ मारपीट कर रहा था। आरोप है कि वह आवेदक को जान से मारने की धमकी भी दे रहा था। गश्ती पदाधिकारी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की तो आरोपी उनसे भी अभद्र व्यवहार करने लगा और धक्का-मुक्की व हाथापाई पर उतर आया। इससे मौके पर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर आरोपी को किया गिरफ्तार स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अतिरिक्त बल बुलाया। इसके बाद पुलिसकर्मियों की मदद से आरोपी राजेश कुमार राय को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक चाकू भी जब्त किया गया है। इस मामले में पहलेजा थाना कांड संख्या 206/26, दिनांक 6 नवंबर 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ थाने के बाहर जुट गई थी। ग्रामीणों का कहना था कि युवक अपना बकाया पैसा मांगने गया था और इसी दौरान विवाद बढ़ने पर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। विवाद की वजह और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की कानूनी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बोर्ड ने 10 साल बाद बदला कॉपियों का पैटर्न, 2027 की परीक्षाओं में मिलेंगी नई उत्तर पुस्तिकाएं

एजेंसी

पटना। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 2027 की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के लिए 10 साल बाद उत्तर पुस्तिकाओं का पैटर्न बदला है। अब सैद्धांतिक परीक्षाओं में 40 प्रश्नों की कोडिंग वाली नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं का इस्तेमाल होगा। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2027 की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के लिए उत्तर पुस्तिकाओं के पैटर्न में बदलाव किया है। करीब 10 साल बाद बोर्ड सैद्धांतिक परीक्षाओं के लिए 40 प्रश्नों की कोडिंग वाली नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराएगा। नई व्यवस्था के तहत परीक्षा केंद्रों पर केवल नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं का ही इस्तेमाल होगा। वहीं, अतिरिक्त कॉपियों के लिए पुरानी आठ पेज वाली उत्तर पुस्तिकाएं ही दी जाएंगी। अजमेर स्थित बोर्ड कार्यालय की ओर से इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और परीक्षा केंद्रों को निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत बोर्ड के ट्रांसपोर्ट स्टेशन से नई उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त करनी होंगी और उन्हें परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराना होगा। मुख्य उत्तर पुस्तिका में होंगे 40 प्रश्नों की कोडिंग बोर्ड की नई व्यवस्था के अनुसार, वर्ष 2027 की सैद्धांतिक परीक्षाओं में 40 प्रश्नों की कोडिंग वाली नई मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं का ही उपयोग किया जाएगा। यदि कोई परीक्षार्थी मुख्य उत्तर पुस्तिका भरने के बाद अतिरिक्त कॉपी मांगता है, तो उसे परीक्षा केंद्र पर उपलब्ध पुरानी आठ पेज वाली अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका दी जाएगी। यानी नई व्यवस्था केवल मुख्य उत्तर पुस्तिका पर लागू होगी, अतिरिक्त कॉपियों का पैटर्न पहले जैसा ही रहेगा। बची हुई नई कॉपियां अगले साल आएंगी काम बोर्ड ने परीक्षा केंद्रों को निर्देश दिए हैं कि नई उत्तर पुस्तिकाओं में से बची हुई कॉपियों को बोर्ड कार्यालय में वापस नहीं भेजना होगा। इन कॉपियों की संख्या स्टॉक रजिस्टर में दर्ज कर उन्हें सुरक्षित रखना होगा, ताकि अगले वर्ष की परीक्षाओं में उनका इस्तेमाल किया जा सके। पुरानी मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं के इस्तेमाल पर रोक बोर्ड ने पिछले वर्षों की बची हुई मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। वर्ष 2027 की परीक्षाओं में इन पुरानी मुख्य कॉपियों का किसी भी परिस्थिति में इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। परीक्षा समाप्त होने के बाद इन अनुपयोगी मुख्य उत्तर पुस्तिकाओं को उपस्थिति पत्रकों के साथ 300-300 के पैकेट में तैयार कर बोरों में रखा जाएगा। इन बोरों पर 'अनुपयोगी रिक्त उत्तर पुस्तिकाएं' लिखकर उन्हें संग्रहण केंद्र पर जमा कराना होगा। परीक्षा केंद्रों पर पिछले वर्ष की बची हुई आठ पृष्ठीय अतिरिक्त उत्तर पुस्तिकाओं को भी बोर्ड कार्यालय में वापस नहीं भेजना है। इनका इस्तेमाल वर्ष 2027 की परीक्षाओं में किया जाएगा। इसके बाद जो कॉपियां बचेंगी, उन्हें अगले वर्ष के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। बोर्ड ने सभी परीक्षा केंद्रों को नए दिशा-निदेर्शों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

बिड़लासॉफ्ट को मिले नए सीईओ व एमडी

नई दिल्ली ।

बिड़ला समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी बिड़लासॉफ्ट ने अपने शीर्ष नेतृत्व में अहम बदलाव की घोषणा की है। कंपनी ने शुक्रवार को अनुभवी माधवन हरिहरन को अपना नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया। हरिहरन 8 दिसंबर से अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह अंगन गुहा का स्थान लेंगे, जो अब विप्रो में अमेरिका-2 रणनीतिक बाजार इकाई का नेतृत्व करने जा रहे हैं। कंपनी के बयान के मुताबिक, माधवन हरिहरन ने पहले बिड़लासॉफ्ट में समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने रणनीतिक प्राथमिकताएं तय करने और कंपनी के प्रदर्शन में सुधार लाने में अहम भूमिका निभाई थी। बिड़लासॉफ्ट की चेयरपर्सन अमिता बिड़ला ने कहा कि समूह में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाओं और कारोबारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

अगले हफ्ते विदेशी निवेश, कच्चे तेल और महंगाई पर रहेगी निवेशकों की नजर

विदेशी निवेशकों की बंपर खरीदारी और ब्रेंट क्रूड में भारी गिरावट से बाजार में ऐतिहासिक तेजी

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में संवत 2082 के आखिरी कारोबारी हफ्ते में जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां निफ्टी करीब 8.6 फीसदी चढ़कर 25,030.35 के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में करीब 8.8 फीसदी और बैंक निफ्टी में करीब 8 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। विदेशी निवेशकों की जबरदस्त खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने प्रमुख सूचकांकों को लगातार सातवें सत्र में मजबूती प्रदान की। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की धमाकेदार वापसी हुई, जिन्होंने कुल 45,960 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। यह दस हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद आया एक बड़ा बदलाव है, जो निवेशकों के बदलते रुख का संकेत देता है। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस दौरान 24,197 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। बाजार की इस तेजी को कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट से भी सहारा मिला। ब्रेंट क्रूड 12 फीसदी से ज्यादा गिरकर 97-98 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जिसका मुख्य कारण अमेरिका में सकारात्मक संकेतों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदें रहीं। कच्चे तेल की यह गिरावट भारत के लिए राहत की बात है, जिससे महंगाई और कंपनियों की लागत पर दबाव कम हो सकता है। तकनीकी रूप से बाजार मजबूत स्थिति में है, निफ्टी अपने सभी महत्वपूर्ण एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले हफ्ते की तेज बढ़त के बाद बाजार में कुछ समय के लिए उतार-चढ़ाव या मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

लाभांश की बहार- अगले हफ्ते 67 कंपनियों के शेयर देंगे लाभांश

9 से 13 नवंबर के बीच निवेशकों को कमाई का मौका

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक शानदार अवसर बन रहा है। 9 से 13 नवंबर के बीच कुल 67 कंपनियां अपने शेयरों को पूर्व-लाभांश करने जा रही हैं। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया, ओएनजीसी और ऑरोबिंदो फार्मा जैसी कई दिग्गज कंपनियां शामिल हैं, जो निवेशकों को आकर्षक लाभांश का तोहफा देंगी। इस लाभांश बहार में बायर क्रॉपसाइंस सबसे ज्यादा 90 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने वाली है। सप्ताह की शुरुआत 9 नवंबर को डाबर इंडिया (3.50 रुपए) सहित कुछ कंपनियों के शेयरों के पूर्व-लाभांश होने के साथ होगी। इसके बाद, 11 नवंबर को ऑरोबिंदो फार्मा (7रुपए) और डॉ. लाल पैथलैब्स (5 रुपए) समेत कुल 19 कंपनियां सूची में शामिल होंगी। 12 नवंबर को हिंदुस्तान यूनिलीवर, बायर क्रॉपसाइंस, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम के शेयर भी पूर्व-लाभांश हो जाएंगे। वहीं 13 नवंबर को ग्रेट ईस्टर्न शिपिंगसमेत सबसे अधिक कंपनियां लाभांश बांटेंगी। जानकारों के अनुसार, लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को पूर्व-लाभांश तिथि से कम से कम एक कारोबारी दिन पहले शेयर खरीदना चाहिए, क्योंकि पूर्व-लाभांश तिथि पर खरीदारी करने वाले निवेशक लाभांश के हकदार नहीं होते हैं। विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि केवल लाभांश के लिए निवेश करने के बजाय, कंपनी की आर्थिक स्थिति, शेयर का मूल्यांकन और भविष्य की विकास संभावनाओं का भी आकलन करना महत्वपूर्ण है।

नवंबर की धमाकेदार शुरुआत! शेयर बाजार ने दिखाया दम,निवेशक मालामाल

सेंसेक्स 81,000 और निफ्टी 25,000 के पार, सप्ताहभर में रिकॉर्ड तोड़ उछाल

मुंबई ।

नवंबर 2026 का पहला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। वैश्विक बाजारों में अस्थिरता के बावजूद, घरेलू बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने अभूतपूर्व तेजी दर्ज करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित किए। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट, अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के परिणाम और विदेशी निवेशकों की मजबूत खरीदारी के दम पर पूरे सप्ताह बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली, जिससे निवेशकों का उत्साह चरम पर रहा। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को धमाकेदार रही, जब अमेरिकी-ईरान वार्ता में सफलता की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मजबूत तिमाही नतीजों ने बाजार को शुरुआती तेजी दी।

सेंसेक्स 1,233 अंक से अधिक चढ़कर 75,692.78 पर और निफ्टी 387.70 अंक की बढ़त के साथ 23,440.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार और बुधवार को भी यह तेजी बरकरार रही। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के सकारात्मक परिणामों खासकर डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा ब्लू स्वीप के संकेत तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारी निवेश ने बाजार के माहौल को पूरी तरह बदल दिया। कच्चे तेल की कीमतों में



लगातार नरमी ने भी बाजार को सहारा दिया, जिससे बुधवार को सेंसेक्स 77,219.65 और निफ्टी 23,911.70 पर बंद हुए। गुरुवार को बाजार में रिकॉर्ड-तोड़ उछाल देखने को मिली, जब सेंसेक्स 2,000 से अधिक अंक चढ़कर 79,310.01 पर और निफ्टी 24,536.60 पर बंद हुआ। अमेरिकी चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की हार से पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के अनुमानों ने भी बाजार को अतिरिक्त बल दिया। धनतेरस के शुभ अवसर पर शुक्रवार को भी तेजी का सिलसिला जारी रहा और भारतीय शेयर बाजार ने एक नया इतिहास रच दिया।

अब बायोमेट्रिक, वोटर आईडी होगा पहचान का नया आधार

पशुपालन और डेयरी मंत्री ने दिए संकेत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अपनी विभिन्न सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों की पहचान और भुगतान के लिए आधार कार्ड की जगह बायोमेट्रिक पहचान और वोटर आईडी (ई पिक) नंबर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। केंद्रीय पंचायती राज, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) ने इस संबंध में संकेत दिए हैं। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर कोई अंतिम फैसला या आधिकारिक नियम जारी नहीं किया है। पंचायती राज मंत्रालय की कार्यशाला में मंत्री सिंह ने कहा कि अब भुगतान का आधार केवल आधार कार्ड नहीं रहेगा। उन्होंने आधार बनाने की सुलभ प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए लाभार्थियों की पहचान के लिए अन्य विकल्पों पर विचार की आवश्यकता जताई। उनका कहना था कि आधार कार्ड आसानी से बन जाते हैं, जिससे वास्तविक पहचान सुनिश्चित करने में चुनौती आ सकती है। वर्तमान में पीएम किसान, पीएम आवास योजना और वृद्धावस्था पेंशन जैसी कई सरकारी योजनाओं में पहचान व भुगतान के लिए आधार का उपयोग होता है। मंत्री के बयान के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि नई व्यवस्था किन योजनाओं में और कब लागू होगी। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है। इसलिए, जब तक कोई आधिकारिक घोषणा न हो, लाभार्थियों को अपने आधार संबंधी दस्तावेजों में कोई बदलाव करने की जरूरत नहीं है और मौजूदा नियमों के अनुसार ही उन्हें योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा।

कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने जुटाए 632 करोड़

छोटे शहरों के निवेशकों ने दिखाई मजबूत दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

कार्नेलियन म्यूचुअल फंड की पहली स्कीम, कार्नेलियन स्मॉलकैप फंड ने अपने न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए निवेशकों से 632 करोड़ रुपये का उल्लेखनीय संग्रह किया है। 30 अक्टूबर 2026 को बंद हुए इस एनएफओ को देशभर के निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, जिसमें टियर-2 और टियर-3 शहरों से आई 45 फीसदी भागीदारी ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, जो लंबी अवधि के निवेश के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। फंड हाउस के अनुसार, इस एनएफओ को कुल 30,562 आवेदन मिले, जिनमें से प्रत्येक का औसत आकार करीब 2.07 लाख रुपये रहा। लगभग 21 फीसदी आवेदन सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के लिए मिले, जो निवेशकों के लंबी अवधि के निवेश रुझान को रेखांकित करता है। इस एनएफओ में देश के सभी राज्यों के निवेशकों ने हिस्सा लिया और इसे 275 शहरों के 1,430 वितरकों का समर्थन मिला।

निवेशकों को यूनिट का आवंटन 5 नवंबर 2026 को किया गया है, जबकि स्कीम में 9 नवंबर 2026 से दोबारा खरीद-बिक्री शुरू हो जाएगी। निवेशकों से मिले अच्छे रिस्पॉन्स पर, फंड हाउस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का आकार बढ़ाने के बजाय निवेश प्रक्रिया की गुणवत्ता बनाए रखने को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि खासकर स्मॉलकैप सेगमेंट में टिकाऊ विकास की क्षमता वाली कंपनियों की पहचान के लिए गहन मूल्यांकन और सही वैल्यूएशन



अहम हैं। इस रणनीति के तहत, स्कीम ने स्मॉलकैप सेगमेंट में निवेश संबंधी लचीलापन बनाए रखने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अधिकतम एयूएम सीमा तय की है। इस सीमा तक पहुंचने के बाद नए एकमुश्त निवेश और दूसरी स्कीमों से स्विच के जरिए आने वाले निवेश बंद हो जाएंगे, जबकि एसआईपी के जरिए निवेश जारी रहेगा। फंड हाउस के संस्थापक और चेयरमैन के अनुसार, भारत में आर्थिक बदलाव के दौर में उभरते कारोबार, नए क्षेत्रों और खास कारोबारी मॉडल वाली कंपनियों में निवेश के बड़े अवसर हैं, जिनमें से कई भविष्य में बाजार की अग्रणी कंपनियां बन सकती हैं। यह ओपन-एंडेड स्कीम अपनी कुल एयूएम का 65 से 100 फीसदी हिस्सा स्मॉलकैप कंपनियों के शेयरों और उनसे जुड़े निवेश विकल्पों में लगाएगी।

एनएसई, ऑगमोंट के ईजीआर खंड में पहले दिन 33 करोड़ से अधिक का कारोबार

निवेशकों को डीमैट के जरिए भौतिक सोना रखने व लेने का विकल्प

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एकीकृत स्वर्ण मंच ऑगमोंट के साथ मिलकर शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद (ईजीआर) में लाइव कारोबार शुरू किया। इस नए वित्तीय उत्पाद को निवेशकों ने शानदार प्रतिक्रिया दी, पहले ही दिन इसमें 33.11 करोड़ रुपए के सफल सौदे हुए। यह भारत में भौतिक सोने को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को कुल 2,27,444 अनुबंधों का कारोबार हुआ, जिनका कुल मूल्य 33.11 करोड़ रुपए रहा। कारोबार के दौरान कीमतें 1,450.50 रुपए से 1,465 रुपए प्रति 100 मिलीग्राम (0.1 ग्राम) के दायरे में व्यवस्थित तरीके से रहीं। प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ण रसीद 100 मिलीग्राम भौतिक सोने के बराबर होती है, जिसे सेबी विनियमित भंडारगृहों में सुरक्षित रखा जाता है। निवेशक अपने डीमैट खातों के



माध्यम से इन रसीदों की खरीद-बिक्री कर सकते हैं। साथ ही, निर्धारित नियमों के तहत उनके पास इन रसीदों के बदले भौतिक सोना प्राप्त करने का विकल्प भी है।

यह खंड टी प्लस1 निपटान चक्र का पालन करता है, जिससे सौदों का निपटान अगले कारोबारी दिन होता है।

बीएसएनएल और वीआईएल के बीच नेटवर्क साझा समझौता

12-13 नए सर्किलों में लागू होगी यह व्यवस्था

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के साथ 12-13 नए दूरसंचार सर्किलों में इंटर-सर्किल रोमिंग (आईसीआर) समझौता करने की योजना बनाई है। एक सरकारी सूत्र ने यह जानकारी दी, जिससे दोनों कंपनियों के ग्राहकों को उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का बेहतर सिग्नल मिल पाएगा, जहां उनकी मौजूदा सेवा प्रदाता कंपनी का नेटवर्क कमजोर है। इस समझौते से दोनों कंपनियों को लाभ होगा। सूत्र के अनुसार पहले से ही दो-तीन सर्किलों में यह व्यवस्था लागू है और अब इसे विस्तार दिया जा रहा है। बीएसएनएल अपने 4जी नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके तहत उसे 26,000 नए मोबाइल टावर लगाने की मंजूरी मिली है। वहीं वोडाफोन आइडिया, जिसमें सरकार सबसे बड़ी शेयरधारक है, अपने 45,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए कर्ज जुटाने का प्रयास कर रही है। यह समझौता दोनों कंपनियों के नेटवर्क की पहुंच को बढ़ाने में मददगार साबित होगा।

एनबीएफसी के सोने व उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं का कर्ज 50 फीसदी बढ़ा

सोने के आभूषणों पर कर्ज 66 फीसदी से अधिक बढ़कर 3.74 लाख करोड़ पहुंचा

मुंबई ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा सोने के आभूषणों और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए दिए गए कर्ज में सितंबर 2026 में 50 प्रतिशत से अधिक की सालाना वृद्धि दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है, जो इन क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का संकेत देती है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में सोने के आभूषणों के बदले दिया गया बकाया कर्ज 66.1 प्रतिशत बढ़कर 3.74 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 2.25 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के लिए एनबीएफसी का कर्ज 54.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 77,896 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष सितंबर में 50,411 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी का कुल कर्ज 15.4 प्रतिशत बढ़कर 61.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 53.46 लाख करोड़ रुपए था। विभिन्न क्षेत्रों में ऋण वृद्धि का मिलाजुला रुझान देखने को मिला। कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए कर्ज में 17.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई, जो पिछले साल 5.2 प्रतिशत थी। हालांकि, उद्योग क्षेत्र की कर्ज वृद्धि दर 10.2 प्रतिशत से घटकर 7.4 प्रतिशत रह गई और सेवा क्षेत्र की वृद्धि भी 23 प्रतिशत से घटकर 17.3 प्रतिशत पर आ गई, जबकि बुनियादी ढांचा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त बनी रही।

पश्चिम बंगाल की नई निवेश नीति में उद्योगों को जमीन सीधे खरीदने की छूट

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए अपनी नई निवेश प्रोत्साहन नीति पेश की है। इसका मुख्य लक्ष्य उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे भूमि खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम राज्य में औद्योगिक भूमि की कमी और पिछले भूमि अधिग्रहण विवादों (जैसे सिंगूर-नंदीग्राम) को देखते हुए उठाया गया है। नई नीति में, 500 एकड़ जमीन सीधे खरीदने वाले उद्योगों को रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा आसानी से मिलेगा, जबकि सरकारी आवंटन पर यह सीमा 1000 एकड़ है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था में अकेला भी नहीं छोड़ेगी। सरकार औद्योगिक भूमि की कमी दूर करने के लिए भूमि पूलिंग (जमीन मालिक स्वेच्छा से जमीन देंगे और विकसित भूखंड वापस मिलेंगे) और अप्रयुक्त औद्योगिक भूखंडों को वापस लेने जैसे वैकल्पिक उपायों पर भी विचार कर रही है। इसके तहत, कंपनियों को आवंटित जमीन पर तीन साल के भीतर उत्पादन शुरू करना अनिवार्य होगा, विफल होने पर आवंटन रद्द हो सकता है। सीधी खरीद के लिए वित्तीय सहायता हेतु हुडको और नाबार्ड जैसे संस्थानों से भी संपर्क किया जाएगा।

दिवाली पर बंपर कारोबार, व्यापारियों को 5 लाख करोड़ का मुनाफा होने की उम्मीद

दिल्ली में 80 हजार करोड़ के व्यापार का अनुमान, ऑटो सेक्टर में 55 फीसदी उछाल

नई दिल्ली ।

इस साल दिवाली का त्योहार देशभर के व्यापारियों के लिए शानदार कारोबार के अवसर लेकर आया है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) से संबद्ध चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अनुमान लगाया है कि इस त्योहारी सीजन में पूरे देश में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये का जबरदस्त व्यापार होने की उम्मीद है। यह आंकड़ा व्यापारियों के लिए एक बड़ी राहत और अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है। सीटीआई के एक अे धिकारी ने विभिन्न व्यापारिक संगठनों, होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, कार डीलर्स और टूर एंड ट्रैवल एसोसिएशन्स से बातचीत के आधार पर यह अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस दिवाली सीजन में करीब 80 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। आंकड़ों के मुताबिक, ऑटोमोबाइल सेक्टर में खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें थ्री-व्हीलर में 110 प्रतिशत और निजी वाहनों में 70 प्रतिशत की बंपर बढ़ोतरी हुई है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कपड़े, रेडीमेड गारमेंट्स, मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, फर्नीचर और घरेलू सामान जैसे क्षेत्रों में भी जोरदार कारोबार की उम्मीद है। इस बार भारतीय उत्पादों, जैसे मिट्टी के दीये, पूजा सामग्री और हस्तशिल्प को विशेष प्राथमिकता मिल रही है, जिससे स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्योगों को बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा। अनुमान है कि दिवाली के दौरान लगभग 5 करोड़ उपहारों का आदान-प्रदान भी होगा। दिल्ली में हाल ही में प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को हुए 14 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की भरपाई भी इस बंपर खरीदारी से होने की उम्मीद है। चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग और लाजपत नगर जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है, जिससे त्योहारी उत्साह चरम पर है।

भारती एयरटेल ने जियो को पछाड़ा, बनी देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी

शेयरों में तेजी से एयरटेल का मार्केट कैप बढ़ा, जियो फिसला

मुंबई ।



भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टेलीकॉम दिग्गज भारती एयरटेल ने जियो प्लेटफॉर्म्स को पीछे छोड़ते हुए देश की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी का मुकाम हासिल कर लिया है। यह बदलाव एयरटेल के शेयरों में उछाल और जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ। कारोबार के अंत में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर लगभग 13.08 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि जियो प्लेटफॉर्म्स 12.94 लाख करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गया। शुक्रवार को भारती एयरटेल के शेयर 1.66 फीसदी की बढ़त के साथ 2,096.25 रुपए पर बंद हुए, वहीं जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयर 0.90 फीसदी गिरकर 1,405.75 रुपए पर आ गए। यह बदलाव 28 अक्टूबर के बाद हुआ है, जब जियो प्लेटफॉर्म्स ने यह दूसरा स्थान हासिल किया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज 17.83 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। शीर्ष पांच में एचडीएफसी बैंक (चौथे) और आईसीआईसीआई बैंक (पांचवें) भी शामिल हैं। भारती एयरटेल की इस उपलब्धि के पीछे उसके मजबूत वित्तीय प्रदर्शन को अहम माना जा रहा है। कंपनी का तिमाही मुनाफा सालाना आधार पर 24 फीसदी बढ़ा है और प्रति ग्राहक औसत राजस्व में भी सुधार दर्ज किया गया है, जिसने उसके शेयरों को मजबूती दी है। जियो प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में गिरावट ने उसकी रैंकिंग को प्रभावित किया।

भारत में जल्द लॉन्च होगी होंडा की पहली इलेक्ट्रिक कार अल्फा

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार उतारने की तैयारी कर रही है। इस बहुप्रतीक्षित इलेक्ट्रिक एसयूवी का वैश्विक पदार्पण 2 दिसंबर को भारत में किया जाएगा। इस कार का नाम होंडा अल्फा होगा। कंपनी की घोषणा के अनुसार, होंडा इस कार का निर्माण राजस्थान के टपूकड़ा स्थित अपने संयंत्र में करेगी, जिससे यह संयंत्र इस मॉडल के लिए एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकता है। होंडा अल्फा को कंपनी के 0 अल्फा कॉन्सेप्ट के आधार पर तैयार किया जा रहा है, जिसे अक्टूबर 2025 में प्रदर्शित किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, नई एसयूवी में कॉन्सेप्ट के विशिष्ट डिजाइन को काफी हद तक बरकरार रखा जाएगा, जिसमें एक लगभग सीधा खड़ा पिछला डिजाइन, मोटा सी-पिलर और एक बड़ा पिछला शीशा शामिल होगा। आगे के हिस्से में रोशनी वाला होंडा लोगो और चार्जिंग पोर्ट दिए जाने की संभावना है।

तकनीकी विवरणों का खुलासा अभी नहीं किया गया है, लेकिन जानकारों के अनुसार, इसे लगभग 65 किलोवाट-घंटे से 75 किलोवाट-घंटे की क्षमता वाले दो एलएफपी बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। शुरुआत में इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर और आगे के पहियों को शक्ति देने वाली व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। केबिन के अंदर एक बड़ी टचस्क्रीन और चालक के लिए एक डिजिटल डिस्प्ले दी जा सकती है। इसमें तीन स्पोक वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील और वातानुकूलन व हवादार सीटों जैसी सुविधाओं को नियंत्रित करने के लिए भौतिक बटन भी मिलेंगे।

बाल-बाल बची टीम इंडिया!

भारत ने जीता दूसरा वनडे

बारिश ने न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर फेरा पानी, सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में डकवर्थ लुईस नियम के हिसाब से चार रन से जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, 135 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की हालत खराब हो गई थी। टीम ने 26 ओवर में सात विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे और उसे जीत के लिए 22 रन की जरूरत थी। तभी बारिश ने मुकाबले में खलल डाल दिया। काफी इंतजार के बावजूद खेल दोबारा शुरू नहीं हो सका। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत भारत को चार रन से विजेता घोषित कर दिया गया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम जीत की उम्मीद करने लगी थी, लेकिन बारिश ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। काइल जेमीसन और जैकब डफी ने तीन-तीन विकेट लेकर भारतीय पारी को झकझोर दिया। मैट फिशर को एक सफलता मिली। जेमीसन ने खास तौर पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने श्रेयस अय्यर को शॉर्ट गेंद पर कैच आउट कराया।

DLS के तहत चार रन आगे था भारत

बारिश के कारण जब मुकाबला रोका गया, तब भारत को 126 गेंद में 22 रन बनाने थे। हालांकि, डकवर्थ लुईस नियम के तहत उस समय भारत का पार स्कोर 109 रन था, जबकि टीम इंडिया सात विकेट के नुकसान पर 113 रन बना चुकी थी। यानी भारत निर्धारित मानक से चार रन आगे था। इसका मतलब था कि अगर बारिश के कारण आगे खेल नहीं हो पाता है तो भारत चार रन से मुकाबला जीत जाएगा। आखिरकार ऐसा ही हुआ। स्थानीय समय के हिसाब से रात 11 बजे मैच दोबारा शुरू कराने की अंतिम समय सीमा थी, लेकिन बारिश नहीं रुकी और मुकाबला आगे नहीं खेला जा सका।

गुरनूर की घातक गेंदबाजी, 134 रन पर सिमटा न्यूजीलैंड

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 134 रन पर समेट दिया था। डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए, जबकि कप्तान मिचेल सैंटनर ने 31 रन का योगदान दिया। हेनरी निकोल्स 11 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। भारत की ओर से गुरनूर बराड़ ने 30 रन देकर चार विकेट लिए। आकिब नबी, अंशुल कंबोज और अक्षर पटेल को दो-दो विकेट मिले। न्यूजीलैंड की टीम पहला वनडे भी गंवा चुकी थी। दूसरे मुकाबले में बारिश के कारण भारत को मिली जीत के साथ ही टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली।

लड़खड़ाई टीम इंडिया, 7 विकेट गंवाए

दरअसल, बारिश के कारण वेलिंग्टन में खेला गया यह दूसरा वनडे एक घंटे की देरी से शुरू हुआ था। सुबह साढ़े सात बजे की जगह मैच सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुआ था। अंपायर्स ने ओवर्स में कटौती भी की थी और मैच 47-47 ओवर का कर दिया गया था। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई थी। भारतीय टीम को जीत के लिए 135 रन का लक्ष्य मिला था। छोटे लक्ष्य के बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने



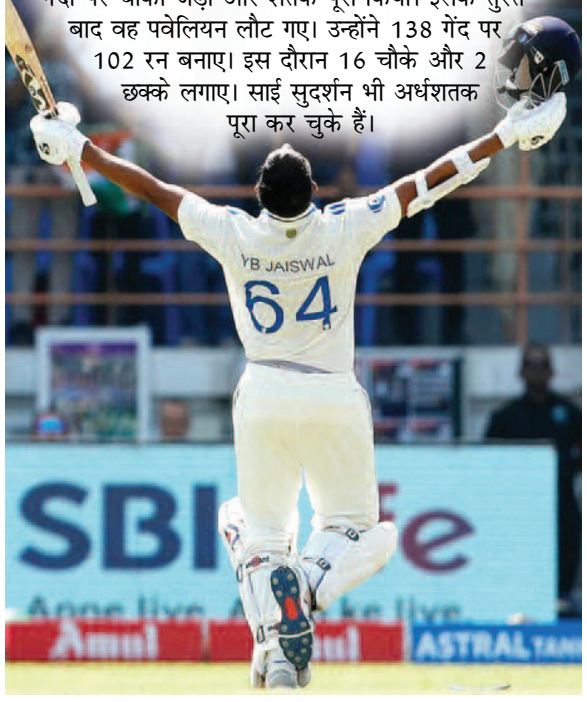
निराश किया और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। कप्तान शुभमन गिल बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए, जबकि विराट कोहली सात रन ही बना सके। रोहित शर्मा ने 23 रन की पारी खेली, लेकिन वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अक्षर पटेल सात रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। श्रेयस 46 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। नमन धीर ने 12 रन बनाए, जबकि अंशुल कंबोज एक रन बनाकर आउट हुए। बारिश के कारण खेल रुकने तक केएल राहुल 26 और आकिब नबी एक रन बनाकर नाबाद थे। भारत का स्कोर 26 ओवर में सात विकेट पर 113 रन था।

यशस्वी ने लगातार दूसरी पारी में ठोका शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच शनिवार से लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में यशस्वी जायसवाल ने शानदार शतक ठोका। यशस्वी जायसवाल का यह लगातार दूसी पारी में शतक है। इससे पहले दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट की दूसरी पारी में भी शतक जड़ा था। उन्होंने 162 गेंद पर 15 चौके और 5 छक्के की मदद से नाबाद 155 रन बनाए थे।लिंकन में खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट में न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल ने साई सुदर्शन के साथ मिलकर इंडिया ए को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के 46.3 ओवर में 175 रनों की साझेदारी हुई। यशस्वी जायसवाल शतक ठोकने के बाद आउट हो गए।

जायसवाल ने 138 गेंद पर 102 रन बनाए

यशस्वी जायसवाल ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट की गेंद पर चौका जड़कर शतक पूरा किया। उन्होंने 44वें ओवर में लगातार दो गेंदों पर चौका जड़ा और शतक पूरा किया। इसके तुरंत बाद वह पवेलियन लौट गए। उन्होंने 138 गेंद पर 102 रन बनाए। इस दौरान 16 चौके और 2 छक्के लगाए। साई सुदर्शन भी अर्धशतक पूरा कर चुके हैं।



संक्षिप्त समाचार

अल्काराज की शानदार जीत सेमीफाइनल में जगह बनाई



पेरिस, एजेंसी। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। वह मैच में 36-7 (10) और 3-5 से पीछे थे और अपनी सर्व पर एक मैच पॉइंट का सामना कर रहे थे, इससे पहले कि उन्होंने एक शानदार पॉइंट जीतकर स्कोर 4-5 कर दिया।

देसिंघु ने जीता 200 मीटर फ्रीस्टाइल में कांस्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की 16 वर्षीय तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले वह 100 मीटर फ्रीस्टाइल में भी कांस्य जीत चुकी हैं। इसके साथ ही वह यूथ ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की युवा तैराक धिनिधि देसिंघु ने यूथ ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने शुक्रवार को लड़कियों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही 16 वर्षीय धिनिधि ने इस प्रतियोगिता में अपना दूसरा पदक हासिल किया। इससे पहले धिनिधि ने लड़कियों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता था। इस तरह उन्होंने यूथ ओलंपिक में दो व्यक्तिगत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह इस वैश्विक युवा खेल आयोजन में व्यक्तिगत स्पर्धाओं में एक से अधिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। धिनिधि ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में 2 मिनट 2.28 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। चीन की एम चांग ने 1 मिनट 59.59 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि क्रोएशिया की एना बोबानोविच ने 2 मिनट 1.17 सेकंड का समय लेकर रजत पदक अपने नाम किया। खास बात यह है कि 200 मीटर फ्रीस्टाइल धिनिधि की मुख्य स्पर्धा है। ऐसे में उन्होंने अपनी पसंदीदा स्पर्धा में भी पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। दो कांस्य पदकों के साथ धिनिधि ने भारतीय तैराकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

शमी को टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद

मोहम्मद शमी के संन्यास पर बोले भारत के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्नी मार्कल ने कहा कि जब वह भारतीय टीम से गेंदबाजी कोच के तौर पर जुड़े तो शुरूआती दिनों में टीम की सोच और भारतीय भाषा को समझने में मोहम्मद शमी की मौजूदगी से उन्हें काफी मदद मिली। शमी ने शुक्रवार (6 नवंबर) को टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

मोर्कल 2024 में भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच बने थे। उन्हें टेस्ट प्रारूप में शमी के साथ काम नहीं किया, लेकिन 2025 की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान उन्हें यह मौका मिला। मोर्कल ने मैच से पूर्व इंटरव्यू में मेजबान प्रसारक सोनी स्पोर्टस से कहा , 'मैं खुशकिस्मत हूं कि जब मैने भारतीय टीम के साथ शुरूआत की तब शमी टीम का हिस्सा थे। काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और भारतीय भाषा को समझने में उन्होंने मेरी काफी मदद की। उन्हें टेस्ट क्रिकेट से विदा लेते देखना दुखद है।'

शमी ने सभी फॉर्मेट्स को मिलाकर कुल 462 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं, जिनमें टेस्ट में 229 और वनडे में 206 विकेट शामिल हैं। हालांकि, शमी कुछ और समय तक बंगाल के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट और आईपीएल खेलना जारी रखेंगे। मोर्केल इस बात से खुश हैं कि शमी अभी भी पूरी शिद्दत के साथ घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं। मोर्केल ने कहा, 'मेरा मतलब है कि वह अभी भी घरेलू क्रिकेट में काफी ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं और यह देखना वाकई बहुत अच्छा लगता है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर अपने 13 साल के सफर पर विराम लगा दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। मोहम्मद शमी ने 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए।



तेज गेंदबाज ने कहा था- सफेद जर्सी से विदा ले रहा हूं, उससे जुड़ी यादों से नहीं

मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिलने से निराश हूं: रवि शास्त्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के टेस्ट सेटअप से मोहम्मद शमी को नजरअंदाज करने के फैसले पर सवाल उठाया है। शास्त्री ने कहा कि शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित की है। शास्त्री ने शमी को मौके न मिलने पर निराशा जताई, और अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के बावजूद फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में उनके काम के बोझ की ओर इशारा किया। शमी, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में भारत के सबसे सक्षम तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं, बंगाल के लिए नियमित तौर पर खेलते रहे हैं, और उन्होंने गेंदबाजी की बड़ी जिम्मेदारियां निभाईं। शास्त्री को लगा कि इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए तेज गेंदबाज की तैयारी का अंदाजा लगाने में उन



प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत दी जानी चाहिए थी। भारत के पूर्व हेड कोच ने कहा कि मैचों के दौरान लंबे स्पैल तक टिके रहने की एक गेंदबाज की क्षमता ही उसकी फिटनेस का असली पैमाना होनी चाहिए। शास्त्री ने दूसरे वनडे से पहले सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा, 'अगर आप मैच में 10 या 12 ओवर नहीं कर सकते तो जिम में फिट रहने का क्या मतलब है? यहां, आपके पास एक मेहनती खिलाड़ी है जो आपके लिए गेंदबाजी कर रहा है। इसलिए, मैं थोड़ा निराश हूं कि उन्हें दोबारा मौका नहीं मिला। पूर्व कप्तान ने कहा, 'शमी का घरेलू काम का बोझ इस बात का काफी सबूत है कि वह कॉम्पिटिटिव क्रिकेट की फिजिकल जरूरतों को संभाल सकता है। टीमों को मुश्किल इंटरनेशनल सीजन के दौरान खास खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ता है, तो एक अनुभवी तेज गेंदबाज का होना कितना जरूरी है।'

'स्मैट' के लिए क्रुणाल की कप्तानी में बड़ौदा टीम का ऐलान



बड़ौदा, एजेंसी। बड़ौदा ने टी20 फॉर्मेट की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) के लिए क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में अपनी टीम की घोषणा कर दी। इस टीम में हार्दिक पंड्या को जगह नहीं मिली है। टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू हो रहा है। क्रुणाल पंड्या की कप्तानी में घोषित बड़ौदा की टीम में जितेश शर्मा, दीपक हुड्डा और रसिख सलाम जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। हार्दिक आईपीएल 20260 के बाद से ही कई चोटों की वजह से मैदान से बाहर हैं। आईपीएल के दौरान पीठ में ऐंठन होने के बाद से हार्दिक ने अपना ज्यादातर समय बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में बिताया है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल में खेला था। ऑलराउंडर को हाल ही में अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए की टीम में चुना गया था, लेकिन पिंडली में नई चोट के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया था।

पैरालंपिक में तीन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला अवनि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की पैरा एथलीटों में अवनि लेखरा का नाम काफी सम्मान के साथ लिया जाता है। रविवार को 25 साल की हो रही अवनि ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर निशानेबाजी में पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। अवनि लेखरा का जन्म 8 नवंबर 2001 को जयपुर (राजस्थान) में हुआ था। जब वह 11 साल की थीं, तो एक दुर्घटना के चलते कमर का निचला हिस्सा लकवाग्रस्त हो गया। उन्हें स्पाइनल कॉर्ड इंजरी हो गई। इस हादसे के बाद अवनि का जीवन पूरी तरह बदल गया। उन्हें व्हीलचेयर के सहारे आगे का जीवन जीना था। जीवन को मुश्किल बनाने वाली इस परेशानी के बावजूद अवनि ने हिम्मत नहीं हारी और कुछ बड़ा करने का सपना देखा। अवनि के पिता का मानना था कि अगर उन्हें किसी खेल से जोड़ा जाए, तो उनकी मानसिक स्थिति थोड़ी ठीक रहेगी और उनका मन बहलेगा। इसी वजह से उन्होंने बेटी को शूटिंग शुरू करने के लिए कहा। हादसे के तीन साल बाद अवनि ने शूटिंग में अपना करियर बनाने का दृढ़ संकल्प ले लिया था। वह बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा से प्रेरित थीं।



2020 टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.6 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। वह पैरालंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन एसएच 1 में ब्रॉन्ज मेडल भी अपने नाम किया। अवनि ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भी गोल्ड मेडल जीता था। अवनि ने 2024 पैरालंपिक में 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट के फाइनल में 249.7 अंक के साथ पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। अवनि लेखरा पैरालंपिक गेम्स में 2 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

सीए ने ख्वाजा के सैंडपेपर गेट वाले दावों का दिया जवाब कहा- हम नतीजों से खुश हैं

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2018 के साउथ अफ्रीका दौरे के दौरान सैंडपेपर गेट की घटना पर उस्मान ख्वाजा के चौंकाने वाले दावों का जवाब दिया है। इस घटना ने क्रिकेट की दुनिया को हिलाकर रख दिया था। ख्वाजा, जो अपनी आने वाली किताब 'सब्र' में इस घटना के बारे में विस्तार से बताएंगे, ने खुलासा किया है कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को केपटाउन टेस्ट में सैंडपेपर गेट के बारे में पता था और पिछले टेस्ट मैच में भी इसका इस्तेमाल किया गया था। पूर्व ओपनर के दावों का जवाब देते हुए, सीए ने कहा कि उन्हें दी गई जानकारी पर ठीक से सोचा गया था और वे अपने नतीजों से खुश हैं। बयान में कहा गया, '2018 के केपटाउन टेस्ट के बाद से आठ वर्षों में बहुत सारे अंदाजे लगाए गए हैं, जिसमें पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका में हुई सीरीज के दौरान मीडिया में बहुत ज्यादा कवरेज भी शामिल है। इस दौरान कोई भी जरूरी जानकारी देने का मौका मिलता रहा है, और यह अभी भी वैसा ही है। सीए को अब तक दी गई सभी जरूरी जानकारी पर ठीक से विचार किया गया है, और हम अपनी नतीजों से खुश हैं।' ख्वाजा ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड को दिए एक साक्षात्कार में बताया है कि सैंडपेपर गेट के बारे में पूरी टीम को पता था। इस मामले के बारे में माना जाता है कि तब के कप्तान स्टीव स्मिथ, उपकप्तान डेविड वॉर्नर और बल्लेबाज कैमरन बैनक्रॉफ्ट इस घटना में शामिल थे। बैनक्रॉफ्ट ने गेंद पर वो चीज लगाई थी। इसे टेस्ट मैच के विजुअल्स में देखा जा सकता है।

घटना के बाद स्मिथ और वॉर्नर पर इंटरनेशनल और डोमेस्टिक



क्रिकेट में खेलने से एक साल का बैन लगाया गया, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का बैन लगाया गया। इसके अलावा, स्मिथ से कहा गया कि वह दो साल तक ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी नहीं कर सकते। वॉर्नर पर इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियन डोमेस्टिक क्रिकेट में लाइफटाइम लीडरशिप बैन लगा, जिसे 2024 में हटा दिया गया। ख्वाजा ने इस घटना पर बात करते हुए कहा कि वह सच सामने नहीं लाना चाहते, उन्हें लगता है कि यह अब तक सामने आ गया होगा। एक आदर्श दुनिया में, मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मैं वह नहीं बनना चाहता जो सामने आकर सच के बारे में बात करे। उन्होंने कहा, 'मुद्दा यह है कि मुझे सच में लगा था कि आठ साल बाद अब तक सच सामने आ गया होगा।' ख्वाजा ने यह भी दावा किया कि साउथ अफ्रीकी टीम गेंद के साथ काम करने में कहीं बेहतर थी और वे उनके साथ बने रहने की कोशिश कर रहे थे।

कोटड़ी श्याम मंदिर में प्रज्वलित हुआ 11 फीट चौड़ा अखंड दीप

● 2100 ईंटों से किया गया तैयार

भीलवाड़ा, एजेंसी। मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस के मौके पर विशाल अखंड दीप प्रज्वलित किया गया। करीब सवा 11 फीट चौड़े विशाल दीपक को 2100 ईंटों, मिट्टी और गोबर से पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया है। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद दीपक जलाया गया। इस अनूठे दीप को देखने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर से जुड़े लोगों के अनुसार, विशाल दीपक का निर्माण पारंपरिक पद्धति से किया जाता है। इसमें करीब 2100 ईंटों के साथ मिट्टी और गोबर का इस्तेमाल किया गया। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विशेष पूजा की गई और वैदिक मंत्रों के बीच अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। दीपक के जलते ही मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बन गया। कोटड़ी श्याम मंदिर में धनतेरस पर विशाल अखंड दीप जलाने की परंपरा वर्ष 2018 से शुरू हुई थी। इसके बाद से हर साल धनतेरस के मौके पर विशेष रूप से विशाल दीपक का निर्माण किया जाता है और दीपक को विधिवत प्रज्वलित किया जाता है। श्रद्धालु इस परंपरा को धार्मिक आस्था, समृद्धि और मंगलकामना का प्रतीक मानते हैं। धनतेरस के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना भी आयोजित की गई। विशाल दीपक के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक गतिविधियां चलती रहीं और दीपोत्सव का उल्लास छाया रहा।

मनेर एनकाउंटर पर तेजस्वी का हमला, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी

● हर जगह बोर्ड लगवा दें सीएम सम्राट

पटना, एजेंसी। बिहार के पटना जिले के मनेर में पुलिस के साथ कथित मुठभेड़ में 3 लोगों की मौत के बाद प्रदेश की राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने घटना को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार पुलिस पर तीखा हमला बोला है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाकर बीजेपी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, स्थानीय ग्रामीण भी मुठभेड़ को फर्जी बताकर निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। तेजस्वी ने पोस्ट कर सम्राट सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा, अपनी जान की जिम्मेदार जनता खुद होगी, मुख्यमंत्री लगवा दें हर जगह बोर्ड। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में पुलिस आम लोगों के घरों में घुसकर गोली चला रही है, जबकि दूसरी ओर अपराधी पुलिस पर हमले कर रहे हैं। राजद नेता ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधकर कहा कि उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश में भयावह स्थिति पैदा हो गई है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जब सरकार, पुलिस और अपराधियों की भूमिका को लेकर सवाल उठते हैं, तब ध्यान भटकाने के लिए किसी विशेष जाति के लोगों का एनकाउंटर होता है। इस मामले में राजद नेता रोहिणी आचार्य ने भी बिहार सरकार और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। रोहिणी आचार्य राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पुत्री हैं और पिछले लोकसभा चुनाव में सारण सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। इससे पहले सांसद मीसा भारती और राजद विधायक भाई वीरेंद्र सहित पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी मनेर मुठभेड़ को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए थे।

सपा पार्षद समेत परिवार पर मामला दर्ज, महिला को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सपा पार्षद भैयालाल यादव और उनके परिवार के पांच लोगों पर एक महिला ने मामला दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि पहले दर्ज केस में पैरवी करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। महिला ने पार्षद की पत्नी, दोनों बेटों और साले को भी आरोपी बनाया है।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश के सामाजिक ताने-बाने को भारी नुकसान पहुंचा : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आरोप लगाया है कि पिछले 12 वर्षों में भारत के सामाजिक ताने-बाने, लोकतंत्र और संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचा है तथा मोदी सरकार के सत्ता से हटने के बाद भी देश की व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने में समय लगेगा. अपनी पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' के विमोचन से पहले अंग्रेजी दैनिक अखबार 'द हिंदू' को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने यह भी कहा कि अब लोग देश को हुए नुकसान को महसूस करने लगे हैं और मौजूदा स्थिति को लेकर उनकी बेचैनी बढ़ रही है. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, लेकिन मैं आशावादी हूं और मुझे विश्वास है कि भारत के लोग सुशासन की वापसी का स्वागत करेंगे. उन्होंने कहा, पिछले 12 वर्षों में हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने, लोकतंत्र और संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचा है. इस सरकार के



सत्ता से जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को पहले की तरह फिर से बेहतर और मजबूत बनाने में समय लगेगा. इसके लिए राजनीतिक दलों को भी काफी प्रयास करने होंगे.

कांग्रेस के कमजोर होते जनाधार और पार्टी की मौजूदा स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर गांधी ने कहा, मैं इतनी निराशावादी नहीं हूं. इस बात पर गौर कीजिए कि इस सरकार के सत्ता में आने के बाद से कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को समान अवसर नहीं मिले हैं. उन्होंने कहा, सभी संस्थाओं पर सरकार की पूरी पकड़ है, खासकर निर्वाचन आयोग पर. मुख्यधारा के मीडिया पर उसका नियंत्रण है, उसके पास अकूत धनबल है और वह धर्म का इस्तेमाल भी अपने हित में करती है. गांधी ने कहा, इसके बावजूद हमारी पार्टी संघर्ष कर रही है और आगे बढ़ रही है. वास्तव में, हमारी पार्टी ही ऐसी है जिसने इस हमले का मजबूती से सामना करने का दमखम दिखाया है. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं को हर तरह के उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है. उन्होंने कहा, इसके बावजूद हर गांव और हर जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ता संविधान में निहित मूल्यों के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया, इसके अलावा, हाल के महीनों में यह बात पर्याप्त रूप से साबित हुई है कि कई चुनावों में धांधली हुई है और लोगों को अब इसकी जानकारी होने लगी है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस समान विचारधारा वाले दलों के साथ मिलकर काम कर रही है और पार्टी की संभावनाएं दिन-ब-दिन बेहतर हो रही हैं. हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा प्रकाशित उनकी पुस्तक 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' एक निजी संस्मरण है, जिसमें राजनीति को उन्होंने पृष्ठभूमि या उनके शब्दों में कहें तो एक तरह के ढांचे के रूप में रखा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके राजनीतिक उभार से कांग्रेस को क्या सबक लेना चाहिए, इस सवाल पर गांधी ने कहा, यह सच है कि वह बिल्कुल अलग वैचारिक पृष्ठभूमि से आते हैं. लेकिन कांग्रेस पार्टी में भी लोगों के राजनीति में सफल होने के कई रास्ते हैं. उदाहरण के लिए डॉ. मनमोहन सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को देख सकते हैं. मुझे नहीं लगता कि हमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से कुछ सीखने की जरूरत है. यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी इस बात का ख्याल आता है कि अगर उन्होंने 2004 में प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया होता तो संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की नीतियां और कांग्रेस की रणनीति कैसी होतीं, इस पर गांधी ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं. यह विचार कभी मेरे मन में नहीं आया. हमारा अनुभव कुल मिलाकर काफी सकारात्मक रहा. हमने एक टीम के रूप में काम किया और हम दोनों की भूमिकाएं अलग-अलग थीं. वह (मनमोहन सिंह) सरकार का नेतृत्व कर रहे थे और मैं पार्टी का.

पिछले महीने सोनिया गांधी ने कहा था कि दूसरे लोग दशकों से उनकी कहानी बताते रहे हैं और अब अपनी कहानी बताने की बारी उनकी है. उन्होंने यह भी कहा था कि 10 नवंबर को उनके संस्मरण के प्रकाशित होने पर कुछ तमाशा होना तय है. हार्पर कॉलिन्स इंडिया 10 नवंबर को गांधी का 544 पन्नों का संस्मरण 'बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव' भारत में प्रकाशित करेगा. इसके साथ ही देश में इस पुस्तक के प्रकाशन को लेकर बना असमंजस भी खत्म हो जाएगा. इससे पहले लेखिका के प्रतिनिधियों और पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) के बीच गतिरोध के कारण पुस्तक के भारत में प्रकाशन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी.

जंतर-मंतर एट कोच्चि प्रदर्शन में बोले अभिजीत दिपके

● ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लड़ाई नहीं रुकेगी

कोच्चि, एजेंसी। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके शनिवार को पार्टी के 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कोच्चि पहुंचे। कोच्चि एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने कहा कि यह लोगों का प्रदर्शन है और वह आयोजकों और अभिनेता प्रकाश राज के बुलावे पर यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उनकी लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक भारत में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था नहीं बन जाती। अभिजीत दिपके ने दावा किया कि 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब 13 करोड़ से ज्यादा वोटरों के नाम हटा दिए जाएं, जो कुल रजिस्टर्ड वोटरों का करीब 13-14 फीसदी है, तो ऐसे में चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष कैसे माना जा सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरे देश में वोटरों के नाम हटाए जा रहे हैं और ऐसा कोई राज्य नहीं है, जहां वोटरों के नाम नहीं हटाए जा रहे हों। दरअसल, सीजेपी ने शनिवार को अपने 'जंतर-मंतर एट कोच्चि' अभियान के तहत मरीन ड्राइव पर विरोध रैली निकाली। आयोजकों के मुताबिक, इसमें करीब 500 कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। रैली में मतदाता सूची के एसआईआर को वापस लेने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई। अभिनेता प्रकाश राज के नेतृत्व में निकली इस रैली में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य अध्यक्ष चिंथा जेरोम भी शामिल हुईं। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर सीईसी के खिलाफ नारे लगाए। रैली राजेंद्र मैदान में जाकर खत्म होगी, जहां अभिजीत दिपके प्रदर्शनकारियों को संबोधित करेंगे। रैली को देखते हुए पुलिस ने रास्ते में जवानों को तैनात किया है। पुलिस का मकसद ट्रैफिक को नियंत्रित करना और सडक़ पर जाम जैसी स्थिति को रोकना है।



ड्रग्स के खिलाफ एनसीबी की बड़ी कार्रवाई: सैटेलाइट से खोजे गांजे के खेत, अरुणाचल में 458 एकड़ जमीन खाली कराई

नई दिल्ली, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने देश भर में चल रहे अवैध खेतों की पहचान करने और उन्हें नष्ट करने के लिए एजेंसी ने राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों के साथ मिलकर एक बड़ा साझा अभियान शुरू किया है. अरुणाचल प्रदेश की दुर्गम पहाड़ियों से लेकर हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी और ओडिशा के आदिवासी जिलों तक, इसे जड़ से उखाड़ने के लिए काम कर रही है. इसी कड़ी में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, एनसीबी की ईटानगर जोनल यूनिट ने सशस्त्र सीमा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और अरुणाचल प्रदेश पुलिस के साथ मिलकर पश्चिम कामेंग जिले के कलाकतांग सब-डिवीजन में लगभग 458 एकड़ में फैली अवैध गांजे की खेती को पूरी तरह नष्ट कर दिया है.

एंटी-नार्कोटिक्स एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को ईटीवी भारत को बताया, 26 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच



चलाए गए इस अभियान के पहले चरण में, संयुक्त टीमों ने 1.37 लाख किलोग्राम से अधिक गांजे के पौधों को नष्ट कर दिया, जिनकी खेती मुख्य रूप से सामुदायिक जमीनों पर की जा रही थी. इस बड़े ऑपरेशन में अरुणाचल प्रदेश एंटी-नार्कोटिक्स टास्क फोर्स, पश्चिम कामेंग पुलिस और जिला प्रशासन के सदस्यों सहित कुल 118 जवान और कर्मचारी शामिल थे. यह अभियान जिला पुलिस और प्रशासन द्वारा किए गए जमीनी सर्वेक्षणों पर आधारित था. साथ ही दुर्गम इलाकों में खेती के स्थानों की पहचान करने के लिए ठउइ द्वारा प्रदान की गई सैटेलाइट तस्वीरों की भी मदद ली गई. महत्वपूर्ण बात यह है कि अरुणाचल प्रदेश में साल 2026 में अब तक नष्ट की गई अवैध गांजे की खेती का क्षेत्र, साल 2025 के पूरे साल के आंकड़ों से आठ गुना से भी ज्यादा है. यह दशार्ता है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में अवैध खेती के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में भारी तेजी आई है. एनसीबी ने अरुणाचल प्रदेश के कई अन्य हिस्सों में भी गांजे और अफीम की खेती वाले इलाकों की पहचान की है. अधिकारी ने जानकारी दी, आगे भी कई संयुक्त अभियान चलाने की योजना है, विशेष रूप से लोहित, लोअर दिबांग वैली, दिबांग वैली, नामसाई, अंजॉ, तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों में अफीम की खेती के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. दरअसल, अरुणाचल प्रदेश का यह ऑपरेशन नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के 'विजन डॉक्यूमेंट ऑन नार्कोटिक्स कंट्रोल (2026-2029)' के तहत चलाए जा रहे एक बड़े देशव्यापी अभियान का हिस्सा है. इस नीतिगत ढांचे के तहत अवैध खेती वाले संवेदनशील इलाकों की व्यवस्थित मैपिंग करने और केंद्रीय एजेंसियों, राज्य सरकारों, पुलिस बलों तथा जिला प्रशासनों को साथ मिलाकर उन्हें नष्ट करने का अभियान चलाने पर जोर दिया गया है.

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुक्खू ने राहुल-प्रियंका से की मुलाकात , संगठन और मुद्दों पर चर्चा

शिमला,एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान दोनों शीर्ष नेताओं को प्रदेश की 75 लाख जनता की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री सुक्खु ने मुलाकात की तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी। राहुल और प्रियंका गांधी ने भी हिमाचल प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। माना जा रहा है कि अहम बैठक में हिमाचल प्रदेश में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ है। बैठक में संभावित कैबिनेट विस्तार का मुद्दा भी उठा है, जिससे प्रदेश सरकार में नए चेहरों को जगह मिल सके। दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू के दोपहर बाद शिमला लौटने की संभावना है।

दीपावली पर 20 क्विंटल फूलों से सजा केदारनाथ धाम, आज बंद होंगे भुकुंट भैरवनाथ के कपाट

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), एजेंसी। दीपावली के पावन पर्व पर हिमालय की गोद में विराजमान केदारनाथ धाम भक्ति, आस्था और दिव्यता के अद्भुत रंगों में रंग उठा है. बाबा केदार के भव्य मंदिर परिसर और दरबार को लगभग 20 क्विंटल रंग-बिरंगे फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है. फूलों की मनमोहक सजावट के बीच केदारपुरी की अलौकिक छटा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. दीपावली के उल्लास के बीच बाबा केदार का धाम नई छटा बिखेर रहा है. इस पावन अवसर पर आज केदारनाथ धाम के क्षेत्रपाल एवं रक्षक



भगवान भुकुंट भैरवनाथ जी के कपाट शीतकाल के लिए विधि-विधान एवं वैदिक धार्मिक परंपराओं के अनुसार बंद किए जाएंगे. भैरवनाथ जी के कपाट बंद होने के साथ ही भगवान केदारनाथ के धाम में शीतकालीन कपाट बंद होने की पारंपरिक धार्मिक प्रक्रिया का विधिवत शुभारंभ हो जाएगा. बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य डॉ. विनीत चंद्र पोस्ती ने धाम से जानकारी साझा करते हुए देश एवं प्रदेशवासियों को दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी. उन्होंने बताया कि भगवान भुकुंट भैरवनाथ के कपाट बंद होने के धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय हक-हकूकधारी, तीर्थ पुरोहित समाज, मंदिर समिति के अधिकारी-कर्मचारी तथा पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे. उन्होंने बताया कि धार्मिक परंपराओं के अनुसार भैरवनाथ जी के कपाट बंद होने के बाद बाबा केदार के शीतकालीन प्रवास की तैयारियां और कपाट बंद करने से जुड़े अनुष्ठान आगे बढ़ेंगे. आगामी 11 नवंबर को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे. विनीत चंद्र पोस्ती ने श्रद्धालुओं से अपील की कि दीपावली के पावन अवसर पर केदारनाथ धाम पहुंचकर दीप प्रज्वलित करें और बाबा केदार के दरबार में दीपोत्सव को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाएं. उन्होंने कहा कि धाम की धार्मिक मयार्दा, पवित्रता और गरिमा बनाए रखना प्रत्येक श्रद्धालु की जिम्मेदारी है. सभी भक्त व्यवस्थाओं में सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था एवं असामाजिक गतिविधियों से दूर रहकर शांति, सौहार्द और धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने में सहभागी बनें. उन्होंने बाबा केदार से समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की.फूलों की खुशबू, दीपों की रोशनी और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच केदारपुरी में दीपावली का यह दिव्य उत्सव श्रद्धा और आस्था की अविस्मरणीय छाप छोड़ रहा है.

चुनाव में हार के बाद ट्रम्प का बड़ा एक्शन: सूजी वाइल्स को हटाया; स्टीफन मिलर बने व्हाइट हाउस के नए चीफ ऑफ स्टाफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को लगे बड़े झटके के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी प्रशासनिक टीम में बड़ा फेरबदल कर दिया है। ट्रम्प ने सूजी वाइल्स की जगह अपने सबसे भरोसेमंद और कट्टर सहयोगी स्टीफन मिलर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया है। मध्यावधि चुनाव में संसद के दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सूजी वाइल्स का इस्तीफा स्वीकार करते हुए अपने सबसे कट्टर और पुराने रणनीतिकार स्टीफन मिलर को व्हाइट हाउस का नया चीफ ऑफ स्टाफ बना दिया है। चुनावी हार के बाद नीति बदलने के बजाय ट्रम्प ने मिलर को आगे लाकर यह साफ संकेत दिया है कि वे आने वाले दो वर्षों में विपक्षी डेमोक्रेट्स के सामने झुकने के बजाय अपने आक्रामक



एजेंडे पर ही अडिग रहेंगे।

स्टीफन मिलर को अमेरिकी राजनीति में ट्रम्प के सबसे प्रभावशाली और वैचारिक रूप से बेहद करीबी सहयोगियों में गिना जाता है। साल 2016 के पहले राष्ट्रपति चुनाव अभियान में वे ट्रम्प के भाषण लेखक के तौर पर जुड़े थे। इसके बाद वे प्रशासन की सबसे सख्त आव्रजन नीतियों के मुख्य रणनीतिकार बनकर उभरे। अमेरिका में अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और ग्रीन कार्ड नियमों को कड़ा करने के पीछे मिलर का ही दिमाग रहा है। ट्रम्प के 'अमेरिका फर्स्ट' नारे के पक्के पैरोकार मिलर मानते हैं कि सीमाओं की रक्षा और राष्ट्रीय हित सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सूजी वाइल्स को ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखने वाली अधिकारी के रूप में जाना जाता था। वे मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर शांति से संगठनात्मक काम करना पसंद करती थीं और ट्रम्प के सबसे अनुशासित 2024 चुनाव अभियान की सफलता का श्रेय उन्हीं को दिया गया था। वहीं इसके उलट, स्टीफन मिलर सार्वजनिक मंचों और मीडिया में ट्रम्प की नीतियों का बेहद मुखर और आक्रामक तरीके से बचाव करने के लिए जाने जाते हैं। गुरुवार रात वाइल्स ने अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया, जिसके बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर उनके योगदान की तारीफ करते हुए उन्हें अपने राजनीतिक संगठन की जिम्मेदारी सौंपने की बात कही।

हालिया मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए जिन वजहों की चर्चा हो रही है, उनमें मिलर की सख्त आव्रजन नीतियां भी प्रमुख थीं। एसोसिएटेड प्रेस के वोटर पोल के मुताबिक, 10 में से करीब 6 मतदाताओं का मानना था कि ट्रम्प प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई जरूरत से ज्यादा सख्त रही है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने मिलर की नियुक्ति की तुरंत आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकी जनता ने जिन नीतियों को खारिज किया, ट्रम्प उन्हीं को और आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि ट्रम्प ने चुनावी हार के बावजूद अपनी नीतियों पर पीछे हटने के बजाय मिलर को सबसे ताकतवर पद सौंपकर अपनी प्राथमिकताओं को फिर दोहराया है।

चीफ ऑफ स्टाफ का पद व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति के बाद सबसे अहम माना जाता है, जो प्रशासनिक प्राथमिकताओं, नियुक्तियों और नीतिगत फैसलों के बीच तालमेल बैठाता है। संसद में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण हो जाने से ट्रम्प को अपने बचे हुए दो साल के कार्यकाल में भारी विधायी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में कानून पास कराने के बजाय राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों और प्रशासनिक आदेशों के जरिए फैसले लागू कराने की योजना है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत से ज्यादा एथेनॉल पर सियासी घमासान

निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी को याद दिलाया उनकी सरकार का कानून

नई दिल्ली, एजेंसी । पेट्रोल में एथेनॉल की निर्धारित मात्रा से अधिक मिलावट के दावों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक विवाद तेज हुआ है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में पेट्रोल के नमूनों की जांच का हवाला देकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। वहीं, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार कर कांग्रेस को ही कठघरे में खड़ा किया है। सांसद दुबे ने वर्ष 2011 में तत्कालीन कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान बनाए गए कानून का हवाला देकर कर्नाटक सरकार से जिम्मेदारी तय करने और कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, राहुल गांधी ने दावा किया कि कर्नाटक सरकार ने सात जिलों से पेट्रोल के 14 नमूने एकत्र कर मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में उनकी जांच करवा दी। जांच में 11 नमूनों में एथेनॉल की मात्रा 20 प्रतिशत से अधिक मिली। राहुल गांधी के मुताबिक, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसीएल) के एक नमूने में 31.2 प्रतिशत और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) के एक नमूने में 30.5 प्रतिशत एथेनॉल मिला।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि निर्धारित सीमा से अधिक एथेनॉल मिलने से वाहनों के माइलेज और इंजन की कार्यक्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि देश में पेट्रोल के अंदर वास्तव में कितनी मात्रा में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने पूछा कि निर्धारित सीमा से अधिक एथेनॉल मिलने पर संबंधित तेल कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई कब की जाएगी।

इसके बाद राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार कर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पेट्रोल की गुणवत्ता और कथित मिलावट को लेकर जवाबदेही राज्य सरकार की बनती है। सांसद दुबे ने राहुल गांधी को सलाह दी कि वह लगातार केंद्र सरकार पर सवाल उठाने के बजाय कर्नाटक के मुख्यमंत्री से जवाब मांगें और कार्रवाई सुनिश्चित करें।



उदित समेत 13 सिंगर्स ने मिलकर गाए 'सूर्या' के गीत

नई दिल्ली। रामायण पार्ट 1 की रिलीज के बाद सनी देओल एक और फिल्म सूर्या में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 दिनों बाद सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसका फुल एल्बम जारी हो गया। आगामी फिल्म सूर्या के गानों में कुमार सानू से लेकर उदित नारायण अपनी आवाज देने वाले हैं। फिल्म में कुल सात गाने हैं, जिन्हें सिनेमा के दिग्गज गायक-गायिकाओं ने गाया है। सूर्या के साथ सबका अनुभव करो। फिल्म में कुल सात गाने हैं। सुनियो जरा - कुमार सानू, उदित नारायण, अनुपम अमोद। ढोला जी - श्रेया घोषाल, जावेद अली, स्वरूप खान।

लाइफ Style

सुहाना

दिवाली पार्टी में बिखेरा फैशन का जलवा

बॉलीवुड में सितारे दिवाली बड़े ही ग्लैमरस अंदाज में मनाते हैं। हाल ही में मनीष मल्होत्रा ने बॉलीवुड सितारों के लिए एक स्पेशल दिवाली पार्ट होस्ट की। इस पार्टी में जाने-माने सितारे शामिल हुए और फैशन का जलवा बिखेरा।



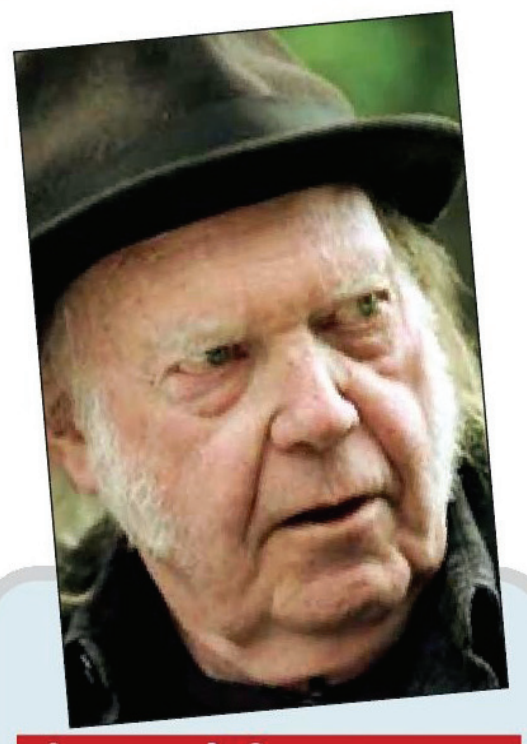
कृति सेनन, सुहाना खान, जाह्नवी कपूर और करीना कपूर ने तो अपने लुक से हर किसी को अपना दीवाना बना लिया। सोशल मीडिया पर इस पार्टी में शामिल हुए सितारों के लुक्स खूब वायरल हो रहे हैं। कृति सेनन भी मनीष मल्होत्रा की पार्टी में शामिल हुईं। एक्ट्रेस ने इस दौरान पेस्टल ब्लू कलर का कुर्ता और मैचिंग पैंट पहनी। एक्ट्रेस का ये अंदाज भी काफी स्टाइलिश और ग्लैमरस लग रहा है। सोशल मीडिया पर कृति सेनन के लुक की खूब तारीफ भी हो रही है। इसके साथ ही एक्ट्रेस की फोटोज भी खूब वायरल हो रही हैं। जाह्नवी कपूर ने इस पार्टी में ब्लैक और गोल्डन कलर की स्ट्राइप्स वाला लहंगा कैरी किया। इस लुक में जाह्नवी काफी खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, पैपराजी के सामने जाह्नवी ने अकेले ही पोज दिए। सोशल मीडिया पर जाह्नवी का ये ग्लैमरस अंदाज काफी चर्चाओं में बना हुआ है। हर कोई उनके लुक की तारीफ कर रहा है। शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान ने इस पार्टी की सारी लाइमलाइट छीन ली। ब्रोकेड लहंगा में बेहद खूबसूरत दिखाई दीं। सुहाना के इस लुक ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वहीं, सोशल मीडिया पर सुहाना के लुक की तारीफ हो रही है।

हॉलीवुड मसाला



किंग काइली बनीं प्रियंका

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा त्योहारी सीजन का भरपूर आनंद ले रही हैं। दिवाली की पार्टी का आयोजन करने के बाद अब वह अपने परिवार के साथ हैलोवीन मनाने में जुट गई हैं। हैलोवीन मनाने के लिए अभिनेत्री अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ बाहर निकलीं। इस मौके पर, प्रियंका ने काइली जेनर के मशहूर 'किंग काइली' लुक को अपनाया। उन्होंने लंबे गुलाबी बाल (विग), काली बीनी (टोपी), बड़े सनग्लासेस, काला क्रॉप टॉप और उसके साथ मैचिंग जैकेट व ट्राउजर पहना।



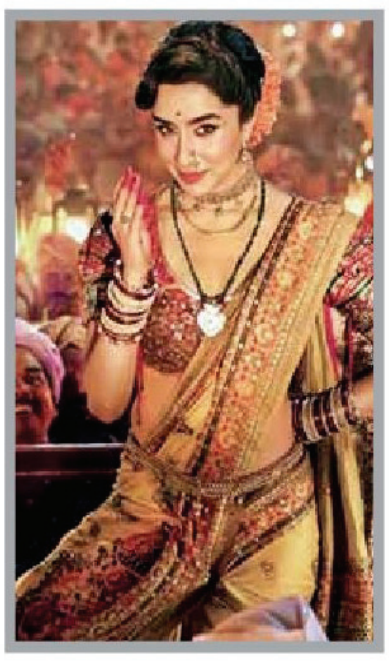
नील यंग ने किया ट्रंप पर 10 मिलियन डॉलर का मुकदमा

लॉस एंजिल्स। संगीतकार नील यंग ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक एक्शन कमिटी 'ट्रंप 47 कमिटी इंक' के खिलाफ 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का मुकदमा दायर किया है। उनका आरोप है कि कमिटी ने मिडटर्म चुनाव रैलियों में राष्ट्रपति के मंच पर आने के दौरान, बिना इजाजत के उनके गाने 'रॉकिन इन द फ्री वर्ल्ड' का इस्तेमाल किया। 'रॉकिन इन द फ्री वर्ल्ड' के अनधिकृत इस्तेमाल को लेकर ट्रंप के खिलाफ यह यंग की दूसरी कानूनी कार्रवाई है। यंग ने पहली बार 2020 में ट्रंप पर मुकदमा किया था, जिसे बाद में आपसी समझौते से सुलझा लिया गया था। गायक के इस नए मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि ट्रंप ने उस समझौते की शर्तों का उल्लंघन करते हुए, फिर से इस गाने का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है।



आज के सितारों में कॉन्फिडेंस की कमी

नई दिल्ली। फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान अपनी बेबाक बातों के लिए जानी जाती हैं। वो अपनी सोच को खुलकर लोगों के सामने रखती हैं। हाल ही में फराह ने आज के नए एक्टर्स के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि आजकल के कलाकार फिल्मों में कोरियोग्राफी से लेकर म्यूजिक और कास्टिंग तक हर चीज में दखल देते हैं। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आज के एक्टर्स को खुद पर भरोसा नहीं है और वे असुरक्षित महसूस करते हैं। उन्हें अपने डायरेक्टर पर भी विश्वास नहीं होता। वे गानों की कोरियोग्राफी खुद करना चाहते हैं और म्यूजिक से लेकर कास्टिंग तक हर मामले में दखल देते हैं। फराह के मुताबिक, यह सब तब होता है जब किसी इंसान को खुद पर भरोसा नहीं होता।



'ईठा' की मुश्किलें बढ़ाएंगे सलमान

नई दिल्ली। बॉलीवुड में नवंबर के बाद दिसंबर के महीने में कई बड़ी फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। इन बड़ी फिल्मों में शाह रुख खान की किंग से लेकर एंवेजर्सः डूम्सडे समेत श्रद्धा कपूर की ईठा का नाम भी शामिल है और अब लीजिए दिसंबर के महीने में ही बॉक्स ऑफिस पर आंधी तूफान मचाने आ रहे हैं सलमान खान, क्योंकि दबंग खान की मचअवेटेड फिल्म मातृभूमि की रिलीज का ऐलान हो चुका है। फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। अब इसमें ट्विस्ट ये है कि 4 दिसंबर को ही श्रद्धा कपूर की मचअवेटेड फिल्म 'ईठा' भी रिलीज होने जा रही है। मतलब ये है कि भाईजान अब श्रद्धा की फिल्म की मुश्किलें बढ़ाने वाले हैं। अभीतक 4 दिसंबर को श्रद्धा की फिल्म आ रही थी और वो भी किंग से पहले, लेकिन अब श्रद्धा की फिल्म से सलमान की फिल्म टकराने वाली है।

टीवी मसाला

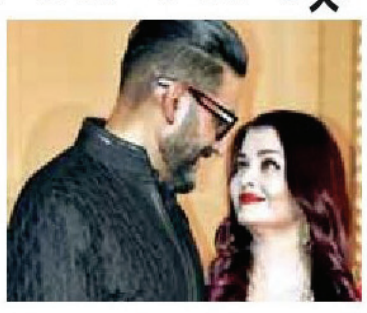


प्रियंका को हराकर राइज एंड फॉल 2 के विनर बने शहजाद

नई दिल्ली। रियलिटी शो राइज एंड फॉल 2 का ग्रैंड फिनाले हो गया है। शो के विजेता शहजाद पूनावाला बने हैं जिन्होंने ट्रॉफी के साथ-साथ लाखों की प्राइज मनी भी अपने नाम की है। इस बार विजेता बनने की रेस में कुल 6 फाइनलिस्ट थे, जिसमें शहजाद, प्रियंका चाहर चौधरी, गौतम गुलाटी, करण पटेल, स्वरा भास्कर और निहारिका तिवारी शामिल थे।

एक-दूसरे की आंखों में डूबे ऐश्वर्या-अभिषेक हाथ थामे दिवाली पार्टी में ली एंट्री

नई दिल्ली। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के रिश्ते को लेकर एक लंबे समय से सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे थे। कभी उनके रिश्ते में अनबन की खबरें आईं, तो वहीं कईयों ने तो उनके तलाक तक की अफवाह उड़ा दी। इन सभी रूमर्स पर अब ऐश्वर्या और अभिषेक ने ट्रोलर्स को ऐसा जवाब दिया है, जिससे उनकी बोलती बंद हो जाएगी। बीती रात मुंबई में फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने अपने बांद्रा स्थित घर पर दीवाली पार्टी रखी। जिसे अटेंड करने के लिए कई बड़े सितारे पहुंचें। हालांकि, इन सभी सितारों में जिस कपल ने सभी का ध्यान अपनी तरफ खींचा , वो थे ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक, जो हाथों में हाथ डाले एक साथ पहुंचे थे। मनीष मल्होत्रा की दीवाली पार्टी से ऐश्वर्या और अभिषेक की कई तस्वीरें और वीडियोज वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में अभिषेक बच्चन रेड कारपेट पर ऐश्वर्या का हाथ थामे दिखाई दिए। जब फोटोग्राफर्स ने कपल को पोज करने के लिए कहा, तो कभी अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या के कंधे पर हाथ रखे दिखे, तो कभी एकटक अपनी ब्यूटीफुल वाइफ की खूबसूरत आंखों में देखते रहे। सालों की शादी के बाद अभिषेक बच्चन का वहीं प्यार भरा अंदाज देखने



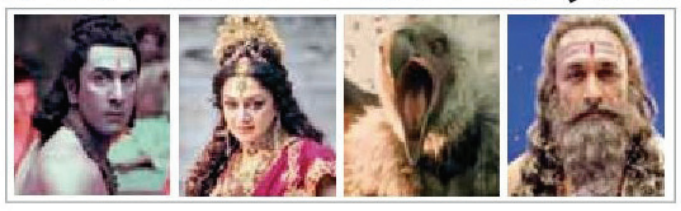
के बाद ऐश्वर्या राय की स्माइल थमने का नाम नहीं ले रही थीं। जब अभिषेक ने प्यार से उनके कंधे पर हाथ रखा, तो बड़े ही प्यार से ऐश्वर्या राय ने भी उनके शोल्डर पर अपना सिर टिका दिया। जब पैपराजी ने ऐश्वर्या से मनीष मल्होत्रा के घर में एंट्री करते हुए सोलो फोटो मांगी, तो अभिनेत्री ने इशारों में ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया। ऐश्वर्या राय ने इस खास मौके पर लाल सुर्ख साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वह बेहद ही खूबसूरत लग रही थीं। उनके लुक की तारीफ करते हुए दूसरे यूजर ने लिखा, "मैं ऐश्वर्या पर से आंखें नहीं हटा पा रहा हूं। दोनों बहुत ही खूबसूरत लग रहे हैं।"

रामायण में इन 6 किरदारों ने चौंकाया अपनी अपीयरेंस और एक्टिंग से किया इंप्रेस

मुंबई। रणबीर कपूर की रामायण फिल्म की खूब तारीफ हो रही है। फिल्म से काफी अच्छे कलेक्शन की उम्मीद लगाई जा रही थी जिसमें ये सफल भी रही है। हर कलाकारों ने अपनी एक्टिंग से इंप्रेस किया है। बता रहे हैं उन 6 कलाकारों के बारे में जिन्होंने रामायण फिल्म में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से चौंका दिया। रणबीर कपूर की रामायण फिल्म की खूब तारीफ हो रही है। फिल्म से काफी अच्छे कलेक्शन की उम्मीद लगाई जा रही थी जिसमें ये सफल भी रही है। हर कलाकारों ने अपनी एक्टिंग से इंप्रेस किया है।

कैकसी : रावण की मां कैकसी के रोल में साउथ एक्ट्रेस और पद्म भूषण से सम्मानित शोभना ने चौंका दिया। उन्होंने फिल्म में दमदार रोल प्ले किया और फिल्म की शुरुआत से ही छाई रहीं। रावण की अपब्रिंगिंग में उनका किरदार कितना अहम था ये इस फिल्म में देखने को मिलता है।

जटायु : रामायण फिल्म में जटायु का किरदार अनुपम खेर ने प्ले किया है। इस रोल में वे शानदार परफॉर्म करते नजर आए हैं। जटायु ने ही राम को रावण का पता बताया था। वहीं, सीता मइया को रावण के चंगुल से बचाने



के लिए अपनी जान दांव पर लगाई थी।

विश्वामित्र : वैदिक काल के महान ऋषि और राम के गुरु विश्वामित्र का किरदार फिल्म में अजंक्य देओ ने प्ले किया है। इस किरदार में वे काफी असरदार साबित हुए हैं। राम को उनके कन्फर्ट जोन से बाहर निकाल एक योद्धा बनाने की पहली शुरुआत विश्वामित्र ने ही की थी। फिल्म में अजंक्य ने ये किरदार बहुत बेखूबी निभाया है।

विद्युतजीव्हा : शूर्पणखा के पति विद्युतजीव्हा का किरदार रामायण फिल्म में विवेक ओबेरॉय ने प्ले किया है। इस रोल में वे काफी प्रभावशाली रहे हैं। रावण को एक महान शासक बनाने में विद्युतजीव्हा का क्या योगदान था ये इस फिल्म में देखने को मिला है। रावण संग उनकी लड़ाई का प्रसंग भी इसमें दिखाया गया है, जिसमें रावण उनकी जान ले लेता है।

शूर्पणखा : शूर्पणखा का किरदार रामायण फिल्म में काफी मायने रखता है। उनके किरदार के बिना तो रामायण की कल्पना करना मुश्किल है। क्योंकि, राम और रावण के बीच लड़ाई और सीता हरण का मुख्य कारण शूर्पणखा ही थीं जो अपने भाई के हाथों अपने पहले पति विद्युतजीव्हा के वध के बाद राम को दिल दे बैठी थीं। रकुल प्रीत सिंह ने इस किरदार के साथ पूरा न्याय किया है।

मारीच : रावण की सेना में मारीच नाम का एक दानव था जो अपने मायावी छल के लिए जाना जाता था। वो रिश्ते में रावण का मामा और उसकी मां कैकसी का भाई थी। मारीच का रोल इस फिल्म में सौरभ सचदेव ने निभाया है। वे अपने रोल में परफेक्ट नजर आए हैं।

JHARKHAND EDUCATION CENTER
RANCHI
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com



हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.